रजिस्ट्रो सं• डी--(डी)--73

# HRCI and USA Che Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40 ]

नई बिल्ली, शनिवार, अन्तूबर 6, 1979 (आश्विन 14, 1901)

No. 40 1

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 6, 1979 (ASVINA 14, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अक्षण संकलन के रूप में एखा जा सहि (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

# PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, तियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जीरी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attacked and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली: 110011, दिनांक 5 मित्रस्वर 1979

सं० ए० 32016/2/78-प्रणा० II --- सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में स्थायी प्रतृ० सहा० (प्रनृ० और सा०) और स्थानापन्न प्रनुसंधान प्रन्वेषक श्री राम सिंह को 3-9-1979 से 30-11-1979 तक की प्रविध के लिए प्रथवा प्रागामी प्रादेश तक, जो भी पहले हो, प्रायोग के कार्यालय में किनष्ठ प्रनुसंधान प्रधिकारी (प्रनृ और सा०) श्रीमती राजकुमारी प्रानन्य के, जिन्हें ग्रवकाण स्वीकृत किया गया था, स्थान पर किनष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अन० और सा०) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त करते हैं।

दिनांक, 7 सितम्बर 1979

सं० ए० 35017/1/79 प्रणा II — संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त की भ्रवधि समाप्त होने पर महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व के लेखा अधिकारी श्री एच० आर० सिंह की सेवाएं केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार को लौटाई जाती है।
1—266GI/79

श्री एच० श्रार० सिंह को 52 दिन की श्रवधि के लिए ग्राजित श्रवकाण प्रदान किया गयाहै। श्रवकाण की श्रवधि सामप्त होने पर श्री एच० श्रार० सिंह कार्यभार संभालने के लिए महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व के कार्यालय में सीधे ही उपस्थित होंगे।

REGISTEREDING

दिनांक 10 मितम्बर 1979

सं० ए० 12016/1/78-प्रणा० II — सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एनद्कारा स्थायी स्वागती एव स्थानापन्न स्वागत पर्यवेक्षक श्री एम० एल० चोपड़ा को, संघ लोक सेवा आयोग में 3-9-1979 से 30-11-1979 तक की श्रविध के लिए अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, स्वागत अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 35017/1/73-पशा० II — पिचन, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्द्वारा सं० ला० सं० ग्रा० के केन्द्रीव सचिवा-लय सेवा संवर्ग के श्रवृक्षांग श्रीधारारी श्री महीताल जैन को लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में लेखा श्रीधकारी के संवर्ग

(7667)

बाह्य पद पर स्थाना प्र रूप से तदर्थ प्राधार पर कार्य करने के लिए 10-9-1979 से तीन माह की धवधि के लिए प्रथवा प्रामामी भावेग नक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

श्री महीपाल जैन लेखा श्रधिकारी के संवर्ग बाह्य पर पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे श्रीर उनका बेतन समय-समय पर यथासंशोधित विकासन्वालय के कार ज्ञार संरुएफर 10 (24)/ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित प्रनुदेशी के प्रनुशार विनिधित होगा।

एस० बालचन्द्रन श्रवर सचिव **क्रुते** सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

### नई दिल्ली-1100011, दिनांक 22 श्रगस्त 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रणा०—1—संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेंड वयक्तिक सहायकों (ग्रेंड ग) वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टें० से० का ग्रेंड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे लिखी तारींख से उसी संवर्ग में पूर्णतः श्रनन्तिम, श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर यरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टेसे० का ग्रेंड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

ऋ∘ सं∘	नाम		धारित नियमित पद	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की ग <b>ई है</b>	म्रवधि जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई है
1	2		3	4	5
1. श्री एस० प	गि॰ मेंहरा .			वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के सं०स्टे० से० का ग्रेड ख)	
2. श्री ओ०पी	०िवेवरा .		<del></del>	_	
3. श्री हुकम <sup>ः</sup>	चन्द .		. ग्रेड ग .स्टनोग्राफर का स्थानापन्न चयन ग्रेड तथा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग)	स०स्टे०से०काग्रेडख)	<ul> <li>60 दिन, 19-8-79 से         17-10-79 तक प्रथवीं         प्रागामी भादेश तक जो भी         पहले हो     </li> </ul>
4. श्रीएच०	सी० कटौच		· —		
5. श्रीटी० इ	प्रार० शर्माः	,	<del></del>	_	
6. श्रीके०ए	स०भुटानी ण		स्थायी वैयक्तिक सहयक के० सं०स्ट० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के० स०स्ट० से० काग्रेड खं)	60 दिन, 19-8-79 से 17-10-79 तक भ्रथवा भ्रागामी भ्रादेश तक, जो भी पहले हो।

2. उपयंक्त व्यक्तियों को यह अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्यायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० सं० स्टे० से० ग्रेड ख में विलयन का अधवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता कम कोई हक नहीं होगा। सर्वश्री ए० पी० मेहरा और ग्रो० पी० वेवरा को उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अविधिक कि लिए के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख के पद पर तदर्थ नियुक्तियां इस आधार पर की गई हैं कि इनका अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कर दिया जाएगा।

### दिनांक 31 श्रगस्त 1979

सं० पी० 55-प्रभा० I — संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यां-लय में स्थायी श्रनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न श्रवर सचिव कुमारी एम० टी० केतवानी को निवतन श्रायु प्राप्त कर लेने के पश्चात राष्ट्रपणि द्वारा 31-8-1979 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति प्रदान की जाती है। सं० पी०/1691-प्रणा० I — संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० के स्थायी ग्रेड I अधिकारी तथा स्थानापन्न उप सचिव श्री ए० गुप्ता को निवर्तन श्राय प्राप्त कर लेने के पश्चात राष्ट्रपति द्वारा 31-8-1979 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा में निवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान की जाती हैं।

श्री ए० गुप्ता को गृह मंत्रालय, कि। मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग को उनके पत्न सं० 39017/17/79-स्था (ख) दिनांक 30-7-79 द्वारा दी गई सहमित से निवर्तन के बाद 1-9-79 से छह मास की श्रविध के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय म उप सिचव के पद पर पुनः नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32013/1/79-प्रणा० I — संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के लामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए, प्रथवा श्रागामी श्रादेश तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में तदर्थ आधार पर श्रवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

कै नाम सं०	श्रवधि
<ol> <li>श्री बी० बी० मेहरा (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क के स्थायी श्रधिकारी)</li> </ol>	 21-7-79 से 20-10-79 तक
<ol> <li>श्री पी० सी० माथुर (के०म० से श्रनुभाग ग्रिधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी)</li> </ol>	21-7-79 से 20-10-79 तक
<ol> <li>श्री स्रार० एन० खुराना (के० म० से० स्रनुमाग स्रधिकारी ग्रेड केस्थायी स्रधिकारी)</li> </ol>	17-7-79 सें 18-8-79 तक
	एम० बालघन्द्रन, श्रवर सचिव

### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 मितम्बर 1979

सं० 99 पी० प्रार० एस० 011—केन्द्रीय सतर्कता प्रायुक्त एतद्द्वारा श्री रमेश चन्द्र, भारतीय रेल इन्जीनियर, सेवा के ग्रधिकारी को 5 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्राखे ग्रादेग तक केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग में स्थानापन्न रूप से मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

रमश चन्द्र, सचिव **इ.ते** केन्द्रीय सतर्कता स्रायुक्त

संघ लोक सेवा श्रायोग

### नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1979

मं० 98 आर० सी० टी० 18--केन्द्रीय मतर्कता आयुक्त एसद्द्वारा श्री एस० एल० गर्ग, आयोग में स्थायी वैयक्तिक सहायक को 5 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होन्ना प्रवर सचिव **हुते** केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

गृह मंत्रालय केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

(क्रार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 सितम्बर 1979

मं० 1-9/79-सी० एफ० एम० एल०/पर्स-1/6483— राष्ट्रपति, श्री एस० एम० कैन्थ, वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी (प्रक्षम), केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय श्रन्त्रेषण ब्यूरो, नई दिल्ली, का त्यागपत्र वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रिकारी (प्रक्षेप के पद्य पर से 31-8-1979 (श्रपराह्म) को सहर्ष स्वीकार करते हैं।

### दिनांक 13 मितम्बर 1979

सं० ए० 19036/4/78-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो, प्राधिक प्रपराध स्कंध, कलकत्ता में पुलिस उप-प्रधीक्षक के रूप में कार्यरत पश्चिम बंगाल पुलिम के प्रधिकारी श्री श्यामलेन्द्र राय की सेवाएं दिनांक 1-8-79 के श्रपराह्न से पश्चिम बंगाल सरकार की वापस सौंपी जाती हैं।

की० ला० ग्रोवर, प्रशासनिक ग्रधि**कारी (स्था०)** केन्द्रीय **ग्रन्वेषण ब्यूरो** 

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक सितम्बर 1979

सं० ओ० दो० 1038/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ऊषा जैन को 17-8-79 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये ग्रथना उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

### दिनांक 15 सितम्बर 1979

सं० श्लो० दो० 559/69-स्थापना—राष्ट्रपति श्ली जे० एस० श्रहलावत को तदर्थ पदोन्नति पर श्लागामी श्लादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल में सहायक कमाडेन्ट के पद पर श्लस्थाई रूप में नियुक्ति करते हैं।

श्री ग्रहसावत ने डी० एस० पी० 11 वटालियन सी० ग्रार० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 12-7-79 के ग्रपराह्म में छोड़ा तथा सहायक कमान्डेन्ट 45 बटालियन सी० धार० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 22-7-79 के अपराह्न से सम्भाला।

ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

# महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-19, दिनांक 10 ग्रगस्त 1979

सं० ई० 16016/4/78-कार्मिक—भारत सरकार मुद्र-णालय, कोराट्टी केरल से स्थानांतरण होने पर, केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के डा० पी० बी० वी० राव, सामान्य ड्यटी भ्रधिकारी, ग्रेड 2 से 6 भ्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० ब० प्रशिक्षण कालेज हैंदराबाद में सहायक सर्जन ग्रेड-1 के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ६० <sup>1</sup>32015/1/5/78-कार्मिक—राष्ट्रपति श्री प्रेम सिंह निहाल सिंह पंचाल को के० औ० सु० ब० में 20 श्रगस्त, 1979 के ग्रपराह्न से श्रगले भ्रादेशों तक श्रस्थाई तौर पर सहायक महानिरीक्षक (फायर) नियुक्त करते हैं।

> सु० नाथ, महानिरीक्षक, के० औ० सु० ब०

# भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 11/34/79-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, राजस्थान, जयपर में जनगणना कार्य निदेणालय में कार्यालय प्रधीक्षक के पव पर कार्यरत श्री ध्रार० सी० चन्दनानी को उसी कार्यालय में पूर्णत: अस्थाई और तबर्थ ग्राधार पर तारीख 10 ग्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक निदेणक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# 2. श्री चन्दनानी का मुख्यालय जयपुर में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तबर्ष नियुक्ति श्री चन्दनानी को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तबर्ष तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरिष्ठता और श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तबर्ष नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद् किया जा सकता है।

### दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 10/23/78-प्रशा-1—संध लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति लखनऊ में, श्रनुसूचित जाति और श्रन्सूचित जनजानि निदेशालय में वरिष्ठ श्रन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री ओ० भक्तन को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 18 श्रगस्त, 1979 के

पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक, सीधी भर्ती द्वारा, श्रस्थायी क्षमता में, नियमित श्राधार पर श्रनुसंधान श्रिधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. इन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

### दिनांक 14 सितम्बर 1979

सं० 10/79-प्रशा०—राष्ट्रपति भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी, श्री एस० राजगोपालन, को उसी कार्यालय में 14 सितम्बर 1979 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी पहले हो, उप-निदेशक के पद पर तदर्थ आधार पर अतियिक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राजगोपालन का मुख्यालय नई दिल्ली में ही होग्म ।

# दिनांक 15 सितम्बर 1979

सं० 10/29/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक महापंजीकार (जनगणना और सारणीकरण) के पद पर कार्यरत श्री के० के० चक्रवर्ती को उसी कार्यालय में तारीख 11 सितम्बर, 1979 के श्रपराक्ष से पूर्णतः श्रस्थाई और तदर्थ श्राधार पर, एक वर्ष की श्रविध के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी श्रविध कम हो, उपमहापंजीकार (जनगणना और सारणीकरण) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

### दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० 10/28/78-प्रणा०-I—विभागीय प्रविक्षति सिमिति की सिफारिश पर राष्ट्रपिति, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निवेशालय में वरिष्ठ भूगोलवेत्ता के पद पर कार्यरत श्री ग्रार० पी० सिंह को तारीख 30 ग्रगस्त, 1979 के पूर्वीह्म से ग्रगले श्रादेशों तक, नियमित ग्राधार पर, ग्रस्थाई क्षमता में, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में ग्रनुसंग्रान ग्रिधकारी (मानचिद्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह का मख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/29/78-प्रणा०-१—संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्रन्वेषक (सामाजिक श्रध्ययन) के पद पर कार्यरत श्री एस० एन० श्रीवास्तव को उसी कार्यालय में तारीख 30 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से श्रगने श्रादेशों तक, सीधी भर्ती द्वारा, श्रस्थाई क्षमता में, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री श्रीस्तव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/58/79-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर, श्रीनिगर में जनगणना कार्य निदेशालय में कार्यालय अधिक्षक के पद पर कार्यरत श्री श्रागा सम्यद श्रसगर को जनगणना कार्य निदेशालय श्रसम, गोहाटी में तारीख 30 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से पूर्णतः श्रस्थाई श्रौर तवर्थ भाधार पर एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री ग्रसग़र का मुख्यालय गोहाटी में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तवर्ष नियुक्ति श्री श्रसग़र को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तवर्ष तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता श्रौर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तवर्ष नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद, विनांक 1 सितम्बर 1979

सं० पी० डी० 3/6496—श्री ए० के० घोष के दिनांक 31-8-79 पूर्वाह्म में सहायक कार्य प्रबन्धक के रूप में पदाय-नित के फलस्वरूप श्री एस० के० ध्रानंद सहायक कार्य प्रबन्धक को उसी तारीख से फोरमेन (उत्पादन) के पद पर पदावनत किया जाता है।

स० रा० पाठक महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परिक्षा तया लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1979

सं० प्रशासन - I/का० आ० सं० 304/5-6/79-80 1163 -- श्रीमान् निदेशक, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यालय के स्थाई श्रनुभाग ग्रधिकारी श्री एच० सी० खत्नी को 31-8-79 से स्थानापन्न लखापरीक्षा श्रधिकारी श्रगले श्रादेश ग्राने तक नियुक्त किया है।

के० टी॰ छाया संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परिक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1979

सं० प्रशासन एक/8/(14)11/2501—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने श्री एस० पद्मानाभन लेखापरीक्षा स्रधि-कारी के कम्प्यूटर मैण्टीनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड में 1-1-79 से स्थायी विलयन के लिये संस्वीकृति प्रदान करती है। केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 37 के प्रधीन उक्त कार्पोरेशन में स्थायी संविलयन को तिथि से उन्हें सरकारी सेवा से श्रवकाश-प्राप्त समझा जाए।

### दिनांक 18 सितम्बर 1979

सं० प्रणासन एक/9 (1)/कें ० डब्ल्यू०/2674—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने वित्त मंत्रालय की सहमित से श्री जी० एस० मित्तल, लेखापरीक्षा ग्रिधकारी को हिन्दुस्तान कार्पोरेणन लिमिटेड में भ्रप्रैल 2, 1979 से स्थायी संविलयन के लिए संस्वीकृति प्रदान कर दी है। केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंणन) नियम, 1972 के नियम 37 के प्रधीन उक्त कार्पोरेणन में स्थायी संविलयन की तिथि से उन्हें सरकारी सेवा से भ्रवकाण-प्राप्त समझा जाये।

महेन्द्र सिंह सरना निदेशक, लखापरीक्षा

# महालेखाकार का कार्यालय केरल तिरुवनन्तपुरम, विनांक 11 सितम्बर 1979

सं० स्थापना प्र०7/9-86/खण्ड 2/141—नीचे बताये स्थायी भ्रनुभाग भ्रधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से भ्रगले भ्रादेशों तक लेखा भ्रधिकारियों के रूप में स्थानापन्न होने हेत् नियुक्त करने के लिए महालेखाकार, केरल, संतुष्ट हुए हैं:---

- श्री म्रार० हरिहर देवराज म्रय्यर 1-9-79 म्रपराह्म
- 2. श्री एम० टी० जार्ज 1-9-79 ग्रपराह्म
- 3. श्री टी॰ एन॰ शंकरनारायण अय्यर 1-9-79 अपराह्म (प्रोफार्मा)

डी० एस० भय्यर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, भ्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० प्रशा० I/8-182/79-80/94—श्री पी० वेंकटरमणा राव, लेखा ग्रधिकारी, महा लेखाकार का कार्यालय, ग्रांध्र प्रदेश I/II में सेवा से निवत्त हुए—दि० 30-4-1979 ग्रपराह्म।

सं० प्रशा० I/8-132/79-80/94—श्री सय्यद इल्फान हुसैन, लेखा श्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, श्राध्य प्रदेश I/II में सेवा से निवृत्त हुए–दिनांक 30-6-79 श्रपराह्म।

सं० प्रणा० I/8-1/32/79-80/94—श्री जी० बी० सत्यनारायण शास्त्री, लेखा भिधकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आंध्रप्रदेश I/II में सेवा से निवत्त हुए—दिनांक 30-6-79 भूपराह्म।

सं० प्रणा० I /8-1/32 /79-80/94—श्री बी० भार० कुलकर्णी लेखा ग्रधिकारी महा लेखाकार का कार्यालय भांध्र प्रदेश III में सेवा से निवृत हुए—दि० 31-8-79 भपराह्म ।

> रा० हरिहरन वरिष्ठ उप लेहामाखाकार (प्रशासन)

### उद्योग मंत्रालय

(भ्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011 दिनांक 30 भगस्त 1979

सं० ए० 19018 (65)/73-प्रशासन (राजपितत)— राष्ट्रपितजी, लधु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर के श्री लिलत कृष्ण, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) को दिनांक 1 ग्रगस्त, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेशों तक के लिए उसी संस्थान में उप निदेशक (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018 (383)/79-प्रशा० (राज०)— राष्ट्रपतिजी, श्री ए० के० मक्कड़ को दिनांक 26 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक, शाखालघु उद्योग सेवा संस्थान, जम्मू में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांतिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(405)/79-प्रणा० (राज०)— राष्ट्रपतिजी, श्री पी० टी० थामस को दिनांक 3 ग्रगस्त, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, ग्रहमदाबाद में सहायक निदेशक, ग्रेड 1 (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र पाल गुप्त उप निदेशक (प्रशासन)

# इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्युरो

नागपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० ए० 19011/153/76-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रित भारतीय खान अपूरों के श्री मीरुल हसन सहायक खान नियंत्रक को दिनांक 3-8-79 के श्रपराह्म से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

### दिनांक 14 सितम्बरं 1979

सं० ए० 19012/21/77-स्था० ए०—श्री एम० एन० चारी स्थाई खनिज श्रिधिकारी (सांख्यिकी) को दिनांक 2 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ज्यरों में तद्दर्य श्राधार पर स्थानापन्न सहायक खनिज श्रर्थशास्त्री (सांख्यिकी) के रूप में पदोन्नति प्रवान की जाती है।

एस० बालागोपाल कार्यालय श्रध्यक्ष

# राष्ट्रीय भ्रभिलेखागार न**ई** दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1979

सं० एफ० 11-9/79-ए०-1—श्रभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्द्वारा कु० गुलिस्तान कपाडिया स्थायित्य सहायक श्रभिलेखाधिकारी ग्रेड 1 (सामान्य) को विलकुल तदर्थ आधार पर दिनांक 10-9-79 (पूर्वाह्न) से आगामी श्रादेशों तक स्थानापन्न श्रभिलेखाधिकारी (सामान्य) (द्वितीय श्रेणी राजपन्नित अधिकारी) नियुक्त करते हैं।

उन्हें याद रहे कि यह तदर्थ नियुक्ति भगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति की पान्नता और वरिष्ठता सम्बन्धी उद्देश्य के लिये नही गिनी जाएगी और नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई भ्रधिकारी भ्रदान नहीं करेगी।

> बी० एस० कालड़ा प्रशासन घ्रधिकारी कृषे घ्रभिलेख निदेशक

# माकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० 1/13/78-एस०-2—सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के निम्निलिखित कनिष्ठ लेखा प्रधिकारियों को ग्राकाशयाणी में उनके नाम के ग्रागे दर्शायी गई तिथियों व कार्यालयों में लेखा ग्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर 840-1200 रुपये के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है:---

ऋ० सं०	नाम		तिथि	कार्यालय जहां नियुक्त किया
(1)	(3)		(2)	(4)
<ol> <li>श्री बी० एन० इनामवार,</li> <li>प्रभाग बस्बई।</li> </ol>	किमष्ठ लेखा	श्रिधिकारी, फिल्म	1 1-6-79 (भ्रपराह्म)	क्षेत्रीय ग्रभियन्ता (पश्चिम) ग्राकाणवाणी, बम्बईः
<ol> <li>श्री ए० बी० लक्ष्मी नाराय प्रसारण मन्त्रालय</li> </ol>	ानन,  कनिष्ठ लेखा	ा, म्रधिकारी सूचना भौर	: 31-5-79 (पूर्वीह्न)	क्षेत्रीय श्रभियन्ता (उत्तर) भाकाण- वाणी, नई दिल्ली

1	2	3	4
3.	भो बाई० <b>ग्रार० ख</b> टटर, कनिष्ठ ले <mark>खा ग्र</mark> धिकारी, सूचना ग्रौर प्रसारण मन्त्रालय	20-6-79 (पूर्वाह्न)	केन्द्रीय भण्डार, भ्राकाशवाणी, नई दिल्ली
4. 5	श्री सी० वी० वालसुन्द्ररम कनिष्ठ लेखा म्रधिकारी, म्राकाशवाणी, मद्रास ।	31-5-79 (पूर्वाह्न)	क्षेत्रीय ग्रभियन्ता (दक्षिण), श्राकाण- वाणी, मद्रास ।

एस० वी० सेषाक्षी उपनिदेशक (प्रशासन) इते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० 6 (9)/62-एस० I—श्री एस० दत्ता विस्वास, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, कलकत्ताः निवर्तन श्रायु प्राप्त होने पर, दिनांक 31 जुलाई, 1979 से सेवा निवृत्त हो गए है।

नन्द किशोर भारद्वाज प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

### भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

### कलकत्ता-12, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० एफ० 70-2/79-स्थापन/16593—भारतीय प्राणि सबक्षण, मुख्यालय, कलकत्ता के निम्नलिखित वरिष्ठ प्राणि विज्ञान सहायकों को, सहायक प्राणिविज्ञानी (ग्रुप 'बी' राजपित्रत) के पद पर, 650 ६०—1200 ६० के वेतन-मान में, इस विभाग के कलक्जा मुख्यालय में ग्रस्थाई रूप से तदर्थ ग्राधार पर, 31 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी श्रादेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

- 1. श्री ए० भार० लाहिड़ी
- 2. श्री एन० सी० नन्दी

डा० टी० एन० भ्रनन्तक्रुष्णन निवेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० ए० 38013/3/79-एच० क्यु॰ प्रशासन I- सेवा निवतन श्रायु के हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में श्रासिस्टैन्ट श्राकिटेक्ट (सहायक वास्तुविद) श्री टी॰ एस॰ गिल 30 जन, 1979 श्रपराह्म से सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

### दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं॰ ए॰ 12026/1/76-(एच॰ क्यू॰) प्रणासन I-स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने श्री राम जी प्रसाद को 17 श्रगस्त, 1979 प्रविद्वा से श्रागामी श्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली में तकनीकी श्रधिकारी (चिकित्सा सामग्री संगठन) के पद पर तैनात किया है।

### दिनांक 15 सितम्बर 1979

सं० ए० 12026/9/78 (मुख्या) प्रशासना—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के सहायक वस्तुविदों सर्व श्री श्रार० सी० कुमार तथा एम० एस० सहगल को 4 श्रगस्त, 1979, पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक इसी निदेशालय में उप-वास्तुविद के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

2. सर्व श्री ग्रार० सी० कुमार तथा एम० एस० सहगल ने ग्रपनी नियुक्ति उप-वास्तुबिद के पद पर हो जाने के परिणामस्वरूप 4 अगस्त, 1979 पूर्वाह्म से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई विल्ली में सहायक वास्तुबिद के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

### कृषि और सिंचाई मंत्रालय

`(क्रुषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 2 (11)/77-स्था० (I)— सहायक प्रदर्शनी प्रिष्ठकारी (दृश्य) के पद पर श्री पी० बी० दत्त की तदर्थ नियुक्ति 28 फरवरी, 1979 से भ्रागे 29 फररी, 1980 तक बनी रही।

सं० 2(11)/77-स्था०(1)—सहायक प्रदर्शनी ग्रधिकारी (कोटि प्रथम) के पद पर श्री के० बी० नायर की तदर्थ नियुक्ति 28 फरवरी, 1979 से ग्रागे 29 फरवरी, 1980 तक बढ़ा दी गयी है।

> बद्रीनाथ **भद्**ढा निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीदाबाद, विनांक 11 सितम्बर 1979

सं० ए० 19023/57/78-प्र० $\mathbf{I^{II}}$  — विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के श्राधार पर श्री एम० चक्रवर्ती

को जो फरीवाबाव में तदर्थ श्राधार पर विपणन श्रिष्ठिकारी (वर्ग I) के पद पर काम कर रहे हैं, तारीख 24-8-79 से श्रगले श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर फरीदाबाद में स्थानापन्न विपणन श्रिधिकारी (वर्ग I) के रूप में पदोन्नति किया गया है।

सं० ए० 19023/10/79-प्र० III — इस निदेशालय में मुख्य रसायनज्ञ के पद से विपणन प्रधिकारी (वर्ग III) के पद पर प्रत्यावर्तन होने के बाद तारीख 16-8-79 के प्रपराह्म में श्री चन्द्र मोहन ने गाजियाबाद में मुख्य रसायनज्ञ के पद का कार्यभार छोड़ दिया है ग्रीर तारीख 17-8-79 के पूर्वाह्म से नई दिल्ली में विपणन ग्रधिकारी (वर्ग III) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

### दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० ए० 19023/79/-प्रा०III ——सेवा निवत्ति की म्रायु पूर्ण करने पर इस निदेशालय के विपणन म्रधिकारी श्री लक्ष्मी नारायण तारीख 31-7-79 के म्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो चुके हैं।

### दिनांक 15 सितम्बर 1979

सं० ए० 19025/13/79-प्र० III — विभागीय पदोन्नति सिमिति की संस्तुतियों के ग्राधार पर श्री एन० वेन्कटरामन, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय में कुप्पम में दिनांक 27-8-1979 (पूर्वाह्म) से ग्रगले भावेशों तक स्थानापभ्र सहायक विपणन प्रधिकारी (वर्ग ) पदोन्नति किया गया है।

बी० एल० मनिहार प्राशासन निदेशक हुते कृषि विपणन सलाहकार

# परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनोक 17 सितम्बर 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (282)/76-प्रशासन/13738 विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाम, बम्बई के निदेशक, रक्षा लेखा नियंत्रक, फैक्ट्रीज कलकत्ता के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री एस० नागराज को इस प्रभाग में प्रतियुक्ति के शर्ती पर अगस्त 21, 1979 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक रुपये 650-30-740-35-880 द० रो० 40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ब० वि० धत्ते प्रशासन भ्रधिकारी

ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय बम्बई, 400 001, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 23/2/77/स्था०/21163—-निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री झाई० पी० मेनोन को श्रवकाश स्वीक्षत होने के कारण इस निदेशालय के श्रस्थायी भंडारी लक्ष्मणहरिश चन्द्र बगवे को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-1000 द० रो० 40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 15-5-79 (पूर्वाह्न) से 16-6-79 (श्रपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० 23/2/77/स्थापना०/21250—निदेशक, कप एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एन० जॉन जॉनी को श्रवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के श्रस्थायी भंडारी श्रीबालकृष्ण धीर्म मोरे को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रीधकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-1000 द० रो० 40-1200 के वेतन अन्म में दिनांक 30-4-79 (पूर्वाह्म) से 16-6-79 (श्रपराह्म) तर्क तदर्भ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० वी० गोपालक्रुष्णन सहायक कार्मिक प्रधिकारी

### (परिमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 23 ध्रगस्त 1979

सं० प० ख० प्र० 1/12/79 प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परामाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के हिन्दी प्रनुवादक श्री सोम नाथ सबदेव को उसी प्रभाग में 18 अगस्त 1979 की पूर्वाह्न से 17 सितम्बर 1979 की धपराह्न तक की धवधि के लिए श्री टी० एस० नारायणन, सहायक कार्मिक प्रधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रवान की है, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा भ्रधिकारी

# भारी पानी परियोजना बम्बई-400 008, दिनांक 11 ग्रगस्त 1979

सं० 05045/79/5434—भारी पानी परियोजना के, विशेषकार्य ग्रिधिकारी इसके साथ, श्रीमती कन्नमृपिल्लिल पद्मानाभा मेनन कल्याणीकुटटी, सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) को 1 जनवरी, 1979 से मूल रूप से उसीपद पर नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 05052/78/5456—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-श्रिधकारी श्री अशोक कुमार, श्रह्याथी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तलचर) को उसी परियोजना में 1 श्रगस्त, 1978 (पूर्वाह्म) से श्रापे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रिभयन्ता (ग्रेड एन० बी०) नियुक्त करते हैं।

### विनांक 13 सितम्बर 1979

सं० 05000/स्वा० 357/5476—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-श्रिधकारी, श्री वी० बी० स्वामी, स्थायी लेखा-परीक्षक तथा महालेखाकार कार्यालय (उड़ीसा) भुवनेश्वर के स्थानापन्न श्रनुभाग ग्रिधकारी को भारी पानी परियोजना (तल्वर) में 16 जुलाई, 1979 (ग्रपराह्न) से श्रागे ग्रादेश होने तक के लिए ग्रस्थायी तौरपर स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन भ्रधिकारी

## रिऐक्टर प्रनुसंधान केन्द्र

### कलपाक्कम, दिनाँक 31 ग्रगस्त 1979

सं० ए० 32023/1/77-म्रार०---श्री एस० म्रार० साम्बिशवन ने उस पद का कार्यभार 30 म्रगस्त, 1979 के श्रपराह्म से छोड़ दिया, जिस पर उनकी पदोन्नति इस केन्द्र की तारीख 17 जुलाई, 1979 की श्रधिसूचना सं० ए० 32023/1/77/म्रार०-11271 द्वारा तदर्थ आधार पर 16 जुलाई, 1979 से की गई थी।

टी० एस० वी० प्रय्यर प्रशासनिक ग्रधिकारी इते परियोजना निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं॰ ए॰ 12025/8/76-ई॰ — इस विभाग की दिनांक 8 फरवरी, 1979 की प्रधिसूचना सं॰ ए॰ 12025/8/76 ई० के कम में राष्ट्रपति ने सर्वश्री बी० के० गांधी, वरिष्ठ सकतीकी सहायक वैमानिकी और जे० एस० चौहान, वरिष्ठ तकनीकी सहायक विभान मूल्यांकन को नागर विमानन विभाग में दिनांक 24-7-79 के बाद 18-10-79 तक की अविधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्त होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में में नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/7/79-ई० I — इस विभाग की दिनांक 30 मई, 1979 की ग्रधिसूचना सं० ए० 32013/7/79-ई० I के ऋम में राष्ट्रपति ने श्री कुलदीप राय, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (वैमानिकी) को नागर विमानन विभाग में विनांक 24 जुलाई, 1979 से ग्रागे 18-10-79 तक की अवधि के लिए श्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक तक जो भी पहले हो, तबर्य श्राधार पर वैशानिक श्रिवंकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स सहायक निवेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० ए० 38013/1/79-ई० ए०—निवर्तन म्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री जे० एल० विक्टर, विमानक्षेत्र म्रधिकारी क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, बम्बई, क्षेत्र बम्बई एयरपोर्ट बम्बई दिनांक 31 ग्रगस्त, 1979 (ग्रपराह्म) को सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

> नी० मी० जौहरी सहायक निवेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० ए० 32013/3/9/78-६० सी० — इस विभाग की दिनांक 3-3-79 की प्रधिसूचना संख्या ए० 32013/9/78 ६० सी०, दिनांक 22-3-79 की सं० ए० 32013/9/78 ६० सी० और दिनांक 16-6-79 की प्रधिसूचना सं० ए० 32013/9/78 ६० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्निलिखित सहायक तकनीकी प्रधिकारियों की तकनीकी प्रधिकारी के ग्रेड में की गई तिवर्थ पदोन्नित की प्रविध प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख के बाद 31-12-79 तक बढ़ाने की प्रमुपित दी हैं:—

%० सं० (1)	नाम (2)				तैनाती स्टेशन (3)	लगातार तदर्थ नियुक्ति की <b>घवधि</b> (4)
1. श्री सी० ए	ल० मलिक	•			<b>डै</b> ० सं० स्टेशन, बम्बई	1-8-79 के बाद और 31-12-79 तक
2. श्रीएच०ए	<b>ए० शेट</b> टी		•		वै <b>॰</b> सं० स्टेशन, बंगलोर	20-11-79 के बाद <b>घी</b> र 31-12-79 सक
3. श्रीके० एन	<b>१०</b> एस० मणि	•	•	٠	र्वं ० सं० स्टेशन, मद्रास	1-7-79 के बाद श्रौर 31-12-79 तक
4. श्रीए० शंम्	ुषम .		•	•	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1-7-79 के बाद फ्रीर 31-12-79 तक
5. श्रीके० ग्रा	र० रामनुजम	•		٠	वै० पं० स्टेशन, बम्बई	1-8-79 के बाद झीर 31-12-79 तक

(1) (2)			(3)	(4)
6. श्री <b>भ्रो</b> ०पी० छाबड़ा	•	•	. वै० सं० स्टेशन, पालम	1-7-79 के बाद म्रौर 31-12-79
7. श्रीवी० एस० मित्रा		,	. रेडियो निर्माण ग्रीर विकास एकक,	तक 1-7-79 के बाद और 31-12-79
<u> </u>			नई विल्ली	तक

### दिनांक 15 सितम्बर 1979

सं० ए० 32013/8/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन सहायक तकनीकी ग्रिधिकारियों को छः मास के लिए प्रथवा छेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहल हो, तदर्थ श्राधार पर तकनीकी ग्रिधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। नियुक्ति की तारीख और तैनाती स्टेशन प्रत्येक के नाम के सामने विए गए हैं:—

क० सं० 	नाम			मौजूदा तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किए गए	कार्यभार संभालने की तारीख
1. श्रीडी०।	ए <b>स</b> ० गिल .	•		केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली	निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	3-8-79 (पूर्शह्स)
2. श्री एस०	पी० साहनी	•	•	निदेशक रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	निदेशक रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली	2-8-79 (पूर्वाह्न)
3. श्रीवी० :	सुब्र मण्यम			वै० सं० स्टेशन, मद्रास	` · · ·	10-8-79 (पूर्वाह्न)

एस० एन० मोतवानी विशेष कार्य प्रधिकारी (ई)

### विदेश संचार सेवा

# बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 1/226/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा पुणे शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री श्रार० एम० कुम्भार को 7 मई 1979 के पूर्वाह्न से श्रौर श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रभियंता नियुक्त करते हैं।

संव 1/421/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्धारा मद्रास शाखा के तकनीकी सहायक, श्री डी० पी० कन्नन को 11 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अौर आगामी आदेशों तक उसी शाखा में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 1/36/79-स्था० मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थायी प्रशासन श्रधिकारी, श्री एम० एस० कृष्णस्वामी निवर्तन की श्रायु के हो जाने पर 30 जून, 1979 के श्रपराह्म से सेवा निवृक्त हो गए। सं० 1/83/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतदढ़ारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थायी परियात लेखाकार, श्री एक० के० वर्मा को श्रत्पकालीन खाली जगह पर 16-4-1979 से 17-6-1979 तक की श्रवधि के लिए उनके पहले स्थानापन्नता के ऋम में 17-6-1979 से श्रागे और 16-7-1979 तक तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से परियात लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/481/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतव्दारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एम० बाल हुण्णन को निम्नलिखित श्रविधयों के लिए उसी शाखा में तदर्थ श्राधार पर स्थानापक्ष रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं:—

से	तक
1. 23-10-1978	29-1-1979
2. 28-2-1979	7-4-1979
3. 26-4-1979	10-5-1979

एच० एम० मलहौता उप निदेशक (प्रशा०) **इसे** महानिदेशक

# केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा गुल्क समाहर्त्तालय

### पटना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० II (7)/2-स्था/79/11990—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 309/78 दिनांक 10/11/78 और 310/78 दिनांक 10/11/78 के प्रनुसार निम्नलिखित निरीक्षकों को ६० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 0-1200/- तथा नियमान्तर्गत देथ सामान्य भत्तों के सिंहत वेतनमान पर स्थानापन्न ग्रंधीक्षक, ग्रुप 'बी', केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा

शुल्क के रूप में प्रोन्नत किया गया। उपर्युक्त भ्रादेशों के भ्रनुसरण में उनके नाम के सामने दिखाए गये स्थान, तिथि और समयानुसार कार्यभार ग्रहण किया।

ऋ० सं०		नाम				जहां पदस्थापित किये गये	कार्य ग्रह्	ग की निधि
 सर्वश्री							<u> </u>	<del></del>
	सी० एम० जेराई				•	ग्रधीक्षक, के० उ० शु० (नि०), जमशेदपुर,	28-11-78	(पूर्वाह्न)
(2)	तारीणी प्रसाद			•		श्रधीक्षक, सीमा भुल्क सिमणही (सहरसा)	29-12-78	(पूर्वाह्न)
(3)	महेश चन्द्र प्रसाद	•	•	•	•	भ्रधीक्षक, के ० उ० गु०, पदना (एस० भ्रार० पी०)	8-2-79	(पूर्वाह्न)
(4)	तारकेश्वर नाथ सिंह	٠				ग्रधीक्षक, के० उ० मु०, पटना प्रमण्डल	17-11-78	(पूर्वाह्र)
(5)	रेवती रमण सिङ्गानं	0 1	•			ग्रधीक्षक, सी० शु०, मुजक्फरपुर	16-12-78	(पूर्वाझ)
(6)	लखन लाल	•	•	•	•	म्राधीक्षक, के० उ० शु०, करनपुरा (एस० म्रार० पी०)	30-1-79	(पूर्वाह्म)
(7)	कृष्ण कुमार सिह्ना					ग्रधीक्षक (स्वर्ग) (नि०) पटना	15-11-78	(पूर्वाह्न)
(8)	बलराम प्रसाद					ग्रधीक्षक, सीमा <b>गु०</b> (नि०), रक्सौल	5-12-78	(पूर्वाह्स)
(9)	<b>प्रहमद बसी</b> र	•	•		•	म्रधीक्षक, सीमा शुल्क, गङ्गहड़ा ट्रान्सीपमेन्ट यार्ड	12-3-79	(पूर्वाह्म)
(10)	कल्याण कुमार राय		٠			भ्रधीक्षक, के० उ० गु०, जामादेवा (एस० श्रार० पी०)	16-1-79	(पूर्वाह्म)
(11)	विन्ध्याचल सिह		•			श्रधीक्षक सीमा शुल्क, मुजफ्फरपुर	20-11-78	(पूर्वाह्न)
(12)	राजेक्ष्वर प्रसाद			•		श्रधीक्षक के० उ० गु० (नि०), धनबाद	16-11-78	(पूर्वाह्य)
(13)	मुस्ताक श्रालम	•	•	•	•	अधीक्षक के० उ० शु०, महुदा (एस <b>० ग्रा</b> र० पी०)	19-1-79	(पूर्आह्न)
(14)	सुब्रतो बनर्जी	•	•	•		अधीक्षक, हजारीबाग (एस० भ्रार० पी०)	12-12-78	(पूर्वाह्म)
(15)	राम छबीला प्र० सिंह		•	•	•	भ्रधीक्षक, के० उ० ग्रु०, बरकाकाना (एस० श्रार० पी०)	29-1-79	(पूर्वाह्न)
(16)	हरि प्रसाद दुवे			•		<b>ग्र</b> धीक्षक, सीमा शु०  (नि०) फारविसगंज	28-11-78	(पूर्वाह्न)
(17)	हजारी सिंह			•	•	म्रधीक्षक, के० उ० गु० पूर्णिया रेंज	16-3-79	(पूर्वाह्न)
(18)	जनार्दन प्र० सिंह	•		•	•	म्रधीक्षक, के उ० मु०, सिजुम्रा (एस० भ्रार० पी०)	17-11-78	(पूर्वाह्न)
(19)	मन मोहन पान्डे		•		•	ग्रधीक्षक, के० उ० मु०, बेरमो	29-11-78	(पूर्वाॠ)
(20)	के० सी० चक्रवर्ती	•	•	•	•	अधीक्षक, के० उ० सु०,  बरौनी (एस० भ्रार० पी०) रेंज	23-11-78	(पूर्वाह्न)
(21)	गजेन्द्र प्रसाद			٠.		अधीक्षक, के० उ० गु०, हटिया रेंज	20-11-78	(पूर्वाह्म)
	रघुनाथ चौधरी		٠	•		श्रधीक्षक, के० उ० गु० (एस० घ्रार० पी०) भौवरा	27-2-79	(पूर्वाह्म)
(23)	लक्ष्मी नारायण	•	•		•	म्राधीक्षक, के० उ० सु० (एस० म्रार० पी०) पटना	20-11-78	(पूर्वाह्न)
(24)	सुबोध चन्द्र मुखर्जी	•			•	श्रधीक्षक, सीमा णुल्क, किशनगंज	26-12-78	(पूर्वाह्म)
(25)	रणवीर प्रसाद	•	•	•	•	म्रधीक्षक, के॰ उ० ग० कुसुनदा (एस० म्रार०पी०)	27-11-78	(पूर्वाह्म)

1	2	3		4
सर्वेश्री	·· <u>·</u>			
(26) सीता राम मिश्रा		म्रधीक्षक, के० उ० <b>गु</b> ०, मुगमा (एस० म्रार० पी०)	18-1-79	(पूर्वाह्म)
(27) रामयश चौबे		मधीक्षक, के० उ० गु०, (एस० मार० पी० रेंज), सोनारडीह	22-1-79	(पूर्वाह्न)

डी० के० सरकार समाहर्त्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

# निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा गुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद गुल्क नयी विल्ली, विनांक 18 सितम्बर 1979

सं० 8/79—श्री पी० पी० सिंह चल्रथ ने, जो पहले नई दिल्ली में फैक्ट्रियों के सहायक मुख्य नियंत्रक के रूप में कार्य कर रहे थे, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) के दिनांक 18-7-79 के प्रादेश सं० 140/79 (फा० सं० ए०-22012/20/78 प्रशा०- ) द्वारा स्थानांतरण होने पर, निरीक्षण एवं केखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नई विल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 20-7-79 के (पूर्वाह्न से) निरीक्षण प्रधिकारी ग्रुप 'क' (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

वया सागर, निरीक्षण निवेशक

# केन्द्रीय जल भ्रायोग

## नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० ए०-19012/235/71-प्रशा० पांच — प्रध्यक्ष केन्द्रीय जल ध्रायोग एतद द्वारा श्री एम० एस० चावला, ध्रतिरिक्त सहायक निवेशक, केन्द्रीय जल ध्रायोग द्वारा सरकारी सेवा से दिये गए त्यागपत्न को 31 ध्रगस्त, 1979 की ध्रपराह्न से स्वीकार करते हैं।

> जे० के० साहा ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

### केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

### नई विल्ली-110022,दिनांक 20 पून 1979

सं० 6/3/78-प्र०-2/म्राष्ट्रयक्ष - केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एदद्द्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों

# के सामने वी गई तिथियों के ग्रन्य ग्रावेश होने तक स्थानापन्न पर नियुक्त करते हैं:---

1	2	3
1.	श्री बी०पी० एस० फीजदार, तकनीकी सहायक	3-5-79
2.	श्री ए० के० ग्रग्निहोत्नी, तकनीकी सहायक	9-5-79
3.	श्री भाई० ए० खान, तकनीकी सहायक	3-5-79
4.	श्री एस० एन० मोहन्ती तकनीकी सहायक	3-5-79
5.	श्री बी० के० सिगला तकनीकी सहायक	3-5-79
6.	श्री बी० जगन्ना तकनीकी सहायक	3-5-79
7.	श्री ओ० पी० धरोड़ा तकनीकी सहायक	3-5-79
8.	श्री ओर० एन० माथुर तकनीकी सहायक	3-5-79
9.	श्रीजी० जी० पाल तकनीकी सहायक	11-5-79
10.	क्षी० के० बबूटा तकनीकी सहायक	3-5-79
11.	श्री भार० के० शर्मा तकनीकी सहायक	3-5-79
12.	श्रीएस० के० संखूजा तकनीकी सहायक	4-5-79
13.	श्री एच० के० खंडूजा तकनीकी सहायक	3-5-79
14.	श्री ओम प्रकाश-II तकनीकी सहायक	3-5-79
15.	श्री सुनील कुमार तकनीकी सहायक	4-5-79

16. श्री यू० के० सिंघल तकनीकी सहायक	3-5-79	24. श्री चंदन राय तकनीकी सहायक	30-5-79
17. श्री एस० के० श्रीवास्तव-1 तकनीकी सहायक	3-5-79	25. श्री म्रार० सी० तिवारी तकनीकी सहायक	<b>3-</b> 5-79
18. श्री टी० सी० सान्याल तकनीकी सहायक	8-5-79	26.श्री ए०के० सुद तकनीकी सहायक	3-5-79
19. श्री प्रार० एस० मूरजानी तकनीकी सहायक	3-5-79	27. श्री बटटों सिंह तकनीकी सहायक	3-5-79
20. श्रीटी० ग्रार० बहल तकनीकी सहायक	3-5-79	28 श्री ए०एस० राय पर्यवेक्षक	8-6~79
21. श्री आर० के० गर्गे तकनीकी सहायक	3-5-79	29. श्री के० एस० संघू पर्यवेक्षक	4-6-79
22. श्री ग्रार० सी० सुम्बाराज् तकनीकी सहायक	7-5-79	30. श्री सुरिन्द्र प्रसाद पर्यवेक्षक	8-6-79
23. श्री राकेश भनोट सकनीकी सहायक	3-5-79		संतोष विश्वास ग्रवर सचिव

# निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० 33/5/78-ई० सी०-9—निर्माण महानिधेशक के० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा ग्रायोग े निम्नलिखित नामितों की नियुक्तियां सहायक वास्तु विदों के ग्रस्थायी पदों पर रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-120 के वेतनमान में उनके नामों के ग्रागे दर्शाई गई तिथियों से नियुक्त करते हैं।

ऋ० नाम (सर्वेश्री) सं०	-	सहायक वास्तुविद के नाते नियक्ति का दिन	वेतन	टिप्पणी
1. टी० श्रीनिवासल्लू .		17-8-79 (पूर्वाह्म)	रुपये 650/- प्रतिमाह	वेतन शीध्र ही नियमानुसार
2. पी० जी० पॉटेकर .	 	30-8-79 (पूर्वीह्न)	रुपये 650/ प्रतिमाह	पुनः नियत किया जाएगा । वही

<sup>(2)</sup> उपर्युक्त भ्रनुसार दोनों भ्रधिकारियों को सहायक वास्तुविदों के नाते उनकी नियुक्ति के दिन से 2 वर्ष की भ्रवधि के लिए परिकीक्षा पर रखा जाएगा।

सु० सू० प्रकाणराव प्रणासन उपनिवेशक

# रेल मंद्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली-110001, विनांक 10 सितम्बर 1979

सं० 78/ब्रार० ई०/161/1—रेल लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकत्ताओं की ब्राम सूचना के लिए एतद्वारा ब्रिध्स्चित किया जाता है कि दक्षिण मध्य रेलवे के विजय-वाक्षा-चिराला खंड पर कि० मी० 580/472.20 से 583/560.40 और 431/576.15 से 336/820.95 तक (ब्रार० ई० संरचना एल० एस०/1 से 583/23-24 और

टीं॰ वाई॰/163 से 336/27-28) रेल पथ ऊपरी उपस्कर में 30 सितम्बर 1979 से 25000 बोल्ट ए॰ सी॰ बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी।

जनता को चेतावनी दी जाती है कि वे:

- (1) उक्त खंड में बिजली कर्षण तारों और फिटिंग्स से दूर रहें;
- 2. इस प्रकार की तारों और फिटिंग्स की ओर न तो स्वयं जाएं और न ही खम्बों, बांसों, धातु की छड़ों, इस्यादि

<sup>(3)</sup> श्री टी॰ श्रीनिवासस्लू की तैनाती वरिष्ठ वास्तुविव (उत्तरी श्रवल)-7 एकक, के॰लो॰नि॰वि॰, रामकृष्ण पुरम तथा श्री पी॰ জी॰ पाँटेंकर की तैनाती वरिष्ठ वास्तुविद (एशियाई कीडा) एकक, के॰ लो॰ नि॰ वि॰, नई दिल्ली में की जाती हैं।

चीजों से छूकर उनके सम्पर्कमें जायें, क्योंकि ऐसा करना घातक होगा;

- 3. घायल होने से बचने के लिए डिब्बों से बाहर न झुकें और न ही श्रपने गरीर का कोई हिस्सा बाहर निकालें क्योंकि कर्षण तारों के लिए रेल-पथ के दोनों झोर इस्पाती मस्तूल लगाये गये हैं;
- 4. बिजली फिटिंग्स और ऊपरी बिजली तारों से कम से कम दो मीटर दूर रहें;
- ऊपरी तारों के पास न जायें और नहीं उनके निकट काम करें।
- 6. फुट-बोर्डो पर याक्षा न करें ग्रौर न ही डिक्क्यों की छत पर चढ़कर यान्ना करें, क्योंकि यह घातक सिद्ध हो सकता है;
- 7. उपर्युक्त खंडों पर सभी समपारों पर ऊंचाई मापक लगाये गये हैं, जो सड़क के स्तर से 4.67 मीटर (15 फुट 4 इंच) की स्पष्ट ऊंचाई पर हैं, ताकि अत्यधिक ऊंचाई वाले भार बिजलीयुक्त कर्षण तारों के सम्पर्क में न आयें या उनके खतरनाक सामीप्य में न आयें। बाहन लादते समय जनता को ऊपर निर्धारित ऊंचाई का ध्यान रखना चाहिए और उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सड़क बाहनों में ले जाय जाने वाले भार किसी भी हालत में ऊंचाई मापकों का उल्लंघन न करें;
- यदि कोई टूटे हुए तार देखें, तो इसकी सूचना निकटस्थ स्टेशन मास्टर को दें।

इस चेतावनी की उपेक्षा करने के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना के लिए रेल प्रशासन जिम्मेदार न होगा।

> के० बालचन्द्रन, सचिव, रेलवे बोर्ड।

### उत्तर रेलवे

### प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, विनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 16—परीचालन एवम् विषुणन विभाग के निम्न-लिखित ग्रिधकारी उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अंतिम रूप से रेल सेवा से निवृत हो गये हैं। ∦

- 1. श्री एम० जी० भक्तयानी, एस० सी० औ० (सी० पी०) ----31-8-1979 श्रपराह्म
- 2. श्री के० एन० मेहरो झा, ए० ओ० एस०/इलाहाबाद---31-8-79 ग्रपराह्म) ।

श्रार० के० नटेसन महाप्रबन्धक

# विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और एसकार्टस फार्म्स हटैचरीज प्रा० लिमिटेड के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० 5989/14776—- कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 60 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि एस्कार्ट्स फार्म्स हर्टेचरीज प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

जी० बी० सक्सैना, सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज, दिल्ली।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 एवं मेसर्स दि ग्रमलगमेटेड इक्सपोर्ट कोरपोरेशन लिमिटेंड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० 11372/560 (3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैसर्स श्रमलगमेंटेड इकसपोर्ट कारपोरेशन लिमि-टेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिषत न किया गया ती रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटत कर दी जाएगी।

एल० एम० गुप्ता कम्पनियों का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के श्रिधीन सूचना ।

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० 9074/लिक्यि—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 के मामले में और रूबचे कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के मामले में । सिविल अर्जी सं० में में स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 2-10-78 के श्रादेश द्वारा रूबचे कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का श्रादेश दिया गया है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के श्रधीन सूचना ।

सं० 10904/Liq. — कम्पनी प्रधिनियम, 1956 के मामले में और वरुणा सिंडिकेट प्रायवेट लिमिटेड के मामले में

सिविल अर्जी सं० ' ' में ' ' में स्थित उच्चन्यायालय के तारोख 19-11-1978 के ब्रादेश द्वारा वरूणा सिडीकेट प्राइवेट लिमिटेड का परिसंगापन करने का ब्रादेश दिया गया है।

ह/- अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और ''श्री जेयंती शूगर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पांडिचेरी, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० 141/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर "श्री जेयंती शूगर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित' कर दी जायगी।

एस० ग्रार० वी० वी० सत्यनारायना कम्पनियों का रजिस्ट्रार पांडिचेरी

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 और नवरतन इन्वेल्टमेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० एस० ओ०/718-2584 (2)—कम्पनी श्रधिनियम, 1958 की घारा 560 की उपघारा (3) के श्रनुसरण में एतव्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर नवरतन इन्वेस्टमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकृष कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटिस कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और श्रखन्डला मणी सेवीगंस एण्ड फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, विनांक 12 सितम्बर 1979

सं० एस० ओ० 17301/2639 (2)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एवद्द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख में तीन भास के श्रवसान पर श्रखण्डला मणी सेवीगंस एण्ड फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटत कर दी जाएगी।

कम्पनी म्रधिनियम, 1956 और उड़ीसा क्रोमेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० एस० ओ० 1693/2642 (2)—कम्पनी श्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनु-सरण में एदद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख़ में तीन मास के श्रवसान पर उड़ीसा क्रोमेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृष कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> डि० के० पाल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार उड़ीसा

कम्पनी म्रिधिनियम 1956 म्रौर कोहिनूर पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 15916/560(3)— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की घारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कहिनूर पिकचर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर श्रार०के० माखल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 24/91/560 (3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर श्रार० के० माखल एण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर अलाइड अपेरेल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 241432/560 (5)— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्रलाइड अपेरेल प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्ट्रर के काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रौर गिडनी मिन्रल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 24864/560(3)— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर गिडनि मिन्रल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर वी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर स्थल मैन्युफैकचरिंग इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 30822/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर स्थल मैंन्युफ कचरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 म्रौर फुल कम देनारी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 26343/560(3)—कम्पनी प्रधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर फुल कम बेनारी प्राइवेट लिमिटेश का नाम इसके प्रतिक्रूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 भीर राम ग्यासैस लिमिटेड के विषय में।

कलकला, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 29003/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राम ग्यासेस लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट
दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर मित्र बिदार प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 21725/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतबद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर मिल्ल बिदार प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधियिनम 1956 श्रौर प्रतापगर, द्वास्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1979

सूचना दी जाती है कि प्रतापगर द्रास्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम माज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> एन० भ्रार० सरकार कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 भीर मैसर्स बालकृष्ण कपूर एण्ड कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, विनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 1402/15092—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैसर्स बालकृष्ण कपूर एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण वर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा भौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

हर लाल सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर मैसर्स स्टोर्स डाइज एण्ड केमिकल्स लिमिटेड के विषय में।

भहमदाबाद, विनांक 17 सितम्बर 1979

सं० 560/598—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की घारा 560 की उप-धारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स स्टोर्स डाइज एंड कैमिकल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधियिम, 1956 मौर मैसर्स दी भावनगर पबरिक डेरी लिमिटेड के विषय में ।

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० /560/721—कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवसाम पर मैससे दी भावनगर पश्चिक देरी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विधित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी आएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स गुभदर्शनी प्रिन्टर्स एण्ड इन्टरप्राइसीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० 560/2337—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्स शुभवर्शनी प्रिन्टर्स एण्ड इन्टरप्रिसीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स नाइलोटेक्ष इन्जीनियरिंग प्राइवेंट लिमिटेड के विषय में।

म्रहमदाबाद, विनांक 17 सितम्बर 1979

सं० 560/2133— कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना थी जाती है कि, मैसर्स नायलोटेक्ष इन्जीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैंसर्स अहमदाबाद फाईनान्स ट्रेंडिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

भ्रहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० 560/2186—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के श्रनुसरण में एतवृद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स अहमदाबाद फाईनान्स ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पन विघटित हो गयी है।

> जे० गो० गाया प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, श्रहमदाबाद

श्रायकर श्रायुक्त, केन्द्रीय कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० ई०/7416/सी० टी० सी० 2 ई-1/79-80— प्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 124 (1) के ग्रन्तर्गत उनको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रायकर ग्रायुक्त (केन्द्रीय-1), कलकत्ता, एतद्द्वारा ग्रपने श्रधीन श्री सुभाष चन्द्र सेन, ग्रा० ग्र० ग्रुप—"क" के कार्य-भार सम्भालने की तारीख से केन्द्रीय सर्किल—XXXIV कलकत्ता नामक एक सर्किल का सूजन करते हैं।

बोर्ड के म्रादेश एफ-सं० ए० 22013/1/79-एड-VI दिनांक 26/6/79 के म्रन्तर्गत श्री सुभाष चन्द्र सेन, म्रा० म्र०, भ्रुप "क" जिनका तथादला एवं तैनाती केन्द्रीय, कलकत्ता चार्ज में हुमा हैं, की कार्य भार ग्रहण करनेकी तारीख से म्रा० म्रा०, के० सं०——XXXIV, कलकत्ता, के रूप में तैनात किया जाता हैं

बी० लक्ष्मीपति ग्रायकर ग्रायुक्त (केन्द्रीय-1)

कलकत्ता

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1979

विषयः कर वसूली ग्रक्षिकारियों में कार्यभारका वितरण

सं० सी० ग्राई० टी०-4/गुरि/टी० ग्रार० ग्रो०/79-80/20170—उपर्युक्त विषय पर दिनांक 1-7-78 के कार्यालय ग्रादेश सं० 10537 में आणिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, विल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे कालम-2 में निर्धिष्ट कर वसली प्रधिकारी दिनांक 1-9-79 से कालम 3 में निर्धिष्ट डिस्टिक्टों/बाडों के बारे में ग्रपने कार्य करेगा।

क०सं० पदनाम	काम का बंटवारा	श्राई ० ए० सी० का प्रशासनिक नियंत्रण
1. कर वसूली अधिकारी-19 नई दिल्ली	पहले के बार्ड 1. डि॰ 3 (3, 3) (14) 3(15),3 (28), 3(29) औ 2. तीसरा प्रतिरिक्त सर्वे सिकल-3 3. जौधा प्रतिरिक्त सर्वे सिकल-3, नर्छ नए पुनः पदनामित वार्ड डि॰ 3-डी (1) डि॰ 3-डी (2) डि॰ 3-डी (3) डि॰ 3-डी (4) डि॰ 3-डी (5) डि॰ 3-डी (6) डि॰ 3-डी (7) डि॰ 3-डी (8)	न० दि०
	4. डि॰ 3-ई॰ (1) नई दिल्ली	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त रेंज 3-ई नई दिरुल

रणबीर चन्द्र,

भायकर भागुवत दिल्ली-4, नई दिल्ली

### प्ररूप भाई • टी • एन • एस ० -------

भायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

### ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 17 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 611—यतः, मुझे, सुख देव चन्द, आयकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर श्रनुसूची में लिखा गया है। तथा जो नई बसती भटिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्व श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण जिखित में नास्तिवक इप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरग से दुई किसी श्राय की बाबत उक्त आधि-नियम के सभीन कर हेने के सस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त व्यक्षिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन जिल्लालित व्यक्तियों, अर्थात् ह्न-

- (1) श्री लालचन्द पुत्न ग्रात्मा सिंह मकान नं० 877/ए गली नं० विपन चन्द पाल, नई बसती, भटिण्डा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती (1)सुन्दरी देवी पत्नी श्रमीन लाल (2) शीतःल प्रशाद पुत्र अमीन लाल मारफत सुरेश मौटर कार कं नजदीक पुराना बस स्टेंड, भटिण्डा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम, के शब्दाय 20-क में परिकाषित हैं, बही गर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० जो कि विलेख नं० 4523 जनवरी 79 जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिण्डा में लिखा गया है।

> सुख देव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 17-8-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 2 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 591:—यतः मुझे, सुख देव चन्द, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि ऊपर श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो बाब में स्थित (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फिरोजपुर, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रंधिनियम के भ्रंधीन कर धेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या.
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, ' (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:---

- (1) श्री कपूर सिंह पुत्र जरनैल सिंह वासी बान तहसील फिरोजपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चरंजी लाल पुत्र बिहारी लाल वासी वान तहसील फिरोजपुर, ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय-20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसची

जमीन 48 कनाल पिंड बाब, तहसील फिरोजपुर जैसा कि विलेख नं० 1799 जून 1979 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा गया है।

> सुख देव चन्द; सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिण्ड<sub>ा</sub>

तारीख: 2 ध्रगस्त, 1979

# प्ररूप भाई • टी • एन • एस • --

आर्थायकर अधिक्यिम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 2 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 592—यतः मुझे, सुख देव चन्द, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (असे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसको सं० जैसा कि ऊपर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो जो बाव में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संपापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का वस्त्रह प्रतिश्वत प्रधिक है, ओर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीव से अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी भाष की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्वं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या क्या जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, शक्त प्रविनियम की धारा 269-व की चंपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:—— (1) श्री कपूर सिंह पुत्र जरनैल सिंह वासी बाव तहसील फिरोजपुर शहर फिरोजपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिहारी लाल पुत्र हरिधयन राम वासी बाव तहसील फिरोजपुर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
  हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजंभ के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

चन्त सम्पत्ति के प्रचैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी अविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वी त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हारा,
- (अत) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान किस्तित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में विसा गया है।

### अनुसूची

रकबा 16 कनाल पिंड बाय जैसा कि विलेख नं० 1800 -जून 1979 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फिरोजपुर में लिखा गया है।

> सुख देव चन्द, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख : 2 श्रगस्त, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिण्डा, दिनांक 2 श्रगस्त 1979

निदेश सं० ए० पी 593—यतः मुझे, सुख देव चन्द, आयकर धिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर श्रनुमूची में लिखा गया है तथा जो गली दवारीयन फाजिलका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के जिए;

मतः, ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:--- (1) श्री गोकल चन्द पुत्र शंकर दास वासी गली दवारीयन फाजिलका ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुरालीलाल पुत्न भ्रमीर चन्द बासी दक्षारीयन फाजिलका ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 5/340 गली दवारीयन फाजिलका जैसा कि विलेख नं० 3147 जनवरी 79 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी में लिखा गया है।

सुख देव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 2 श्रगस्त 1979

प्रकृप माई•टी•एन•पुस•---

मायकर बिविनयन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिंडा, दिनांक 2 घगस्त 1979

निदेश सं० ए० पी० 594:--यत: मुझे, सुख देव चन्द, आयक्दर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ॰ से घिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर ग्रनसूची में लिखा गया है तथा जो मखुगेट सरकुलर रोड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 28-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के ग्राप्तीम कर देने के ग्रन्थरक के वायित्व में कमी करने या उससे ववते में सुविधा के लिए; थौर/या

उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है 🕶

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आव्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त खिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने न स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण म, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:— (1) श्री रतन कुमार पुत्र फूल चन्द वासी मुहारीयां वाला, फिरोअपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जसपाल पुत्न स्रोम प्रकाश, चन्द्र कान्ता पत्नी मुरलखराज हजारी लाल पुत्र बगवान सिंह काशी राम् पुत्र बगवान दास ।

(बन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाकन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास सिक्टित में किये जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुस्ची

जमीन का हिसा स्थित मखु गेट सरकुलर रोड फिरोजपुर जैसा कि विलेख नं० 5669 फरवरी 1979 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फिरोजपुर में लिखा गया है।

> सुख देव चन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण,) भ्रजन रेंज, भटिंडा

तारीख: 2 ग्रगस्त 1979

मोहरः

प्रकृप धाई० टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के घंधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, यहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 2 श्रगस्त, 1979

िनदेश सं० ए० पी० 595—यत: मुझे, सुख देव चन्द, आपकर प्रधिनियम, 1861 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उपत अक्षितियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर सूची में लिखा गया है तथा जो मण्डी सेखू में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्ति वातार मून्य में कम के दृश्यता प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरि । (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास विक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत चक्त स्विध-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वजने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किनी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिप्तियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए या. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उनतं अधिनियमं को धारा 26%-ग के प्रमुक्त सरण में, मैं, उनतं अधिनियमं की धारा 26%-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मस्तिकतं व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री बिहारी लाल पुत्र सुदागर चन्द पुत्र खेम चन्द बासी मण्डी सेखू।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रम जीत सिंह पुत्र दिलराज सिंह पुत्र रणजीत सिंह श्रौर इन्द्र जीत पुत्र बचवा राम पुत्र मंगलराम बासी मलोट मण्डी।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इ.म. सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारोज से 45 दिन के भौतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्यस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उसन अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस ग्रध्याम में दिया गवा है।

### अमुसू ची

रक्तबा 58 कनाल 6 मरला पिंड दावेवाला जैसा कि विलेख नं 444 मई—-दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मलोट में लिखा गया है।

> सुख देव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 2 ग्रगस्त, 1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 6 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 597—यतः मुझे, मुख देव चन्द, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका 25,000/-रुपये से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मोगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन, तारीख 4-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित

> (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त, ग्रीध-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या

नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः, धन, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:— (1) श्री यशपाल सूद पुत्र लाजपत राये सूद पुत्र मुल्तानी मल सूद वासी मोगा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम प्रताप पुत्र कालू राम पुत्र गोना राम वासी गली नं० 4 न्यू टाउनिशिप मोगा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुघि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम, के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलाट 2 कनाल 11 मरले 7 1/2 सरीहे श्रारा रोड़ भोगा जैसा कि विलेख नं० 72, 4-4-79 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मोगा में लिखा गया है।

> सुख देव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 6 ग्रगस्त, 1979

प्रकृत भाई • टी • एम • एख • -----

धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की छारा 269व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, विनांक 6 भ्रागस्त 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 598—यतः मुझे, मुख देव चन्द, प्रायकर प्रिवित्तमम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूक्य 25,000/- व्यये से प्रक्षिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो पुरानी दाना मन्डी मोगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक क्य से कावत नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्थरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्रिशित्यम के धितीन कर देने के ग्रन्थरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या सम्य घास्त्ययों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनियम, या घन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, जिन्याने में सुविधा के लिए;

भव: भव, उक्त पश्चितियम की घारा 269-ग के भनुसरम में, में, उक्त पश्चितियम, की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्: --- (1) श्रीमती विद्या बती पत्नी रूप लाल पुत्र भगत राम बासी मदन नगर मोगा।

(भ्रन्तरक)

(2) (i) श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी ग्रोम प्रकाश पुत्र बोबी राम (ii) यश पाल पुत्र गोबर धन दाम सतीश कुमार मन्डी मोगा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के रास लिक्कित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण। ---इसमें प्रयुक्त अन्तों घीर पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही घर्ष होता, जा उस घड्याय में विया गया है।

### अमुसूची

दुकश 4 मरला 6 सरसाई पुरानी दाना मन्डी मोगा जैसा कि विलेख नं० 76,6/4/79 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी में लिखा गया है।

> मुख देव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज भटिंडा

तारीख: 6 श्रगस्त 1979

प्रकृष आई० टी॰ एन० एस०---

आयकर ऋषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के धर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 6 मगस्त 1979]

निदेश सं० ए० पी० नं० 600—यतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धाधिनियम', कहा गवा है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/॰ ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो जी टी रोड़, मोगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख •

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप से किखत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त भिक्षित्यम के भिष्ठीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी बन या अन्य आखितवों को, जिन्हें भारतीय भाष-कर भिश्वनियम, 1923 (1922 का 11) या उन्त भिश्वनियम, या बन-कर भिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः बन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरन में, में उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री गरबचनसिंह सिवा पुत्र खेम सिंह सीवा पुत्र वोध सिंह वाबे सीवा बिल्डिंग जीटी रोड़, मोगा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रन्धीर सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह पुत्र शज् सिंह वासी पिंड कोकरी कलां तहसील मोगा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं ०2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह सूबना जारी जरके पूर्वोका सम्पलिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षीय :--

- (क) इस सूत्रता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राज्यपत्त में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त णग्दों भीर पदों का, जो 'जक्त अधिनियम', के भ्रध्याय 20-क में परिकाणित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूचो

1/2 भाग गेडल 2 फनाल 6 मरले जैसा कि विलेख नं० 413, 26/4/79 रजिस्ट्रीकर्ता मोगा प्रधिकारी में लिखा गया है।

सुख देव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, भटिण्डा

तारी**ख**: 6-8-1979।

### प्रकप बाई० टी० एन० एस●-----

भायकर ग्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रक्षीन सूचना

### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

### म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश सं०ए० पी० नं० 607---पतः मुझे, बी० एस० विष्ट्या,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम कहा गया है), मी घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में है तथा जो मुदर बेट जिला कपूरथला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विश्त है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10 जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत सम्पति का जिवत बानार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का प्रदृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिष्ठिन नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य भास्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सक्ष्मन सिंह पुत्र जुलाया सिंह वासी घोलिया कलां तहसील मोगा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्ना सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी मुंदर बेट जिला कपूरथला।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिनोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो स्थन्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोत्वस्ता अरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: → इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं प्रथं होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

### धनुसूची

जैसा कि विलेख नं० ग्राई-99 जनवरी 1979 में रजिस-ट्रीकर्ता ग्रिकारी कलकत्ता में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4 सितम्बर, 1979

प्ररूप साई• टी•एन• एस•--

आयकर बिधि नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भधीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1935 — यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर धर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृत्रयसान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत धिषक है धीर भन्तरक (अन्तरकों) घीर मन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रम्तरण लिखिस में वास्त्रजिह स्थासे कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी बाध या किसी अन या ब्रस्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिये या, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के प्रमुत्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :--

(1) श्री जगमोहन सिंह मकान नं० 457-एच न्यू जवाहर नगर जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र सिंह कुमार पुत्र भाग सिंह 74-एल नं० एल टाऊन, जालन्धर। माडल

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह शूचना बारो हरह पूर्वाक्ष्य सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाद्यिमं करता हं।

उत्तत मन्यस्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की ताकी खा से 4.5 दिन की ग्रविश या तत्सभ्यक्तो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनधि, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
  - (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में द्वितनड किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए जासकेंगे ।

स्पष्टोकरणः ⊸∽इसर्वे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर उद्यों का, जा उक्त मश्चि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है. बह्दी प्रभंद्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### **मनुसूची**

जैसा कि विलेख नं० 6569 जनवरी 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4 सितम्बर, 1979।

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1936—यतः, मुझे, बी० एस० वहिया,

अ(बेकर ग्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा है जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10/1/1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्नलिखिड उद्देश्य से उसत धन्तरण जिखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धनकर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः प्रम, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग ने प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपमारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तिमों, प्रचीतः--

- (1) श्री लाल चंद सिंगला पुत्र राम दास के०ग्रा० नैंशनल फौडरी जीटी० रोड़, फगवाड़ा। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भरावा बाई पत्नी सेत लाल के० ग्रा० कलकत्ता मेटिंग हाउस लोहा मंडी फगवाड़ा। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में इचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति ने मर्जन ने लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन को अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजान में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभावित है, बही श्रषं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया हुआ है।

### अनुसुची

जैसा कि विलेख नं० 1723 तारीख 10-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4 सितम्बर, 1979

मोह्ररः

# प्रकप आई • टी • एन • एस • ----

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ध्रधीन सुवना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश सं० 1937--यत: मुझे, बी० एस० दहिया, प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-का के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुश्य 25,000/- इपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में है तथा जो फगवाड़ा, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबज भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25/1/1979 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुध्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत्त से ग्रधिक है और **प्रस्तरक (प्र**न्तरकों) प्रौर प्रश्वरिती (प्रश्वरितियों) के बी**य** हेसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित सद्देश्य से उना प्रनारन जिल्लित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उकत प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐनो किसी आय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: भव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269का के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269क की उप-धारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- (1) श्री लाल भंद सिंगला पुत्र राम दांस के०ग्रा० नेशनल फौंडरी जी० टी० रोड, फगवाड़ा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनोहर लाल पुत्र संत लाल के०ग्ना० कलकता मैटईग हाउस, लोहा मंडी फगवाड़ा।
  (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पनि के प्रजैत के मंबंध में कोई भी याक्रीय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रमोहस्था- क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, खो उक्त अधि-नियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, खो उस घड़्याय में दिशा गया है ।

# अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1815 तारीख 25--1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर फ्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर

तारीखः : 4 सितम्बर, 1979।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

आमकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रापुनत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1938:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

श्रायकर श्रिषिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिषिमियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के श्रिषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व॰ से श्रीक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है भौर अन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तम पामा गमा प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कवित नहीं किया गमा है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जक्त भ्रमिनियम के भ्रभीन कर देने के भ्रन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी वन या अध्य न्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनियम, या ग्रन कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उनतं ग्रधिनियमं की धारा 269-यं के प्रनुसरण में, मैं उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपग्रारा (1) अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:--

- (1) श्री लाल चन्द मिगला पुत्र राम दाम के०प्रा० नैशनल फौंडरी जी०टी० रोड़, फगवाड़ा। (अन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण लाल पुत्र संत लाल के० ग्रा० कलकत्ता मैटईंग हाउस, फगवाड़ा। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्तिहै)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में धिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाकीन :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्तीकरण :→-इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं 1910 तारीख 9/2/79 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फगवाड़ा के कार्यालय में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, . समक्ष श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4 सितम्बर 1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 5 सिंतम्बर 1979 निदेश सं० ए० पी० नं० 1939:— यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11/1/1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देव के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उका श्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अरोजनयं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लेए;

अतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत-- (1) मेजर एम० एस० दऊन पुत्र बिशन सिंह मार्फत 56 ए० पी० स्रो०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बीना सिंगला पत्नी गांनी सक्त्र टैक्स-टाईल कालोनी, लुधियाना ।

(प्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति जिनके बारे में स्रुधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हिलबढ़ है)।

को पर् सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इप सूत्रता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति ोों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मज्डोकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों ख्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6835 तारीख 11/1/79 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, ृंसक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीखः: 5 सितम्बरः 1979।

प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस•-

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० सं० 1940:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-इपये से अधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (18098 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) ग्री प्रस्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उभत प्रस्तरण कि शिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिभियम के भधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त प्रधिनियम कौ बारा 269—ग के प्रमुतरण में पैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269—घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अयित्:—— 5—26601/79 (1) श्री सोहन सिंह पुत्र द्यात्मा सिंह गांव मिठापुर तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह पुत्र जागीरी मल गांत्र घोगड़ी, तहसील, जालन्धर।

(भ्रन्तरित)

- (3) जैसा ऊपर नं॰ 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में म्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उनन सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की सवधि, जो भी सवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 7818 फरवरी, 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखी है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैंन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5 सितम्बर, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भामकर मिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1941:—यतः मुझे, बी० एस० वहिया,
धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है
ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में है तथा जो बाजार
शेखां जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में

भौरपूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15/1/1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है भौर धन्तरक (भन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उचत ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त स्रिति-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (च) ऐंगी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः ग्रंब, उक्त ग्रधितियम को धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधितियम की धारा 269-थ की उपधारा 1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्री केवल कृष्ण उन्हरी पुत्र डा० शंकर दास के०/ग्रा० ऊहरी हस्पताल जालन्धर।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री तरलोचन सिंह पुत्र प्रताप सिंह भ्रौर रामिन्द्र पाल सिंह पुत्र श्रौर जसजीत कौर पुत्री तरलोचन सिंह के० आ० साहनी क्लाथ हाउस कपूरथला। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति
  में हितक है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के, भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य क्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त श्रांध-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6902 तारीख 15-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम श्रिषकारी, (सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 6 सितम्बर, 1979

प्ररूप ग्राई • टी • एन • एस • ----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

नार्थाता, सद्वायक प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए०पी० नं० 1942:---यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' महा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाउर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बाजार मेखा जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-1-1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तिति (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर मे किचन नहीं किया गया है:→~

- (ह) प्रस्तरण से हुई किनी भाग की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुबिखा के निए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किमी भन या प्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

भत: भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रकृत संश्रण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की खपनारा (1) के बधीन निम्मविधित स्विक्तिंगों, अर्थात् ।--- (1) श्री केवल कृष्ण ऊहरी पुत्र डा० शंकरदास के०/ग्रा० ऊहरी हस्पताल जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तरलोचन सिंह पुत्र प्रताप सिंह श्रौर रिमन्द्र पाल सिंह पुत्र श्रौर जसजीत कौर पुत्नी तरलोचन सिंह के०/श्रा० साहनी कलाथ हाऊस कपूरथला।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर न्०2 में (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूबना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्जन के** निए कार्यवाहिया करता हुँ।

उस्त उप्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भान्नेप ।-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में त्रिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6954 तारीख 17-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखी है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 6 सितम्बर, 1979

कार्यात्रय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1943:---यतः मुझे, बी० एस० दक्षिया.

प्रायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में है तथा जो बाजार शेखां जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 19-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता गाम गाम निकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बाह्यविक छम से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी अने या अस्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या अन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना काहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

श्रत: मब; उनत मित्रिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त घितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :— (1) श्री मुदर्शन ऊहरी पुत्र डा० शंकर दास जी० ए० श्राफ केवल कुण्ण ऊहरी के०/श्रा० ऊहरी हस्तान जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री तरलोचन सिंह पुत्र प्रताप सिंह ग्रीर रामिन्द्र पाल सिंह पुत्र श्रीर जसजीत कौर लड़की तरलोचन सिंह के०/ग्रा० साहनी कलाथ हाऊस, कपूरथला। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिनोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है हो।
  (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्या कितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास निखान में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ो उक्त श्रीधनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रष्टं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6777 तारीख 19/1/79 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्बर

तारीख: 6 सितम्बर, 1979

प्रारूप ग्राई• टी० एन• एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए०पी० नं० 1944:---पतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-1-1979 को

पूर्वी कि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उन्त अन्तरण लिखत में बास्त विक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नामत, जेक्त अधि-नियम, के अक्षीत कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/ण
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिष्टिन्यम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

ग्रतः ग्रन्तं, उनतं ग्रविनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उनतं ग्रविनियमं, की धारा 269-णं की उपधारा (1) के ग्राचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— ें (1) श्री सर्वन सिंह पुत्न ज्ञान सिंह पुत्र बुध सिंह गाँव दक्षदाबा तहसील बिलासपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धर्मबीर पुत्र शंकरदास न्यू जवाहर नगर मारकीट जालन्धर।

(भ्रन्तरिर्ता)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसकें ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबेद्ध है)।

को यह मूनना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उस्त संपति के भनेत के मंत्रंध में कोई भी अल्क्षेप :---

- (क) इस सूबता के राजात में प्रकाशन की लारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्कडीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषे होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6878 तारीख 12-1-79 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया; सक्षम श्रधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण); श्रर्जन रोंज, जालन्धर ।

तारीख: 6 सितम्बर, 1979

ोहर:

प्ररूप भाई∙ टो०एन**० ए**म०<del>---</del>-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 मितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1945:—-यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आत्रकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ ने घषिक है,

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है जो गढ़शंकर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृ श्यमा प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्त-विक का से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्स श्रिधित्यम, या भन-कर भिर्धित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-परण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, (1) श्रा गुरबख्श सिंह पुत्र गंडा सिंह गांव मुगारनी तहसाल हुशियारपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ जंग बहादुर सिंह राय पुत्र कैप्टन बेचंल सिंह गांव सावोबाल तहसील गढ़शंकर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो ज्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बना संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी धाकीप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन ी तारी वा से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानी का से 30 बिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो, उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

### ग्रमुस्थी

जैसे कि विलेख नं० 3240 जनवरी 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी गढ़गंकर में लिखा है।

> बीं० एस० दहिया, सक्षम मधिकारी, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, जालन्धर ।

तारीखाः 7-9-79

प्ररूप माई० टी० एन० एम०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1946:——यतः मुझी, बी० एस० दक्षिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से प्रधिक है और जिसकी संग् जैसा कि प्रनुसूची में है तथा जो गढ़णंकर में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य सें कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिज्ञत से अधिक है भीर भन्तरिक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अक्तरक के वायिस्य में कभी करने था उससे अवने में सुविधा के लिए; और;या
- (ख) ऐसी किथी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप ने में सुविधा के सिए;

बतः सब, उक्त भिश्चित्यम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त प्रवितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री गुरबख्य सिंह पुत्र गंडा सिंह गांव मुंगारनी तहसील हुशियारपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्द्र कौर पत्नी डा० जंग बहादुर सिंह गांव सादीकल तहसील, गढ़शंकर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यफ्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति
  में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की दारीख से 4 दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास जिस्कित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

जैसा कि विलेख नं० 3251 जनवरी 1979 को रजिस्ट्री-कर्ना ग्रिधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर।

तारीखा: 7 सितम्बर, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक ७ सितम्बर 1979

निदेश मं० ए० पी० नं० 1947:---प्रतः मुझे, बी० एम० दहिया,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रैधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी संव जैमा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), विवर्द्ध वर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से फम के वृश्यमान प्रति-फल लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित खहेश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उपत भाँध-नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्थ भारितयों को, जिम्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भम्सरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भता मन, उनत मधिनियम, की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों भ्रमीत्:---

- (1) श्रो मखन सिंह पुत्र हीरा सिंह गाजी गुला, जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री जोगिन्द्र सिंह प्रमिन्द्र सिंह, जातिन्द्र सिंह पुत्र इन्द्रकौर पत्नी जाविद सिंह वी-∏-1809 एन० जी० गाजी गुला, जलन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हितबद्ध है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मूबना जारी करके पुनौंनन समाति के अर्जन के लिये कार्यवाहीयां करता हूँ।

उनत पन्त्रसि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आसे 45 दिन की अविधिया सस्संबंधी व्यक्तियों परसूचना की तामी से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त गढ़दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6889 जनवरी 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> र्वां० एस० दहिया, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक: 7 सितम्बर 1979

# प्रकप भाई०टी० एन• एस॰---

मायभर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1948:---यतः मुझे, बी० एस० दहिया.

श्रायकर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिषिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिषीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से श्रीषक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है भीर भूने यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धम्तरक (धम्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहें ह्या से उनत धम्तरण लिखित में वास्तिक कप से कावत नहीं किया गया है: ——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी भग या भ्रय्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

मतः, भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपसारा (1) के अधीन निम्तिलिखित वानित्रों,प्रपौतः — 6—266GI/79

(1) श्रीमती पूनम रानी परनी वलैती राम हाउस नं ० डब्ल्यू० ए०-61 कूचा मैया बंव चौक सूना, जालन्धर।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री प्यारा लाल पुत्र रेला राम हाउस नं० ई० पी• 329—बीसैदागट, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितवब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतव्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी असे से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रय व्यक्ति द्वारा, भ्रधोह्स्ताकारी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

हरवडीक्तरण :---इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाचित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6875 जनवरी 1979 को रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम ग्रघिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 7 सितम्बर, 1979

# प्रकप धाई • टी • एन • एस •--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना बारन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1949:——यतः मुझे, बी० एस० वहिया,

पायकर पश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चित्यम' कहा गया है), की चारा 269-ख के अधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्थित बाआर मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है धीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से घषिक हैं भौर अन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्थरण लिखित में बास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त श्रिक्षिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कृषी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय शाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

श्रवा भव, उन्त भविनियम की भारा 26%-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की भारा 26%-व की उपघारा(1) के भवीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भवीत :--

- (1) श्री दिदार सिंह, प्यारा सिंह, मो ्न सिंह, हरभजन सिंह, प्रीतम सिंह गांव बिलयानपुर, तहसील जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रमर देई पुत्री कर्म चन्द मकान नं० 50/ डब्ब्य् एस० बस्ती शेख जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा उपर न'० 2 में है। (वह ध्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए डार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पनि के प्रवैत के संबंध में कीई भी भाक्षीप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविधि बोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किबी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्जेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम के सहयाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस पश्याय में दिया गया है।

# अन्सृषी

जैसा कि विलेख नं० 7205 तारीख 28/1/79 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 7 सितम्बर, 1979

प्रकप आई • टी • एन • एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेण सं० ए० पी० नं० 1950:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

प्रावना, प्रायकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजारमृस्य 25,000/- क्ष्ये से प्रधिक है भीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उत्वित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रश्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निखित में कास्तविक इप से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण वे हुई किनो धाय की बाबत, उनत अक्षि-नियस, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाना चाहिए था, जिनाने में सुविक्षा के लिए;

अनः अस, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपचारा (1) के प्रचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री प्यारा सिंह पुत्र काबल सिंह, 1107, हरनाम नगर, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीम कुतारपुत्र दीवान चंद, मकान नं० ६० जे०-235 चाहर बाग, जलन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह पूजना जारो करके पूजी स्त सम्मित के प्रजीत के लिये कार्यनाहियां करता है।

उत्त तम्यित्ति के प्रवेति के पम्बन्य में कोई गी ब्राक्षेयः⊸-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (वा) इस सूबना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किये वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उक्त भन्नि-नियम के भन्न्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं; बही भने होगा यो उप प्रध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुख्यो

जैसा कि विलेख नं० 7278 जनवरी, 1978 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० **दहिया,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

ता**रीख**ः ७ सितम्बर, 1979।

## प्ररूप आई∙ टी• एन• एस•----

ग्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 10 सितग्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1951:——यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूर-थला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक कप से कबित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (बा) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घण्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त घिषित्यम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सब, उक्त धिवियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निस्कति वित व्यक्तियों, प्रचीतृ:--- (1) श्री श्ररुन सिंह पुत्र महाराजा कर्मजीत सिंह सनी साईड कपूरथला।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती क्रुष्णा रानी पत्नी एम० एल० द्याणाव सनी साईड नजदीक सैनिक स्कूल, कपूरथला । (ग्रन्सरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भर्जन के । लए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बग्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मान्दों भीर पदों का जो उनत प्रश्चितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2970 जनवरी 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 10 सितम्बर 1979

प्ररूप धाई० टी॰ एन० एस०-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1952:— यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

अत्यकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिविनयम' कहा गया है), की चारा 269-ख के मित्रीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृस्य, 25,000/- द॰ से मिन्नक है

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है भेर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, मिन्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित के बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरन से हुई किसी आय की बावत उक्त बाह्य-नियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धम्य प्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के थिये;

अ: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के भ्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचौत :---

(1) मेजर जगमोहन सिंह पुत्र निहाल सिंह डोगरा रेजिमेंट फिरोजपुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जसपाल सिंह पुत्र सेवा सिंह कोठी करतार पुर रोसपुर चुंगी के सामने, कपूरथला कैंट। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह मूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के निष्कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ता) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसर्ने प्रयुक्त जान्दों भीर पदों की, जी उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिमाणित है, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2998 जनवरी 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी कपूरथला में लिखा है।

> बी० एस० द्वहिया, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 10 सितम्बर 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 2694 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1953:——यत' मुझी, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिक्षकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- व॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
  - (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
  - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन व प्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

म्रतः मय, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन मर्पात्:— (1) श्री पितम्बर वेदी अटारनी आफ श्री राम के०/आ० पितम्बर बेदी मकान नं० 1375 फेस III महाली।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र किदार नाथ के०/ग्रा० हिन्दुस्तान सटील टिम्बर स्टोर, रेलवे रोड, फगवाड़ा। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके **ग्रधिभोग में** सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में फ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः --इपमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

जेंसा कि विलेख नं० 1751 जनवरी 1979 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी फगवाज़ में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेज, जलन्धर

तारीख: 11 सितम्बर 1979।

# प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

पायकर प्रधिसियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-का (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर जलन्धर,दिनांक 11 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1954:——यत , मुझे, बी० एस०

वहिया, भागकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्थावर सम्पत्ति जिसका अचित वाजार मून्य 25,000/-रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची म है तथा जो जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरिक (अन्तर्कों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उदेश्य से उक्त ग्रम्बरण लिखित में वास्तविक लग से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्राय-कर घछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिश्वनियम, या धन-कर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

धरः धव, अनत घिषितियम की धारा 269-न के धनुसरण में, में, उनत घिषितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री प्रेम चन्द पुत्न बाबू लाल डब्ल्य० जी०⊷ :61 मुहला सूराजगंज, जलन्धर ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री तिलक राज पुत्र बाबू लाल ई० ज०-201 चाहर बाग, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (.4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्वति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीक्षरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उस्त स्रिक्ष-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6702 जनवरी 1979 को रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11 सितम्बर 1979

प्ररूप गाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई 1979

निदेश सं० 941/एक्वो०/एएलजी/78---प्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदो

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रुपये से स्रिधिक है

मौर जिसको सं० दो मंजिला मकान है तथा जो केला मार्ग विष्णुपुरो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहसमान प्रतिक्रम के जिए सन्तरित की वह है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृहबमान प्रतिक्रम से, ऐसे बृहबमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिशत समिक है और सन्तरक (सन्तरकों) भीर सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के जिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्निजिति सन्तरक के जिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्निजितित सन्तर्थ से स्वतर सन्तरण निवित्त में नास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रामित्यम के भ्रमीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचने म सुविधा के सिए; धौर/मा
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रमिनियम की भारा 269-ग के भ्रमुखरण में, मैं, उक्त भ्रमिनियम की खारा 269-म की उपधारा (1) के अश्रीन निक्नलिखिन व्यक्तियों, भ्रमीत:--- 1. श्री राम प्रकाण भटनागर पुत्र श्री राम कृष्णा भटनागर नि० जे० 43, जनकपुर कालीनी, श्रलीगढ़, डा० ज्ञान प्रकाण भटनागर पुत्र श्री राम कृष्णा भटनागर नि० 115/26 टी० टी० नगर, भोपाल मुख्तार खास मेजर सरया प्रकाण भटनागर पुत्र श्री राम कृष्णा भटनागर नि० 33, एम० एम० वी० सुल्तानिफ इन्फेक्ट्री लाइन भोपाल, श्रीमित णणो भटनागर पुत्र श्री राम कृष्णा भटनागर नि० ए० वी० III टीजर्ज यूनिविसिटी कैम्पस, उज्जैन, श्रनुपम प्रकाण भटनागर पुत्र श्री राम कृष्णा भटनागर जे० 43 जनकपुरी कालोनो, श्रलीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो भोपाल स्वरूप पुत्र श्री लाला श्रीराम व सुषमा देवी परिन डा० गोपाल स्वरूप मामू भांजा, ग्रालीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के चर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविष, या तत्सम्बन्धी स्पक्तिमों पर सूचना की तानील से 30 दिन की श्रविष, जो भी श्रविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वद किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास कि खित में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनस धिनियम, के अध्याय 20-क में परिवाधित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुनुषी

एक मकान दो मंजिला विष्णुपुरी श्रवीगढ़ में 75000/--का बेचा गया जिसका बाजारी मूख्य 1,00,000 है।

> भ० वि० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक: 25-7-1979

प्रकप साई• टी॰ युने॰ एम॰----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन नुवना

नारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई 1979

निदेश सं० 1045/एमवी०/फिरोजाबाद/78-79—म्प्रतः मुझ भ० च० चतुर्वेदी,

अशयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/-द से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 96 है तथा जो जलेसर रोड फिरोजाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फिरोजा-बाद सें, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम ∤1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 27-1-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्तरह अिशास से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्त अन्तरण लिखित में बाह्यकि कप में कावत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त धिक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में मुखिधा के किए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिक्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या धन-कर भिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

धत: सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रतृसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के सप्तीन, निम्निखित व्यक्तियों प्रचितः:-7-266GI/70

- श्रामित राना देवा परिन श्रा भगवान निवास गाँव सुनाभाई तहसाल फिरोजाबाद, कृष्ण नगर मथुरा ।
   (अन्तरक)
- 2. श्री बंगालीबाब पुत्र श्री मुरली मिह व वैजन्ती देवी पहनी वंगाली बाबू, जसवंत मिह पुत्र बंगाली बाबू नि० जलेसर रोड, फिरोजाबाद व श्रोमित णिव धारा पहिन तुला राम नि० सैवलपुरा परगना सिकोहाबाद, जि० मैनपुरी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्मन के सबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद किसी पन्य व्यक्ति क्षारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति नं० 96 जो कि जलेसर रोड फिरोजाबाद में 90,000/→ की बेची गई जिसका बाजारी मूल्य भी 90,000/→ है।

> भ० व० वतुर्वेदी ृंसक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक: 25-7-1979

. कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जुलाई 1979

निदेश सं० 1053/एक्बी/फिरोजाबाद/78---79---श्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदे।

भायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ज्य के संधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से धिक है

श्रीर जिसकी सं० कारमाज है तथा जो मौ० मुखमलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रिष्ठकारों के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रांकरण श्रिष्ठितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 24-1-1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तर्द प्रतिशत से श्रिष्ठक है और भन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण निश्वित में बास्तरिक रूप से कार्य पन्तरण निश्वित में बास्तरिक रूप से कार्य पन्तरण

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रब्सि:—

- 1. श्रो राम बाबू गर्ग पुत्र श्रो राम चन्द नि० पु० पुरानी मन्डी (ग्रन्तरक)
- 2. श्रं। शंकरलाल पन्नालाल रामरतन राठो जी राठी निवासी गण बाई पास रोड फिरोजाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों म से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुसूची

एक किला काटायाना बाबू गंज सुखमलपुर निजामाबाद में 1,00,000 का बेचा गया जिसका बाजारों मूल्य भी 1,00,000/~ है ।

म० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेज, कानपुर

दिनांक: 25-7-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ (1) के अधीन मूचना भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) . भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 जुलाई 1979

निदेश सं० 906/देहरादून----ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार सूल्य 25,000/- द से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 40 है तथा जो गोविन्द नगर, देहरादून सें स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-1-1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार म्हय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की वर्ड है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्वह प्रतिशत से यधिक है भीर प्रम्तरक (भ्रम्तरकों) भीर भ्रम्तरिती (अम्मरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भ्रम्तरण विश्वित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी मान की बाबत, उक्त पिंचनियम के भंधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौए/या
- (बा) ऐसी किसी माय या किसी घन या भर्य धास्तियों की जिन्हें भारताय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उन्तं धिवनियम, की वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तं धीधनियम की घारा 269-म की वपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री राजिकशोर मेहरोता पुत श्री के० के० मेहरोता निवासी उए चकरता रोड, देहरादून। (श्रन्तरक)
- 2. सरदारनो हरबंश कौर पत्नि श्री सरूप सिंह निवासी5317/बो लखा बाग, देहरादून। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उन्त संति च भनेन के संबंध में कोई भी प्राक्षीप:---

- (ग) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तक्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त श्रिक्ष-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसू**ची

सम्पत्ति 40 इसथित गोबिन्द नगर रेश कोण्यं देहरादून जिसकी क्षेत्रफल 480.94 एस क्य मीटर है जो कि 78000 रूपए में बेची गई।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-7-79

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 जुलाई 1979

निवेश सं० 1061/एसीक्यू०/खर/78---79-- झतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कक्षा गया है), की धारा 269-ख के अश्रोन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-

**प∙** से मधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० 1115/1 है तथा जो डेटा खुर्द सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रोड शर्लागढ़ सें, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान श्रितकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान श्रितकल से, ऐसे वृश्यमान श्रितकल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है बौर अन्तरित (श्रन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिबात में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (स) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उन्त सकि-नियम के प्रधीन कर देने के घ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/था
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किमी वन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिशिनियम, या धनकर ग्रिखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रंथा वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269 ग के भगूसरण में, मैं, उक्त भिष्ठित्यम की धारा 269ण की उपधारा (1)के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

- 1. श्री कंचनसिंह पुत्र रामनारायन सिंह व रामपाल सिंह पुत्र कंचन सिंह जि॰ डाकघर डेटा खुर्द परगना चन्दौस त॰ खैर जि॰ अलीगढ़ (मन्तरक)
- 2. श्रीमिति शकुन्तला देवी विधवा बलबीर सिंह भोपाल सिंह पुत्र हरवंश सिंह डैटा सैरपुर डा० डेटा खुर्द पर० चन्दौस तह० खैर--जिला भ्रलीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाझेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में मधाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हरक्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उक्त भक्षि-नियम के भड़पाय 20क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा, जो उस भड़पाय में विया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि नं० 1115/1 डंग खुर्द में 1,22,864/- रू० में बोची गयी जिसकी बाजारी कीमत 1,72,000 है।

> भ० घ० घतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक : 24-7-1979

६० से मधिक है

प्रकृष माई॰ टी॰ एत॰ एस॰-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्ता 269-थ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

**ध्र**जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 जुलाई 1979

निदेश सं० 1207/ए० सी० क्यू०/मैनपुरी/78-79— ग्रतः, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-

ग्नौर जिसकी सं० 1064/1/81 हैं तथा जो छपरी मैनपुरी में स्थित हैं (ग्नौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मैनपुरी म रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 19-3-79 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई हैं धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत प्रधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमर्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण निखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरग से हुई किसी अप को बाबत, उक्त अधिनियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रन्दरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसा आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें माय-कर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलियम, या मन-कर मिलियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विका के सिए;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त धिधिनियम, की धारा 269-ण की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती रामेश्वरी द्वारा श्री ईश्वर सहाय माथु 4-36, वटलर पैलेस कालोनी, लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री नरेन्द्र नाथ गुप्ता, 5/10, कटरा मैनपुरी।
  - (2) चौराम सिंह, ग्राम ललाऊ, त० शिकोहाबाद मैनपुरी
  - (3) श्री बाबू राम शर्मा, भनवत रोड, मैनपुरी
  - (4) हरीण कुमार भनवत रोड, मैनपुरी
  - (5) कृष्णामुरारी, मिश्रा, लेहाई मैनपुरी,
  - (6) मोतीलाल गुप्ता, एडवोकेट, अवध नगर, मैनपुरी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 विन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नोक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पवों का, जो उक्त श्राधितयम के श्रध्याय 20-क में परिचाचित्र हैं, बड़ी श्रथं होना जो उस शब्याय में विया गया है।

# अनुसूची

एक किता पुरानी कोठी छपटरी मैनपुरी में 80,000/- 80,000/- 80,000/- 80,000/-

भ०च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर्₄

तारीख: 24-7-79

प्रकप आई० टी० एन० एस●--

भायकर भ्रषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अभीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 1 भ्रगस्त 1979

निदेश सं० 912/ए० सी० क्यू०/फरूखाबाव/ 78-79—-ग्रतः, मुझे भ० च० चतुर्वेदी

क्षायकर मिधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिधीन सक्षान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उनित बाजार मूल्य 25,000/-क्षये में अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या तलैयालैन है तथा जो तलैया लेन, फतेगहगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय फतेहगढ़ फरूखाबाद में , रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन तारीख 6-1-79 को

पूर्वोक्त सन्ति के उतित वाकार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा रूवोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूह्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत प्रधिक है भीर अन्तरक (पन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक अप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की वावत, चकत मखिनियन के भक्षीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमो करने या उससे जनके में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अप्य आस्तियों को जिन्हें ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः मन, उन्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरभ में, मैं, उन्त मिनियम, की बारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

 मेराज भ्रहमद सुपुत्र श्रीमान डा० जलीस भ्रहमद कुरेशी तलैया लेन, फतेहगढ़, जिला फल्खाबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री लक्ष्मी नारायन, श्रग्नवाल सुपुत्र शांती स्वरूप श्रग्नवाल, सा० रेलवे श्रस्पताल क्वाटर लोको, फतेहगढ़, फरूखाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यबाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्ब इ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यी घरण :-- इत्रमें प्रयुक्त शक्यों घीर पदों का जो उक्त सिव्याय के श्रध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं सर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

एक किता मकान तामीर पुख्ता दो मंजिला मौ० तलैया लेन फतेहगढ़, जिला फरूखाबाद, में 47,000/- रु० का बेचा गया।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-79

मोहरः

प्ररूप भाई० टी • एत • एस • -----

अरायकर व्यक्तित्रमम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 भ्रगस्त 1979

निदेश सं० टी० ब्रार० नं० 682/ए० सी० क्यू०/ भर्थना, 78-79—ब्रात: मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य 25,000/- क० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ' ' ' ' है तथा जो जवाहर रोड, भर्थना, में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भर्यना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 9-3-79

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्ध ह प्रनिशत घश्चिक है घोर घन्तरक (घन्तरकों) घोर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण चिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-नियम के घंधीन कर वेने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य बास्तियों को, जिन्हें भायकर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए:

मतः सन्, उतन भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत भिधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नसिखत व्यक्तियों अर्थात् !--  श्रो बंगालो बाबू पुत्र निन्हाकू नि० शहर ईटावा, नौरंगाबाद, जिला इटावा ।

(मन्तरक)

 श्रीमती तारो देवी पत्नी शिवनाथ सिंह यादव, नि० सीदपुर डा० कघेसी पचार परगना भर्षना, जिला इटावा ।

को यह मूचना जारी भरके पूर्वीक्त संपत्ति के भर्जन के जिए कार्ययाहियाँ करता है।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माख्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध याद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की कारी थे से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितमद किसी भन्य स्थक्ति द्वारा, भधी हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्टीकरण: --इमर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, हो भिक्षितियम के भ्रष्टभाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भये होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक किता बड़ा, जवाहर रोड, भर्थना, जिला इटावा में 60,000/- रु० का बेचा गया जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 81,000/- रु० हैं।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-8-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-III, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 3 सितम्बर 1979

प्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-द॰ से अधिक है।

म्रीर जिसकी सं० 23/63 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रवीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरित (धन्तरकों) धौर धन्तरित (धन्तरितों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या घन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —→

 श्री सत्यपाल सेठ पुत्र श्री इन्दर सैन सेठ, निवासी सड़क नं० 63, प्लाट नं० 23, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री राम नरायण पुत्र लाला मोहरी राम
  - (2) रमेश चन्द्र
  - (3) राकेश कुमार पुत्र गण श्री राम नरायण, निवासी 5476, बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब कि किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयंहोगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान जो प्लाट नं० 23, सड़क नं० 63, क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज है, पंजाबी बाग कालोनी, गांव मादीपुर, दिस्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : मकान प्लाट नं० 21 के ऊपर दक्षिण : मकान प्लाट नं० 25 के ऊपर ।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3-9-1979

मोहरः

# प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ------

पायकर मिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, विल्ली-1 14/4, आसफअली मार्ग, नई विल्ली। विल्ली-1, दिनांक 3 सितम्बर 1979

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/III/9-79/380—भ्रतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृख्य 25,000/- र॰ वे प्रधिक है और जिसकी सं० 21 है तथा जो नाथं वेस्ट एवेन्यू, रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 3-1-1979 को

पूर्वो स्त सम्यति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह
प्रतिशत स्थित है भीर सन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती
(सन्तरितयों) के बीच ऐसे सन्तरण के निये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त सन्तरण निकित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है!——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राच की बावत, उक्त प्रश्चितियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; धीर/वा
- (क) ऐसी निसी धाय या निसी धन या प्रस्य ग्राहितयों को जिन्हें ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्रामकर व्यक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए चा, जियाने में सुविधा के शिए;

जल: अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---8---266GI/79  श्री बिमल कुमार मेहरा पुत्र श्री मदन गोपाल मेहरा व श्रीमती कैलाशवती पत्नि श्री मदन गोपाल मेहरा, निवासी 65, बीडन स्ट्रीट, कलकत्ता-6।

(ग्रन्तरक)

2. श्री क्रुष्ण कुमार सोनी पुत्र श्री राम चन्द सोनी, निवासी 36/63, पंजाबी बाग, नई-दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के निए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घचिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्डीसरमः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के मान्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्च होगा, को उस प्रश्याय में दिया गया है।

# अहुत् ची

एक कोठी नं 21 सष्ट्रक नं एन ब्हब्स्यू ए जिसका क्षेत्रफल, 661.57 वर्ग गज है रिहायशी कालोनी, पंजाबी बाग में निम्न प्रकार स्थित है:

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : नार्थ वेस्ट एवेन्यू रोड,

पूर्व : प्रापर्टी नं० 19

पश्चिम : सड़क नं० 63 ।

डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंग रेंज-III, दिल्ली, मई दिल्ली-1

तारीख: 3-9-1979

प्रकप मार्ड० टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 था (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंअ-III, दिल्ली-1 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर, 1979

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०- /9-79/381—म्रतः मुझे डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- व्यये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 20/48 है, तथा जो पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरहों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत सकत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/श
- (क) ऐसी किनी माय या किसी व्रन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं निया गया का या किया जाना भाहिए का, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः ग्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ण की उपवारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवांत्:—

- श्री हरबंसलाल चन्ध्योक पुत्र के० भ्रार० चन्ध्योक निवासी 20/48, पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्री राजिन्दर कुमार मखीजा, मोहीत कुमार मखीजा, विजय कुमार मखीजा पुत्रगण श्री सोहन लाल मखीजा, निवासी 220, हजारीबाग रोड, रांची बिहार । (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) इंडियन, श्रायल कारपोरेशन,
  - (2) इंडियन स्रोवरसीज बैंक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के विषय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की धविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पुचना की नामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब क
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास
  निखित में किये जा सकेंगे।

क्पक्डी सर्व : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त मिमियम के सक्याय 20-क में यचा परिमावित हैं, वहीं सर्व होगा, जो उस मह्याय में दिया नया है।

### अनुसूची

एक ढाई मंजिला, मकान नं० 20/48 पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली जो लीज होल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 88.1 वर्ग गज है, पर बना है और निम्न प्रकार स्थित है:—

उत्तर : मकान नं० 20/47 पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली

दक्षिण : सड़क पूर्व : लेन पश्चिम : लेन ।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3-9-79

प्रकार प्रार्थं हो एत एम ब्यायकर प्रिवित्तमा, 1961 (1961 का 43) की बारा 269ष (1) के सधीत सूचना भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-III, दिल्ली-2

> 4/14क, असफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/9-79/382---ग्रतः मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम मिनियम को, यह जिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाजार मृख्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० बी-146 है, तथा जो हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-3-1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिकार के लिये अन्तरित को गई है भीर भुत बहु विश्वास करते का कारण है कि यंबानूबॉक्त सम्मत्ति का उजित वाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का प इह प्रतिशत से मिश्रक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच प्रेस मन्तरण के सिएत्य पाया गया प्रतिकल, निश्निलिया उद्देश्य से एक्त अन्तरण निवित में वास्थानक कम से कियह नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरव से हुई किया आय की बाबत उक्त ग्रिधिक नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कती करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किनी भाग या किनी अन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिने वा, खिलाने में सुनेशा के सिए;

अनः अब अका जर्भनाताम ती धारा 269-ग के अनुमरच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री सत्य जीत शर्मा पुत्र पं० मोती लाल शर्मा निवासी नं० 6/6/-87, श्रीशोगिक क्षेत्र, कीर्ति नगर, नई विख्ली-15।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती जितन्दर पाल कौर पुत्री जोगिन्दर सिंह श्रोबराय पितन कुलवंत सिंह मोरवा निवासी नं० 5 मिस्जिद रोड, भोगल जंगपूरा, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के जिए कार्यनाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्वत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धी क्यिश्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास जिखत में किये जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में येचा परिभाषित हैं, वहीं धर्थ हागा, जो उस ध्रध्याय में विवा गया है।

## **मन्**सूची

मकान नं बी/146, जो 200 वर्ग गज के प्लाट पर बना है, श्रोर खसरा नं 2011 में से है, खतूनी नं 9 है, हरी नगर, गांव तिहार में निम्न प्रकार स्थित है:—

उत्तर : रास्ता

दक्षिण : मकान प्लाट नं० बी/155 के ऊपर
 पूर्व : मकान प्लाट नं० बी/145 के ऊपर
 पश्चिम : मकान प्लाट नं० बी/147 के ऊपर

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7-9-1979

प्रकप धाई ० टी ० एत ० एस ०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

पारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-Ш दिल्ली-1

4/14 क, भासफग्रली मार्ग, नई विल्ली। नई विल्ली-1, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-III/9-79/383—म्रतः मुझे, डी०पी० गोयल

धाषकर सिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'छक्त सिवित्यम' कहा गया है), की सारा 269-का के सिवित्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- र० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 26/5 है तथा जो पुराना राजन्दिर नगर, मई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विलित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली म भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-1ब1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की घई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान अतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त निम्नसिबित सहेश्य से उन्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त छछि-नियम के संधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य ग्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रसारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के निए;

धतः, भव, उन्त प्रवितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रवितियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, धर्मात्:—

- श्री बंसी लाल मेहता पुत्र हरी चन्द मेहत निवासी 26/5, पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- श्री लीला कृष्ण पुत्र बाल किशन दास, निवासी 9427 गली नं० 10, मुलतानी डांडा, पहाङ्गंज, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

क्पच्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### मनुष्यी

एक क्वाटर नं० 26/5 पुराना राजिन्दर नगर, नई दिस्ली जो लीज होल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 88.1 वर्ग गज है, निम्न प्रकार से स्थित है:---

उत्तर : सड़क दक्षिण : सेन पूर्व : सेन

पश्चिम : सरकार द्वारा बनाया मकान

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ख:** 7-9-1979

त्रकप साई० टी० एन० एस०--

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली। दिल्ली-1, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-III/9-79/384 --ग्रतः, मझे, डी० पी० गोयल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

ष्मौर जिसकी सं० निल/43 ए है तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पति के छिन्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्नद् प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रग्तरकों) और प्रग्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में बाश्तविका रूप से कवित नहीं किया नया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत डक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या माय मास्तियों को, जिम्हें मायकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवास (1) अधीन, विश्वजिधित व्यक्तियों, अवीत्।---  श्रीमती पुष्पा वोहरा पितन श्री दीनानाथ बोहरा, निवासी मकान नं० 31, माल रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री बलदेव राज मदान पुत्र श्री भ्रार० सी० मदान, निवासी निल/43ए, मालवीय नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रार्वेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

### प्रनुसुची

प्रापर्टी नं० निल/43ए, जो लीज होल्ड प्लाट क्षेत्रफल 100 वर्ग गज पर बना है, मालवीय नगर, नई विल्ली में स्थित है।

> डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 10-9-479

प्ररूप आई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रम्भेन रेंज-III दिल्ली-1 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली। दिल्ली-1, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०-III/9-79/385--- श्रत:,

मुझे, डी०पी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उजिस बाजार मून्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है और भ्रीर जिसकी सं० ई० सी० 36 है तथा जो इन्दरपुरी, नई

रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-1-1979

दिल्ली में स्थित है (अौर इतसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण

को पूर्वोक्त सम्माल के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत उक्त घडि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रतकर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धनाः भवः, उना पश्चिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उन्त प्रक्षिनियम की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) के अधीन निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री नरेश सूद पुत्न श्री तिलोक नाथ बारा मैसर्स हीरो नीटिंग वर्क्स, फीगंज, श्रागरा (उत्तर प्रदेश)

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रत्तर सिंह चड्ढा पुत्र श्री गुलाब सिंह चड्ढा, निवासी 22/1 ए, नरायणा इन्द्रपुरी, दिल्ली (नरायणा ग्रौद्योगिक क्षेत्र, फेस-I, नई दिल्ली)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उना सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस भूवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील 4 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वतित व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूबना के राजपत्र में पकाणत की तारीख मे 45 दिन हैं भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी सन्य अ्यक्ति ग्रारा. अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पक्टोफरण: →-इ। में प्रयुक्त प्रक्टों और पत्रों का, जो उक्त प्रधि-त्रियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टवाय में विया गया है।

### प्रनुसूची

एक प्लाट नं० ई० सी० 36, क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो कालोनी इन्दरपुरी एक्सटैन्शन, गांव नरायणा दिल्ली में है, निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्व : प्लाट नं० 35-ई० सी० पश्चिम : प्लाट नं० 37-ई० सी०

उत्तर : गली 10 फुट दक्षिण : सड़क 30 फुट

> छी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज -III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 10-9-1979

प्रकाशक टी० एत० एस०---

आयकर ग्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष (1) के ग्रिप्तीन सूचना

भारत सरकार

काय (लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीजा)

ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-14/14क, आसफग्रली रोइ, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-III/9-79/386—श्रतः, मुझे, डी० पी० गोयल आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिनियम' कला गण है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार पूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 53/83 है तथा जो रामजम रोड, डब्ल्यू० इ० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख 30-1-1979

(1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1979 को पूर्वीक्त संपत्ति के उति न तारीख 30-1-1979 असे पूर्वीक्त संपत्ति के उति न तारी र मन्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गर्य २ और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका मंत्रित का उचित यात्रार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्तरह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर धन्तरिती (अन्तरितयों) के जीव ऐसे धन्तरण के लिए क्यापाया गया प्रतिफल, निम्नतिथित उद्देश्य से उन्त धन्तरण, लिखित में बाक्तविक रूप से ग्रीथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आग को बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उक्से बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (आ) ऐसी किसी मार या कियों वा रा स्थ मास्तियों को, जिन्हें भ्रायकर सिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के। 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा रहत नहीं शिया गरा गया या क्रिया जाना जिल्लि था, स्थिपने में सुविधा के लिए:

अतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म के भनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम आधारा 269-भ की उपधारा (1) के भिधिन, निम्निलिखन का निमित्रों, अर्थात्—

श्री कृष्ण मोहन बिजली पुत्र साई दास (बिजली पहलवान),
 निवासी 31, नई रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री प्रताप सिंह पुत्र सुन्दर सिंह,
 निवासी 61/3, रामजस रोड, डब्ल्यू० ई० ए०,
 करोल बाग, नई दिल्ली।
 श्रन्तरिती)

- 3. मकान नं ० 53/83, रामजस रोड, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली के किरायेदारों के नाम की सूची:
  - (1) श्री इन्दर राज
  - (2) श्री विश्वानाथ
  - (3) मैं ० दीपक स्कूटर्स
  - (4) श्री ज्ञान सिंह चावला
  - (5) श्री रात्यपाल गुलाटी
  - (6) श्री चुन्ती लाल
  - (7) श्रीमती वीरान बाली
  - (8) श्री एम० एल० सहगल
  - (9) श्री मुकन्द राम किशन
  - (10) श्री नरेन्द्रसिंह वभूपेन्दर पाल
  - (11) श्री मनजीत सिंह, प्रिथवाल सिंह
  - (12) श्री निर्मल जीत सिंह
  - (13) श्री सुभाष चन्द्र पाठक

(वह व्यति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के धर्षन के लिए कार्यवाहियां हरता है!

उत्त पंति के पर्यंत के संबंध में कोई सी आफ्रेप:--

- (ग) रथ पूजरा १ राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता
  की तामील में 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि
  बाद में सपाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति हारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-कं में परिमाणित है वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

## अनुसूची

एक मकान जिसका नं० 53/83, स्युनिसिपल नं० 16/8217, खसरा नं० 847, खेवट नं० 1, खतूनी नं० 514, क्लाक नं० 53, क्षेत्रफल 417 वर्ग गज है, राम जस रोड, उब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है:

उत्तर : सड़क दक्षिण : सर्विस लेन

पूर्व : मकान नं ० 53/82

पश्चिम : सड़क

डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ख**: 10-9-1979

प्रकाप बाई॰ टी॰ एन०एम०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269-च (1) के घंधीन नूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क, ग्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०-III/9-79/387—श्रतः मुझे, डी०पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वाबर सक्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र के संधिक है

श्रौर जिसकी सं 11ए/2 है, तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान '
प्रतिफन के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके बृह्यमान प्रतिफल से ऐसे बृह्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से घिक है घौर घन्तरिक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से खिचत नहीं किया गया है।—~

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्त भाषितियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐमी किसी धान या किसी धन या प्रस्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर घिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत धिधनियम, या धन-कर घिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः सव, उक्त सिवियम को घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, वर्षात :--- शिवराम पुत्र सुन्दर राम, निवासी 11ए/2, डब्स्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती लाजबन्ती पित्नि भित्र लाल नन्दा, श्री प्रेम चन्दर पुत्र भित्र लाल नन्दा निवासी 6ए/68, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भाषीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्णीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, को जक्त प्रधिनियम के झक्ष्याय 20-क में परिकाधित है, वही धर्ष होगा जो उस झक्ष्याय में दिया यया है।

### भनुसूची

मकान प्लाट नं० 11 ए/2 के ऊपर जिसका म्युनिसिपल मं० 11143, क्षेत्रफल 188 वर्ग गज, खेवट नं० 1, खतूनी नं० 2662, खसरा नं० 5011/260, डब्ल्यू० इ० ए० करोल बाग, में निम्न प्रकार स्थित है:

उत्तर : सड़क

वक्षिण : सर्विस रोड,

पूर्व : मकान प्लाट नं 1 के ऊपर पश्चिम : मकान प्लाट नं 3 के ऊपर

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-III, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 10-9-1979

प्रकृप भाई० डी० एन० एस०-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

289 भ (1) के अप्रीत स्वता भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-III, दिल्ली-1 4/14क, भ्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली । दिल्ली-1, दिनांक 12 मितम्बर 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-III/ 9-79/389—म्रतः, मुझे, डो० पी० गोयल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीत मक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिनका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15 विघा, 3 विश्वास भूमि खेती है तथा जो गांव छत्तरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्रिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तिक नियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण स हुई कियो घाय की बाबत उक्त घोष्ठानियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ग्रंबने में सृथिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किया घत या भन्य बास्तियों को, जिन्हें भायकर भिर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम, या घन-कर भिर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

मतः प्रव, उदत अधिनियम की चारा 269-ग के धनुसरण में, में, उदल प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 9—266G1/79 सत्यासाई ट्रस्ट (दिल्ली, पंजाब)
 6-बहादुर जफर मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती सुरजीत कौर धर्मपत्नी वजीर सिंह
  - (2) श्रीमती वलवन्त कौर धर्मपत्नी मोहन सिंह, निवासी ई-83, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संति के अर्जन के लिए कार्यबाहियाँ करता हूं।

उका मंत्रति के अर्बन क अंबत में कोई मा राओर .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्य स्पब्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भ्चना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवड़ किमी ध्रम्थ व्यक्ति दारा ग्रधोश्क्ताक्षरों के एस निश्वित में किए जा सकोंगे।

हाधडीकरण: --इसमें अयुक्त ग्रन्था ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वती भ्रषं होगा जो उस अठवाय में दिया गाउँ।

*अम्*सूची

ऐग्रीकल्चर भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विघा, 3 विश्वास जोकि स्थित है : गांव छत्तरपुर, तहसील महरौली, नई विल्ली में निम्नलिखित है :

खासरा नं०	विघा	विश्वास
1033/1	2	9
1034/1	2	10
1037/1	2	17
1041/1/2	1	2
1041/2	2	134
1042/2	3	11
	15	3

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-III, नई दिल्ली-1

तारीख: 12-9-1979

प्रकाश कि दी श्रिष्त एत श्रिक्ष स्वाप्त अध्यक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 घ (1) के बधीन भूगनः भारत सरकार

कार्यालय, भर्गयक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-III, दिल्ली-1 4/14क, अ।िमफअली मार्ग, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 12 सि तम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यु०/III 9-79/388—अतः, मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिपे इसमें इसके रण्यात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्म 25,000/-र० ने अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 19 बीघा 4 विश्वास, खेती भूमी है तथा जो गांव छतरपुर, तहसील महरोली, नई विल्ली-1 स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर रुप पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली मे रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-1-1979 को पूर्वों न सम्पत्ति के उचिन बाचार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का 'उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्झह प्रतिशत धिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बाह्नविक क्ष्य मे किया नहीं किया गया है ।---

- (म) धन्तरण स हुई किनी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/था
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की जिम्हें भाय-कर ग्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त ग्रिवित्यम, या घन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

स्राः धव, उक्त ग्रिसिन्यम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की भारा 269-व की उपकारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— सत्वा साई ट्रस्ट (दिल्ली, पंजाब)
 6-बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

श्रीमती तरन कौर धर्मपत्नी श्री त्रिलोक सिंह, निवासी एस-62, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह मुखना जारो करके पूर्वीक्त सम्यति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्बन्ति के प्रकृत के सम्बन्ध में कोई भा प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर
  सूचना की नामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितब ह
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित
  में किए आ सकींगे।

ह्यब्होकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, त्रो उक्त अ**वि-**नियस के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा को उस घष्याय में विया गया है।

श्रनुस्ची

खेती भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 विद्या 4 विश्वास स्थितगांव छत्तर पुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली निम्नलिखित है।

खसरा नं०	विघा	विश्वास
1051/1	1	4
1051/2	3	12
1052/मिन	0	6
1052/मिन	4	10
1053/	4	16
1054/1	3	00
1054/2	1	16

डी० पी० गोयल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I , दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 12-9-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14 क, आसफाअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-III/9-70/390—श्रत:, मुझे, डी०पी० गोयल

आयक च अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिनारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मित जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी-86 है, तथा जो शिवाजी पार्क, रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 4-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, जिखित में वास्तविक क्य से अवित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाष या किसी धन या ग्रन्थ धाम्तियों को जिन्हें भाष-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

भतः प्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नमिखित स्थिक्षयों, प्रयत् :---

- (1) श्रीमती कैलाण कुमारी चावना धर्मपत्नी श्री धर्म स्वरुप चावना ।
  - (2) श्रीमती ऋष्णा चावला धर्मपत्नी वेद प्रकाश चावला, निवासी 5298/99, हरदयाल सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती जनक रानी धर्मपत्नी लाला खुणी राम
  - (2) सुभाष कुमार
  - (3) रमेश कुमार सन्स श्राफ श्री खुशी राम, निवासी सी-83, शिवाजी पार्क, रोहतक रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के **भ**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किभी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  जिखित में किए जासकेंगे।

स्वर्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदोंका, जो उक्त भिन्न नियम, के भ्रष्टवाय 20क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक प्लाट जोकि फी होल्ड नं० 86 में ब्लाक सी, (सी 86) का क्षेत्रफल 436 वर्गगज (364.552 मिटरस) स्थित है। शिक्षांजी पार्क रोहतक रोड, नई दिल्ली, एरिया गॉब मादीपुर, दिल्ली, जो निम्न हैं।

उत्तर : रोड 30' वाईड दक्षिण : साऊथ रोड नं० 40

पूर्व : मकान बना, प्लाट नं० 85 ब्लाक सी, पश्चिम : मकान बना, प्लाट नं० 87 ब्लाक सी।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 12-9-1979

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1 नई, दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/9-79/392-स्रतः भृक्षे, डी० पी० गोयल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- वपसे से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट नं 0 10, रोड नं 0 42 है, तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुस्त्री में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 18-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परद्रह प्रतिजत से मिलक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (धश्तरितियों) के बोच ऐने मन्तरग के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्तरण स हुई किसा ब्राय को बाबत, उक्त प्रिवियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निर्शासीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या कियो या या प्रत्य प्रास्तियों, को जिन्हें गारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत श्रधितियम, या धन-कर ग्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के मिए;

खतः अब, उका पिधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की प्रारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- किशन लाल सुपुत्र श्री मेला राम निवासी ए-114, भगवान दास नगर, रोहतक रोड, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- 2. श्री परवीन कुमार सुपुत्र श्री किशन लाल श्रौर श्री सुनील कुमार सुपुत्र श्री किशन लाल निवासी मोहल्ला खारतोली, पठानकोट, ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बरत सम्पत्ति के धर्चन के सबंध में कोई भी धाओंप :--

- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.२ मुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध कियो मन्य व्यक्ति द्वारा म गेंद्स्तानरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरगः -- इसमें प्रयुक्त प्राध्दों भीर पदों का. जो उत्तत प्रक्षि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिशायित हैं, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

प्लाट नं 10 रोड नं 2 क्षेत्रफल 1088.89 वर्ग गज जिसमें गेरीज बना हुआ है । स्थित कालोनी, पंजाबी बाग, गांव सकुरपुर, वेहली जो कि निम्न है:

नार्थ : मकान नं० 8 साऊथ : मकान नं० 12 ईस्ट : सर्विस लाईन वेस्ट : रोड नं० 42

> डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, विल्ली-1, नई विल्ली-1

तारीख : 12-9-1979

# प्ररूप भाई० टी० एन• एस०----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के भवीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०- /9-79/391--ग्रतः

मुझे, डी॰ पी॰ गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 7 ब्लाक नं० 80-ए है तथा जो कृष्णा मार्किट,

पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्वनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

धतः सन, उन्त प्रवितियम की धारा 269 म के धनुसरण यें, मैं उन्त अधितियम की धारा 269-व की उपधारा, (1) के अधीन, सिम्निकिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती केशौ रानी पुत्नी भागीरथ मल धर्मपत्नी श्री जगदीण प्रसाद निवासी 431-2/13, गली भाऊजी, बहादुर गढ़रोड, दिल्ली-6

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कोणल्या देवी धर्मपत्नी श्री किणन सिंह निवासी जै-53, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के श्रजेन के मंत्रेश में कोई भी प्राक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यिक्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारोज से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रशीहस्तान्नरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्रापर्टी नं० 7 में ब्लाक 80-ए स्थित है, क्वष्णा मार्किट, पहाड़गंज, नई दिल्ली जोकि लिज होल्ड , भूमि का क्षेत्रफल 312 वर्गगज निम्न है :—

नार्थ : रोड

साउथ : मेन रोड (पार्क) ईस्ट : प्लाट नं० 6 बेस्ट : साईड प्लाट नं० 8

डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 12-9-1979

# प्रकप भाई० टी॰ एम॰ एस॰----

मायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-111, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०-III/9-79/393—-भ्रतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन संज्ञम प्राधिकारी को, यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिनका उचित जाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जे-10/41, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-1-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल सं के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रनारण लिखित में वास्तिक का ने कथित नहीं किया गया है:—

- (त) अन्तरम से हुई जिली प्राय की जावत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (आ) ऐती किसी नाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

पतः धव, उक्त प्रधितियम, की धारा 269-म के प्रतुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात:— 1. श्री सूरज नरायण छात्ररा सुपुत्र श्री देवी दयाल छात्ररा नियासी 1/3 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जग चन्द्र मुपुत्र श्री चुनी लाल चोपरा श्रीर श्रीमती जनक रानी चोपरा, धर्मपत्नी श्री जग चन्द्र निवासी जै-10/41, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्य में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उन्हत स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

होऽद्यं हरण --इननें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनयम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० जे-10/41, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली साथ भूमि क्षेत्रफल 200 वर्ग गज जोकि निम्न है:——

नार्थ : प्रापर्टी नं० जै-10/30

साउथ : रोड 80 वार्ड

**ई**स्ट : प्रापर्टी पर प्लाट नं० जी-10/40 वेस्ट : प्रापर्टी पर प्लाट नं० जी-10/42

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

सारीख: 12-9-1979

मोहरः

प्रकप धाई • टी • एन • एस०-

\_\_\_\_\_\_

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-च (1) के प्रधीन मूनना

भारत सर्भार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-III, दिल्ली-1

मई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं श्राई ० ए० सी ० / एक्यू ० / धार / १०-७ / ३९४ -- श्रतः मुसे, डी०पी० गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारो को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

म्रीर जिसकी सं० एफ-2/4 है, तथा जो मालवीया नगर, नई दिल्ली-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10-1-79

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिद्धल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रयाप्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप ने किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाब 'उक्त धर्धिनियम' उग्रधीत कर देते के अध्वरक के दायित्व में कभी करने या उन्नये क्चते में सुविधा के ंगए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या भन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त धिधिनयम, ग्राधिनयम, ग्राधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिजी धारा प्रकट नहीं किया गर्या था था किया आना आहिए था, खिपाने में समिश्रा के निए;

यतः प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थीत् :—  श्रीमती इन्दरजीत कोर, धर्मपत्नी श्री मनमोहन सिंह, निवासी एफ-2/3, मालवीया नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पुष्पा गांधी, धर्मपत्नी श्रातम प्रकाश गांधी निवासी एफ-2/14, मालवीया नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोश्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की वारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य भ्यन्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हाड्डोकरण: --इनमें प्रयुक्त गड्डों तीर पत्तों का, जो उकत ग्रधिनियम के सह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस ग्रहमाय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी नं० एफ-2/4, जोकि क्षेत्रफल 123 वर्ग गज स्थित मालवीया नगर, नई दिल्ली।

> डी० पी० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) . म्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1, नई दिल्ली-1

तारी**ख**: 12-9-1979

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

# थायकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के घषीन सुचनाः

### भारत सरकार

धार्यालय, सङ्गारक श्रायकर <mark>मायुक्त (निरीक्षण</mark>)

प्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस०श्रार०-1/79-80 4723/--श्रतः मुझे, श्रार० बी० लाल ग्रग्रवाल प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्याप्त सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जे०-4/12 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 3-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के नन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण, निवित्त में अस्तरिक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रष्ठिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भीर/या
- (ख) ऐसी ितसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में पृथिखा के लिए;

भत: भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निजित व्यक्तियों, प्रणीत:--- गुरचरन सिंह मुपुल्ल सरदार मिह

एस-31, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली श्रौर श्री

सत्यभूषण श्रौर सुभाष चन्द्र सन्स श्री देवकी नन्द

निवासी ई-3, रत्न पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री सतपाल सुपुत्र बरकत राय निवासी एल-76, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूतना जारी करके प्रवीक्त समाति के भर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त समास्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारी से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण .--इसमें प्रयुक्त शन्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्य होगा जो उस धन्याय में विया गया है।

## **भनुस्य**ो

इस प्लाट पर जी-4/12 मकान बना हुम्रा जिसका क्षेत्र फल 182 वर्ग गज जो स्थित है कालोनी राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, ! एरिया गांव बसई दारापुर देहली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

नार्थ : लोन साऊथ : रोड

ईस्टं : प्लाट नं० 4/11 बेस्ट : प्लाट नं० 4/13

> ग्रार० बी० लाल ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली,

तारीख 14-9-1979 मोहर: ूनई दिल्ली-1

अक्ष धाई∙ टी॰ ए्न॰ एस०-

भारकण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आपर 269 प (1) के धाधीन मुख्या

#### भारत संस्कार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-U. दिल्ली-1 4/14 क, ग्रासफ अली मार्ग, नई दिल्ली। दिल्ली-1, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यु०/II/एस०प्रार० 1/79-भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-अ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहम 25,000/-रुपए से शक्तिक है

श्रीर जिसकी मं० ई-74 है, तथा जो कीर्ति नगर, दल्ली में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31 1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के वृहयमान प्रतिफल के लिए अमारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके इस्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्डल प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-ंलिक्कित उद्देश्य म उक्त अस्तरण शिक्कित में बास्त्रविक कप मे क्षित नहीं किया गया है ---

- (क) भनारण यें हुई किमी भाष की बाबत, उक्स अितिया के शभीन कर देवे के अन्तरक के दायिख में गरी करने था उससे वचने में मुजिला के लिए। ्बीर/याःुँ
- (स) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भारत्वयों को, जिन्हें भारतीय माय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उनत भौधनियम, या धन-कर श्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ धन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुनिधा के लिए:

बतः अब, उक्त ग्रह्मितियम की घारा 2 6 9 ना के अनुसरण में 3 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-य की उपधारा (1)

1. श्री बलदेव सिंह भसीत मुपुत श्री एस० इन्द्रसिंह सिंह भसीन निवासी, ई-74, कीर्ति नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा हिंगल धर्म पत्ति श्री जसवन्स राई हिंगल और श्रीमती नीना हिंगल धर्म पत्नी श्री विश्वमित्रर हिंगल निवासी जी-23, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री बनवारी लाल गुप्ता,

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी अरक पूर्वाकत नव्यक्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता है।

रुष्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाजेप:---

- (क) इस मुखना के राजधन में प्रकाशन की नारीख से 45 चिन की अवधि या तत्सं संग्री व्यक्तियों प**र सुधना**ी नामील में 30 जिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त रोजी हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में ने किसी व्यक्तिः आराः
- (बा) इस मुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति भें हिलबद्ध किसी भ्रग्य स्थिति द्वारा धर्धोहस्ताक्षरी च पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:---इ**समें प्रयुक्त शब्दां और पशें का, आ उक्त ग्रिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गता है।

#### **गन्**म्**पी**

एक मंजिला, मकान प्लाट नं० 74, ब्लाक नं० ई क्षेत्रफल 335-27 वर्ग गज कालोनी कीर्ति नगर, गांव बसई धारापुर दिल्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार हैं:

ः मकान नं० ई-75 मकान नं० ई-73 दक्षिण : रो**ड** 60' पुर्व

लाईन 15

न्नार**० बी० लाल म्रग्नवा**ल सक्षम श्रिधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-१ए, दिल्ली-1

तारीख 14-9-1979 मोहर:

पश्चिम :

10--266GI/79

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०-

प्रायकर प्रश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस०भार०-1/ जनवरी 1/87/4745—म्रतः मुझे भ्रार० बी० लाल म्रग्नवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परतात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर तम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ४० से मधिक है

म्रौर जिसकी सं० 14/52 है, तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भग्तरम के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निणिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया it :--

- (अ) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त श्रीधिनिधम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत श्रिधितियम, या धन-कर भिषितियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था भियाजाना चाहिए या, फिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त भिनियम की बारा 269-ग के भन्सरण में, में, उक्त मधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के प्रवीत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:---

- 1. श्रीमती गुरचरण कौर धर्मपत्नी श्री गुरमृख सिंह निवासी 134/52 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
- 2. श्रीमती नन्दी देवी धर्मपत्नी बाल चन्द अग्रवाल
  - (2) जै० पी० श्रग्रवाल
  - (3) एम० पी० भ्रम्नवाल
  - (4) ग्रो० पी० ग्रग्रवाल सन्स, बी० सी० ग्रग्रवाल निवासी बी-193, नरायण बिहार, देहली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करहे पूर्वीका सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उना सम्पत्ति के यजेंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेत:---

- (क) इस सूबता के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की नारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जानकों गे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शम्हों श्रीर पदों का, जो ग्रधिनियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

#### **अनुसूची**

एक मंजिल मकान प्लाट नं० 14 जो रोड नं० 52 पर क्षेत्रफल. 10547 वर्गगज जोकि स्थिति है कालोनी पंजाबी बाग, एरिया, गांव बसई दारापुर देहली में जो स्थित है :

> नार्थ : रोड नं० 52 सर्विस लेन साऊथ ईस्ट' प्लाट नं० 16 वेस्ट प्लाट नं० 12

> > श्रार० बी० लाल ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-II दिल्ली-1

तारीख: 14-9-1979

प्रकप भाई० टी ज्यन० एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के मधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, II दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०II/एस०म्रार०-I जनवरी-81/4736—म्प्रतः मुझे म्रार० बी० लाल म्रग्रवाल मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भला, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से मिनिक है

श्रौर जिसकी सं० 36 है तथा जो वेस्ट पटेल-नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है घौर मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृयक्मान प्रतिफल से, ऐसे वृयक्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्रिक है धौर मन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितिकों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिब्त उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इस्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की नागत, उन्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किशी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के सिए;

मतः मन, उन्त समिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रचिनियम, की भारा 269-व की उपभारा (1) के सभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्यात !---

- 1. श्री मोहिन्दर कुमार जैन, सुपुत्र श्री रनजीत सिंह जैन, निवासी बंगला, नं० 91 मैन रोड, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तकर)
- 2. श्री राम प्रकाश सेठी, सूपुत्र उत्तम चन्द सेठी
- (2) जनक राज सुपुन्न राम प्रकाश सेठी, निवासी बी-77, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-I (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति हारा;
  - (ख) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क, में परिमाणित हैं, वहीं भ्रषे होगा, जो उस भ्रष्याय में विवा गया है।

## **प्रमुस्**षी

सरकार का बना हुन्ना कोटेज नं० 36 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली लिज होल्ड, भूमि जिसका क्षेत्र फल 350 वर्ग गज हैं जो निम्न प्रकार स्थित है:

नार्थ : रोड

ईस्ट : कोटेज नं० 37 साजथ : सर्विस लेन वेस्ट : कोटज नं० 35

> ग्रार बी० लाल श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

तारी**ख** 14-9-79 मोहर: प्ररूप धाईं वो एन एस--

भायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भाधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज्र!I, दिल्ली-1 दिल्ली-1, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/П/एस०ध्रार०-1/79-80/4763—म्प्रतः मुझे भ्रार. बी० लाल भ्रप्रवाल,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० ए-2/15 है तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (धन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिखित में बाहतविक का में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्परम ने दुई किसी प्राय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम के अधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय पा किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने यें सुविधा के लिए;

न्नतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण म, सैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) ने अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— 1. श्री पुष्प कुमार नागिया पुत्र स्वर्गीय श्री श्रात्म देव नागिया निवासी ए-2/15, राजोरी गाउँन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री स्रोमप्रकाश मुपुत्र श्री कृष्णन लाल छावड़ा, स्रौर श्रीमती हर भजन कौर धर्मपत्नी श्री कृष्णन लाल छावड़ा निवासी 6881, बेरी वाला, बाग, दिल्ली । (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्रामंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की भवधि या तत्सम्बग्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद हैं किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास जिखात में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जबत प्रधिनियम के मध्याय 20--क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लाट नं 15, ब्लाक नं ए-2, क्षेत्र फल 260 वर्ग गज कालोनी राजोरी गार्डन गांव बसीधारापुर दिल्ली राज्य विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

उत्तर : सङ्क

दक्षिण : प्लाट नं० ए-2/32 पूरब : प्लाट नं० ए-2/14 पश्चिम : प्लाट नं० ए-2/16

> भ्रार० बी० लाल श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज , दिल्ली-1

तारीख 14-9-1979 मोहर: प्ररूप भाईं व्ही । एन । एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रज-II, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 14 सितम्बर, 1979
निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/II/जनवरी/--- श्रतः
मुझे ग्रार० बी० लाल श्रग्रवाल
आयक्तर क्षिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-दुपए से ग्रीधिक है

भीर जिसकी सं० 25/83 है, तथा जो भक्तिनगर, देहली म स्थित है भीर इससे उपाबद्ध भनमूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 1 7-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मोर मुझे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमह अजिगत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बोच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल निम्नसियित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निम्तिखित में बाह्यकि कम से सचित नहीं किया गया है!—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधील कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या प्रश्य | आस्तियो को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीव्य नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीव्य नियम, या श्रम-कर श्रीव्य नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती झरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः सन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उपत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के महीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती ग्रमना वाई बिडो मोहम्मद कुमार, निवासी 2959 काला मिलस्द, वेहली।

(अन्तरक)

 श्रीमती चन्द्रो धर्मपत्नी श्री सूरज भान निवासी 25/83, शक्ति नगर, देहली।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारो करके पूर्वाका सन्धान के अर्बन के निए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की सबिध या तस्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की तामील ये 30 दिन की सबिध, जो भी यबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति आरा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए का सकेंते।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्ने कर, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, तही अर्च होगा, जो उस श्रध्याण में दिशा मथा है।

#### प्रमुसूची

प्रोपर्टी पर प्लाट नं० 25/83, जिसका क्षेत्र फल 200 वर्ग-गज, म्युनिसिपल नं० 11724, स्थित है शक्ति नगर, देहली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

नार्थ : गली 10 फुट साउथ : प्लाट नं० 25/43 ईस्ट : सर्विम लाईन वेस्ट : रोड 40 फुट

> श्रार० बी० लाल **ध्रप्रवाल** सक्षम प्राधिकारो, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- , दिल्ली-1

तारीख 14-9-1979 मोहर: प्ररूप आई• टो• एन• एस•————— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिक्षांग शिलांग, दिनांक 6 अगस्त 1979

निदेश सं० ए०-222/जे०श्रार०टो०/78-79/424-25---श्रतः मुझे रा० ना० बरा

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नजन प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्बति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संव दाग नंव 3885 एवंव्यीव पट्टा नंव 80 ब्लीक नंव 1 है तथा जो रुपही श्रली रोड जीरहाट टाउन सिब सागर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जीरहाट में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 1 6) के श्रीन तारीख 6-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रीधिनयम के भ्रधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी हिती ब्राप्त पा किसी धन या प्रस्त ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

यतः श्रव, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, **चक्त** जिथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के **क्योन**, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रो बदर जमन हजारी का रुपहा मली, औरहाट (म्रन्तरक)
- 2. श्रो तुला राम गटानी, बाबू पट्टी, जोरहाट (म्नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सूजना के राजाज में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की भविधि या तस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का माप 3 कट्टा 1 । (एक और ग्राधा) लक्बा, रुपहा ग्रली रोड, जोरहाट टाउन सीवसागर जिला, (ग्रासाम) में स्थित है।

रा० ना० बरा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग ।

दिनांक : 6-8-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० ---

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के म्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 अगस्त 1979

निदेश सं०ए०-228/जे० श्रार०टी०/78-79/430—म्प्रतः मुझे, रा० ना० बरा

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दाग नं० 3909 एवं 3915 पी० पट्टा नं० 25 जोरहाट टाउन है, भ्पही अली रोड सीवमागर जिला जोरहाट टाउन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुभूच। में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5-1-1979 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रम, उम्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भ्रधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत:—-

- श्री मुहम्मद श्रली उल्ला श्रन्मार वार्ड नं० ३, जोरहाट, (अन्तरक)
- 2. श्री राम करण गटानी पिता श्राजय नारायण गटानी, भवरी लाल गटानी पिता चम्पा लाल गतानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का माप 1 कट्टा 3½ लच्चा, रुपही म्रली जोरहाट टाउन सीवसागर जिला में स्थित है।

> रा० ना० बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 7-8-1979

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

# भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भिन्नी सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज

णिलांग, विनांक 7 ग्रगस्त 1979

सं० ग्रतः मुझे रा० ना० बरा, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रश्रीन सन्नम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मिल, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से मधिक है

भीर जिसकी सं० वाग नं० 3539 एवम 3532 पीं० पट्टा नं० 135 ब्लीक नं० 1 है तथा जो ए० टीं० रोड जीरहाट, जिला सीवसागर (श्रासाम) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ती श्रीधकारी के कार्यालय जोरहाट में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफलं के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भगसरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपकारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री खलाल उर रहमान, पिता स्व० साकन्दर झला रहमान रोड, जोरहाट

(ग्रन्तरक)

2. श्री भवरी लाल अग्रवाल, पिता श्री बगरंग लाल अग्रवाल, श्री णिव प्रभाद अग्रवाल पिता श्री जोद राज अग्रवाली, श्री चम्पा लाल अग्रवाला पिता स्व० जंग्रनाथ अग्रवाल, श्री राम निवास अग्रवाल पिता स्व० लक्ष्मो नारायण अग्रवाला वि सब में सर्ग जय श्री राजस्थान स्टोर्स ए० टी० रोड, जोरहाट का पाटनर है।

(म्रन्तरिती)

को यह मुखना जारो करके पूर्वान्त सम्मक्ति के भनेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी घवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इप मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों पौरं पदों का, जा 'खबत श्रक्ति िनयम', के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह पर्य होगा, हो जा जड़वाद में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का माप 15 लज्जा एवम उस के साथ एक दुकान श्रौर एक गोदाम है, माप 15×30 एवम 16फीट×130 फीट ए० टो० रोड, जोरहाट जिला सीवसागर (ग्रासाम) में स्थित है।

> रा० ना० बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 7~8-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज

शिलांग, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

नि॰ मं॰ ए॰-231/गौहाटी/78-79/602─ज्य्रतः मुझे, रा॰ ना॰ बरा,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दाग नं० 147 पट्टा नं० 299 है तथा जो कमख्या शहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धीर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठनियम या धन-कर भिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिका के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
11—266GI/79

- श्रीमती पदमा देवी पत्नी स्व० श्री ग्रानन्द शर्मा (श्रन्तरक)
- श्रीमतो रीता शर्मा पत्नी श्री फर्ना शर्मा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

रपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों भीर पदों का, जो उन्त भिष्टितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभा<sup>ति</sup>त हैं, वही भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विधा गया है।

## अनुसूची

जमीन माप 4 कट्टा मालीगांव चाराली के नजदीक, गोहाटी जिला कामरूप।

रा० ना० बरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 7-9-1979 मोहर: प्ररूप भारे • टी • एम • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए०-2*32|*गौ०*| 78-79| 618⊢—फ्रा*तः मुझे० रा० ना० बरा

ग्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मजीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द∙ से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग नं० 432 एवम नं० 51 के० पी० पट्टा है तथा जो ग्राम मैंयदाम, म० वेलटला, गोहाटी कामरूप में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय गोहाटों में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 19-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य

का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतियत पश्चिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जनत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अक्षि-ियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिष्ठित्यम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या क्रिया आना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिखे;

धत., प्रव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधि नियम की घारा 269-च की उनद्रारा (1) के सम्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात:—-

- सर्वश्रा (1) श्रो तनुवाला दास परनी स्व० भुवन चन्द्र दा स
  - (2) श्रीकृष्ण चन्द्र दास पुत्र स्व० भुवन चन्द्र दाम ।
  - (3) श्री नारायण चन्द्र दास पुत्र स्व० भूवन चन्द्र दास
  - (4) श्रो ग्रतुल चन्द्र दास पुत्र स्व० भुवन चन्द्र दास
  - (5) श्रो लक्ष्मी राम दास पुत्र स्व० भागीराम दास
  - (6) श्रो जगत चन्द्र दास पुत्र स्व० भागीराम दास ग्राम—धारापुर, पो० पलास बाड़ो, कामरूप (भ्रासाम)

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री संसीकान्त बरुग्रा पुत्र स्व० के० के० बरुग्रा
  - श्री कृष्ण कान्त बस्म्रा पुत्र स्व० के० के० बस्म्रा।
     चेनी कुट्टी, गौहाटी-3।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अपर्यंत के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की भगिध या तत्संबंधी क्यिक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की भगिष्ठ, जो भी भगिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजोंक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, त्रो उक्त श्रिक्षियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस धश्याय में दिया गया है।

## पनुसूची

जमीन का माप 1 बिघा 17 लच्छा है। नेणनल हाई वे के नजदीक हेली पेद गोहाटी, कामरूप जिला में स्थित है। (मासाम)

> रा० ना० बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, मिलांग

तारीख: 11-9-1979

मोहरः

प्रकथ धाई• टी• एन• एस•--------

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-शिलांग

णिलांग, दिनांक 11 सितम्बर 1979

मायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रू० से ग्रीविक है

त्रोर जिनकी संव दाग नंव 442 श्रीर नंव 203 केव पीव पहा है, तथा जो ग्राम मैदाम मज्जा बेलतला गोहाटी (ग्रासाम) में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गोहाटी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 19-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विचत बाजार मृत्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिक है, ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरक के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से जक्त कन्तरक लिखत में बास्तविक इप में कियत नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, उक्त सिक्ष-नियम, के स्थीन कर देने के सन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के शिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य धास्तिनों को जिन्हें भारतीय मान-कर विधिननम, 1922 (1922 का 11) या उथ्रत अधिनियम, या घन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना वाहिए वा, जिपाने में सुनिधा के लिए;

भतः, मद उक्त प्रश्नितियम की भारा 269ग के मनुसरण में, में; उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपचारा (1) के बधीन निक्निविति व्यक्तियों, वर्षात्:-- श्री हरेन्द्र चन्द्र बरुआ
पुत स्व० श्री राधा कान्त बरुआ,
ग्राम—धारापुर, पो० पलास बाड़ी काम रूप,
(न्नासाम)।

(ग्रन्तरक)

श्री ससी कुमार बरूश्रा।
 पुत्र स्व० श्री के० के० बरुग्रा,
 चेनी कुट्टी, गोहाटी-3।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीचरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धितियम, के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्च होगा जो उस भश्याय में दिया गया है ।

#### **मनुसूची**

जमीन का माप 1 बिघा 4 कट्टा 9 लच्छा, नेशनल हाई वें के नजदीक हेलीपेद, गोहाटी, जिला कामरूप में स्थित है।

> रा० ना० बरा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 11-9-79

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्कण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए०-234/गौ०/78-79/610 — प्रतः मुझे, रा० ना० बरा,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पए से म्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं वाग नं 432 श्रीर के पी पट्टा नं 51 है तथा जो प्राम नैवाम मंजजा वेलटर गोहाटी कामरूप (श्रासाम) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण

प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, घनत प्रधिनियम के घडीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या अन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 9-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्रोमती तनुबाला दास परनी स्व० भुवन चन्द्र दास
  - (2) श्रीकृष्ण राम दास पुत्र स्व० श्रीभुवन चन्द्र दास,
  - (3) श्री नारायण चन्द्र दास पुत्र स्व०श्री भुवन चन्द्रदास
  - (4) श्री स्रातुल चन्द्र दास पुत्र स्थ० श्रीभुवन चन्द्र दास ।
  - (5) श्रीलक्ष्मीरामदास पुत्र स्व०श्री भागीराम दास
  - (6) श्री जगत चन्द्र दास पुत्र स्व०श्री भागीराम दास ग्राम : धारापुर, पो० पलास बाड़ी, कामरूप, (श्रासाम)।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कृष्ण कान्त बरुग्रा पुत्र स्व० श्री के० के० बरुग्रा, चेनी कुट्टी, गोहाटी-3। (ग्रासाम)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राजिप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों ग्रीर पदों का, जो उनक ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं ग्रर्थे होगा जो उन्न ग्रध्याय में विया गया है।

## घनु सूची

जमीन का माप 2 बिधा 2 कट्टा भीर 90 लच्छा नेगनल हाई वे के नजदीक हेलीपेट गोहाटी. जिला कामरूप में स्थित है।

> रा० ना० बरा, सक्षम प्राधिकारी, स्रहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलांग ।

ता**रीखः** 11-9-79

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-, शिलांग

शिलांग, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं०/ए०-235/गौ०/78-79/606——श्रतः मुझे रा० ना० बरा

धायकर ग्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रीवितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रीवित सक्षम प्रीविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क्पर्ये से ग्रीविक है

श्रीर जिसकी संव दाग नंव 432 श्रीर के व्या व्या नंव 51 है तथा जो ग्राम मैं वाम मौजा बेलटला गोहाटी (श्रासाम) में स्थित है (श्रीर इससे उराबद्ध श्रनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख 19-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रीतफत के लिए अन्तरित को गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफत से, ऐमे दृश्यमान श्रीतफल का पृत्य, उसके दृश्यमान श्रीतफत से, ऐमे दृश्यमान श्रीतफल का पृत्य, असके दृश्यमान श्रीतफत से, ऐमे दृश्यमान श्रीतफल का पृत्य, असके दृश्यमान श्रीतफत से, ऐमे दृश्यमान श्रीतफल का प्रत्य से अधिक है भौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ओर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पारा गया श्रीतफल, भारातिश्वत उद्देश्य से उसत श्रन्तरण लिखन में ग्रास्तिक रूप से ग्रास्तित नहीं किया गया है \*\*\*\*\*

- (क) अन्तरण य हुई किसी प्राय की बाबत उक्त श्रीधिनियम के अधीन कर देने के भग्तरक के दाविस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- 'खा) ऐसो किमी ग्राय या किसी वन या भ्रम्य भासित्यों की जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिवित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्वित्यम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था था किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविश्वा क लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसंरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- 1. (1) श्रीमती तनुबाला दास पत्नी स्व०श्री भुवन चन्द्र दास
  - (2) श्री कृष्ण राय दास, पुत्र स्व० श्री भुवन चन्द्र दास
  - (3) श्रीनरायण चन्द्र दास पुत्र स्व० श्रीभुवन चन्द्र दास
  - (4) श्रीलक्ष्मी राम दास पुत्रश्रीस्व० भुवन चन्द्र दास
  - (5) श्री श्रतुल चन्द्रदाम पुत्रस्य० श्रीभागी राम दास
  - (6) श्रीजगत चन्द्र दास पुत्र स्व०श्री भागी राम दास ग्राम: धारा पुरा, पो० पलास बाड़ी, कामरूप (ग्रासाम)।

(ग्रन्तरक)

- (1) श्रीमती निरुपमा बरुश्रा विधवास्य०श्रीके०के०बरुग्रा।
  - (2) श्रीमती उमा बरुग्रा, पत्नी श्री मृगेन एन० बरुग्रा।
  - (3) श्रीमती प्रनुराधा बच्छा,पत्नी श्री संसी कान्त बच्छा,
  - (4) श्रीमती शान्तवना बरुम्रा, पत्नी श्री कृष्ण कान्त बरुग्रा, चेती कुट्टी, गोहाटी-3 (श्रासाम)।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राह्मेप--

- (क) इन सूवता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्ष्यक्की करणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्ष होगा जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

## बनुसूची

जमीन का माप 3 विद्या, नेशनल हाई वे का नजदीक गोहाटी हेलीपेद पर स्थित है, गोहाटी, कामरूप (श्रासाम)।

> रा० ना० बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु**क्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक: 11-9-1979

## प्ररूप भाई • टी • एत • एस • ---

# आयकर ग्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमक्षाबाद

**अह**मदाबाद , दिनांक 26 श्रप्रेल, 1979

नं पी० म्रार० 665/ए०सी०क्यू०-23-1356/19-7 78-79—-म्रत: मुझे एस० सी० परीख,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कोंध नं 450 वार्ड नं 0 11 है तथा जो नानायत, पांडोल- नी पोल, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भीषक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उथत प्रधिनियम के घषीन कर देने के प्रस्तरक के बायस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के सनुसरक में, में, उक्त सर्धिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) प्राण लाल चुनीलाल जरीवाला तथा निमली बेन प्राण लाल जरीवाला, 150, दादी शेंड ग्रग्यारी लेन, मानेक चन्द पानाचन्द बी चाल, काल्या देवी रोड, बम्बई -2

(श्रन्तरक)

- (2) 1. विजय बलुभाई लेनिनबाला
  - 2. राजेन बलुभाई लेनिन बाला
  - महेश कलुभाई लेनिनबाला लालगेट, खांड बाजार, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गड्दों धौर पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन व मकान जिसका कुल माप 94 वर्ग गज है तथा जो नोंध नं 0 450 वार्ड नं 0 11, नानावत, पांडेल-नी-पोल सुरत में स्थित हैं तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सुरत द्वारा जनवरी 1979 में दर्ज किया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद।

तारी**ख**: 26-4-1979।

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ ेु(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज I, अहमवाबाद

म्रहमदाबाध, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं०ए०सी०क्यू० 23-2-2055(834)/16-6/78-79---भ्रतः मुझे एस० सी० परीख,

धायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका चित बाबार मूख 25,000/- क्पए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1250-0 वर्ग गज जमीन पर बनी इमारत है। तथा जो गोंडल रोड, पूना भगत की धर्मशाला तथा पुरानी रेल लाइन की उत्तर साईड के बीच राजकोट में स्थित है (धौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन तारीख 8-1-879 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्म से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त व्यक्तियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किसी श्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या श्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था या, द्विपाने में सुविधा के लिए;

भतः शव, उन्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उन्त श्रिष्ठितयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के चित्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--- (1) वीरा व्यवस् (काठीयावाड़) प्राइवेट लिमिटेड, गोंडल रोड, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री भ्रमहर लाल गांती लाल छतीयारा
  - श्री श्ररवींद शांतीलाल छतीयारा,
     दोनों,गोडल रोड, आकट्राई नाका के पास
     राजकोट ।
     (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षोप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीला से 45 विन की घविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी ग्रविष्ठ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य क्यक्ति ढारा, मधोहस्ताअरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्वों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा, को उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ईमारत जो 1250-0 वर्ग गज क्षेत्रफल बाली जमीन पर खड़ी है जो गोंडल रोड, पुना भगत की धर्मशाला तथा पुरानी रेल लाईन के उत्तरीय साईड के बीच राजकोट में स्थित है तथा रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी राजकोट द्वारा दस्तावेज नं० 104/8-1-79 से रिजस्टर्ड किया गया है यानी प्रापर्टी की पूर्ण वर्णन इसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज–I, कलकत्ता

तारीखः 27-7-79

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्राधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, कार्यालय श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1979

सं० पी० श्रार० 693, श्रकेवी 23-1460/7-3/79-80--श्रतः मुझे एस० सी० पारिख श्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रीक है

श्रीर जिमको सं नोंघ नं 1099, बार्ड नं 5, है तथा जो सोमनाथ भड़ादेव शेरी, टरिपुरा, सुरत सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, सुरत सें रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरितीं (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त मधि-नियम, के भधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रेयोजनार्थ भ्रम्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों अर्थीत् —

- (1) श्रो नरेन्द्र कुमार निरंजनलाल पंड्या, हरापुरा मेइन रोड, सूरत (अन्तरक)
- (2) श्रो लालजी भाई मामाभाइ

  2. श्रो बेचरभाई मामाभाइ, लम्बे हनुमान रोड,
  सुरत (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन श्रीर मकान जो सोमनाथ महावेष शेरी हरिपुरा, सूरत सें है श्रीर जो नोंघ नं० 1099 बोर्ड नं० 5 सें है, जिसका क्षेत्रफल 106.18.85 वर्ग मीटर है, श्रीर जो रिजस्ट्री ग्रिधकारी सूरत के आफिस में तारीख 31-1-7ीं को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० पारिख सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारी**ख** : 27 जुलाई, 1979

प्रकप माईं ही एन एस----

घायकर घमिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II कार्यालय/ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1979

निदेश सं० पी० प्रार० 694, ग्रकोला-23-1461/7-4/79-80--प्रातः मुझे एस० सी० पारीख प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त्र प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सिटी मर्वे नं० 50, स० नं० 2293 कि श्रासकन है तथा जो स० नं० 646, सांद कुकां, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुक्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-1-1979 की

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रम्यह प्रतिशत से प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रान्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के संधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अभ्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिनियम, या धनकर घांधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

धत: धन, उक्त प्रांधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) प्रश्नीन निम्निविधित व्यक्तियों, धर्कात् :---12—266GI/79 (1) श्री मगनभाइ बनमालीभाइ पटेल, पुराना **बन** डागर, मोहल्ला, नवसारी

(अन्तरक)

- (2) सीराष्ट्र कडवा पाटीवार समाज ट्रब्ट:---
  - गोविन्दभाइ रावजीभाई प्रेसीडेन्ट, कृष्ण निवास, गीरोराज सिनेमा, नवसारी।
  - रमनीकलोल विरजीभाई, कृष्ण निवास, गिरी-राज सिनेमा, नवसारी।
  - 3. मोहनभाइ कल्यानभाई पटेल, पटेल मोमायटी जलोर पोर, नवनारी।
  - 4. मगनभाइ माधवजीभाई 2, जनकलयान सोसा-ं यटी, नवसारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीका संपत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी मालेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की सर्वाध या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा ;
  - (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडहोकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

जमीन जिसका क्षेफक्रल 1383-45 स्केयर गज है, श्रीर जो सर्वे० नं० 646, शहरे के बाहर टी० नं० 50, स० नं० 2293 सांदकुवा, एरीया नवसारी में है, भौर जो रजिस्टर ग्रधिकारी के कार्यालय सें, नवसारी सें तारीख 29-1-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28 जुलाई, 1979

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन० एस०---

बायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

> श्चर्जन रेंज-], कार्यालय श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 श्चगस्त, 1979

श्रीर जिसकी सं० लेख नं० 290, 1958-59 वन, 402 वर्गगज क्षेत्रफल है तथा जो एम० वी० पी० रोड तथा मेमनवाड रोड का जंकणन, पोरबंदर सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितं की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिभत धिक है और भन्तरक (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ब्रिशियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/यां
- (ख) ऐभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) यः उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अव: ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की खारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीतः—

- (1) श्रीमती मेमनबाई सुमेराबाई सालेरमोहम्मद, पोर-बन्दर के। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मेमण यूसुफ श्रोममान हामदानी, लिबर्टी टार्काज रोड, पोरबन्दर। (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी आप से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तावरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्ब होगा जो उस मध्याय में दिया मया है।

#### अनुस्ची

मकान जो 402 वर्ग गज क्षेत्रफल जमीन पर स्थित हैं जिसका 1958-59 का लेख नं० 290 है जो एस० वी० पो० रोड तथा मेमनाबाद रोड के जंकणन, पोरबन्दर में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 173/18-1-79 से रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी पोरबन्दर द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाव

तारीख: 31-7-1979

## प्रसप भाई • टी • एन • एस • ----

# आयकर भिर्मियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1 म्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 1 श्रगस्त, 1979

श्रौर जिसकी सं० मर्वे नं० 137/बी तथा सर्वे नं० 130, कालुपुर-1 का है तथा जो गांधीरोड, पाडापोल, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकार्रा के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1979 को

श्रधीन जनवरी, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
पतिफल के लिए धम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पग्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर मन्तरक (धन्तरकों)
धौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण
लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उकत मधिनियम के मधीन कर देने के मन्टरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्री हरीप्रसाद बुलार्खादास, नानालाल प्राणलाल की विधवा बाई लाडी के ऐक्जीक्यूटर, 2, न्यू बहाक्षेतीय सोसायटी, एलीसब्रिज, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक) (2) मैंसर्स लिति एन्ड कं०, पार्टनर्स : (1) श्री लिति कुमार णांतीलाल

> (2) र्था कुलदीप श्रत्तरसींघ, कापडीया निवास, बी० एस० हास्पिटल के सामने, एलीसिका, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

(3) देनेन्ट्स के नाम

(1) कालीदास भ्राप्टीकल इन्डस्ट्रीज,

(2) रार्ष्ट्राय इलेक्ट्रिक के०,

(3) विनोद इलेक्ट्रिक क०,(4) श्ररविन्द कुमार रतीलाल शार,

(5) शंशीकान्त शीवलाल देसाई,

(6) पंकज इलेक्ट्रिक कं०,

( 7 ) चंपकलाल रत<sub>ि</sub>लाल गांधी,

(8) कुलदीपासांय भ्रत्तरसीघ

(9) बलजीत कौर कुलदीप सिंग,

(10) करम सिंघ, प्रेम सिंघ,

(11) श्रशोक द्रेडर्स,

(12) विनय इन्डस्ट्रोज,

(13) प्रदीपकुमार शांतीलाल मेहता,

(14) संघल नगानदास चत्रभुज,

(15) हरीम मिवप्रसाद मुक्ल

(16) इन्द्रवदन शिवप्रसाद शुक्ला।

(बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग सें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से.
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनु सुधी

127.28 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का जमीन पर खड़ा - मकान जिसका सर्वे नं० 130 तथा 137/बी० है जो पाडा-पोल, गांधीरोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ।

दिनांक : 1 भ्रगस्त 1979

## प्रकप शाई । टी । एन । एस । -----

बायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 18 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 710, एक्यू०-23/1488/7-4/79-80----यतः मुझे, एस० सी० पारीख ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु•से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एवन्यू नं० 256, पैकी जमीन टीका नं० 68, सिटी सर्वे नं० 4185, सुमन को० श्राप० हा० सो० नवसारी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नवसारी, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 22-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफण के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिशत प्रविक्त के बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से अन्त अन्तरण कि जित में वास्तिक कप से जिल्ला नहीं किया गया है।——

- (क) सन्तरभ से हुई किसी साय की वावत, उक्त अधि-नियम के संघीन कर देने के सन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के किए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भतः भव उक्त ग्रांधनियमं की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रांधनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रांधीन, निम्नलिखित म्यांक्तिमों, प्रयातः

- (1) 1. राजन मनुभाई देसाई,
  - 2. सुशीलाबेन बापूभाई,
  - तिताबेन मनुभाई देसाई,
     नूतन को० श्राप० हा० सो०, दुधिया तालाब,
     नवसारी।
     (अन्तरक)
- (2) सर्वश्री 1. हरीलाल पुरुषोत्तमदास कपाडिया,
  - 2. महेगचन्द्र हरिलाल कपाडिया,
  - 3. नटवरलाल हरीलाल कपाडिया,
  - 4. प्रफुल्लचन्द्रा हरिलाल कपाडिया,
  - नं० 2-3, टाटा हाऊसिंग सेन्टर, लालुभाई पार्क रोड, अंधेरी वैस्ट, वस्बई-58।

(अन्तरिती)

को यह सूचना तारी करके पूर्वोक्त सम्यति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 विन की भविष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 48 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितब के किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, यो उन्त प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा को उस सक्याय में वियागया है।

## मनुसूची

जमीन जिसका रेवन्यू सर्वे नं० 256 है और जिसका नं० 68, सिटी सर्वे नं० 4185 है जिसका क्षेत्रफल 415.208 स्केवयर मीटर्स है और जो नूतन को० भ्राप० हा० सो० लि० दुश्रंग्रा तलाब, नवसारी में स्थित है जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी नवसारी के दफ्तर से दिनांक 22-1-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

**तारीख: 18-8-7**9

प्रकप धाई• टी• एन• एस•⊶--

जायकर प्रथि। नेयम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 प (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

## कार्यां वय, सङ्घयक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, कार्यालय श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 20 श्रमस्त 1979

निदेण सं० पी० श्रार०-713/अकेला-23-1347/7-4/89-80--- यतः मुझे एस० सी० पारीख आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- व• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 का दक्षिण भाग, सी० एस० नं० 393/2, 309 श्रीर 408-ए०, मकान के साथ बिलीभारामे से स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गनदेवा सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1961 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-1-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरग निश्वित में बास्तविक
कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त प्रक्षितियम, के प्रधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के थिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या अन्त प्रश्चित्यम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री डीं० नाथाभाई भीमभाई नायक, जबाहर मार्ग, बिलीमोरा (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शिरीन ए० उकानी, फिडर रोड, बिली-मोरा। • (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की भवधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर
  सूचना की तामीत से 30 दिन की भवधि
  को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोंक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति
  हारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वकारिकर्गः ---इसमें प्रयुक्त जन्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिनाधित हैं, नहीं घषं होगा जो उस अन्याय में विया गया है।

## यन्यूषी

जमीन श्रौर मकान, जो बिलीमोरा में है श्रौर जिसका प्लाट नं० 11 श्रौर सर्वे नं० 393/8394 (दक्षिण का आधा हिस्सा) है। और जो इसी कार्यालय में तारीख 16-1-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारीख सक्षम मधिकारी सहायक द्यायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

विनांक : 20 मगस्त 1979

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार 🍷

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II कार्यालय श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 श्रगस्त, 1979

सं० पीं० भ्रार०-714/अेकवी/-II-23-1316/19-7/ 79 80--भतः मुझे एस० सी० पारिख

भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खके अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

मीर जिसकी सं० नोंघ नं० 833, 855-ए घीर 855-बी है, जो विलाल गली, नवापुरा, वार्ड नं० 3, सूरत सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची सें घीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1961 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 17-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति को उनित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के घंधीन कर देने के घंग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या प्रस्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय माय-कर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्व भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः शव, उनतः श्रिष्ठितियम की धारा 269-च के बनुसरच में, में, उनत पश्चितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बाबीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मोहम्मद भ्रली शमशुद्दीन, नवापुरा, विलाल गली, सुरता। (अन्तरक)
- (2) सर्वश्री 1 श्रवदेश्रली भाई साहिश, याडयाभाइ साहेश वजाज, 2. मोहम्मद श्रव्दुल कैयुमभाई साहेश वजाज, 833 855-ए, बिलाल गली, नवापुरा सुरत। (अन्तरिती)

को यह नूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :-- -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  नूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, वो भी
  धवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ भिसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के शब्याय 20-क में परिचावित है, वही शर्व होगा जो उस शब्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

जमीन श्रौर मकान, जिसका क्षेत्रफल 204-25 चौरस गज है श्रौर जो नोंबनं० 833, 855-ए, श्रौर 855-बी विजाल गजो, नवापुरा सुरत सें है, संपत्ति रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारो, सुरत के कार्यालय सें तारीख 17-1-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीखा: 23-8-1979

## प्रकप माई • टी • एन • एस •-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के धधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II कार्यालय, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पी० श्रार० 715/एकला- /79-80---यतः मुझे, एस० सी० पारीख,

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नींच नं० 452, स्टीर गोरी, वाडी फलीया है, जो वार्ड नं० 9, सुरत सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची सें श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुरत सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम. 1961 (1908 का 16) श्रधीन 15-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्रत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (२) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त अधि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए;

अतः धन, उनत अधिमियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, पर्वातः—

- (1) सर्वश्री
  - (1) जयश्रीक्षेन सुरेशचन्द्र हिरजलाल
  - (2) मायानीर ग्रनिलकुमार सुरेशचन्द्र
  - (3) ईश्वरी सुरेशचन्द्र
  - (4) यनबीनी सुरेशचन्द्र
  - (5) निलम्बन सुरेशचन्द्र
  - (6) प्रभाकर सुरजलाल
  - (1) मीना प्रवीतकुमार प्रभाकर
  - (8) ननदीना प्रभाकर
  - (9) उसाबेन प्रभाकर

सब मलाबार रिश्त, रीमन रोड, बम्बई (श्रन्तरक)

- (2) सर्वश्री
  - (1) डेडालाल नटवरलाल
  - (2) रतीलाल नटबर लाल
  - (3) सुन्दरलाल नटवरलाल स्टोर शेरी, वाडी फलीया, सुरत।

को यह सूचना जारो करके पूर्वीत्रत सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी धम्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताकरी के पास लिखिन में \_\_\_\_\_ किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के मध्याय 20क में परिभावित है, वही भवें होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# प्रमृत्यो

जमीन भ्रौर मकान जो स्टोर शेरी, वार्ड नं० 7 वाडी फलीया,, सुरत में है, जिसका नोंघ नं० 452 है श्रौर जो माप में 264.56 चौरस गज है। यह सम्पत्ति रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारो सुरत के कार्यालय सें तारीख 15-1-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

तारीखा: 23-8-1979

# प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

# मायकर प्रक्रिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# नायानय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० पीं० झार०-716-एवरीं०/II-23/1283/4-3/79-80—न्यतः, मुझे, एस० सी० पारिख, आयकर प्रक्रिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्टियम' कहा गया है), की झारा 269-वा के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, असका उच्चित बाजार मूक्य 25,000/- व० से अधिक है

भीर जिसकी सं० ग्राम पंचायत नं० 138, भलाव गोदाम 1/3 हिस्सा है, जो भलाव भरुच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, भरूच में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-2-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिन्द्र बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारच है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्व, उत्तके वृध्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का प्रमुख है कीर प्रकार की प्राप्त का प्रमुख का प्रमुख प्रतिशत से प्रविक्त है बीर प्रमुख (प्रमुख में प्रमुख प्रदेश प्रमुख प्रतिशत से प्रविक्त है बीर प्रमुख (प्रमुख प्रतिशत से प्रविक्त है बीर प्रमुख प्रतिशत से प्रविक्त है बीर प्रमुख के किए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निचित प्रदेश्य से उक्त प्रमुख जिल्ल में वास्त्रिक क्ष में किया गया है।—

- (क) ध्रम्परण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ध्रन्तरक के दीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; भौर/या
- (ख) ऐनी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य आहितयों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्या या या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः धनः उत्तर प्रधिनियम श्री घारा 269म के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269म की स्पषारा (1) के स्थीनः निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थोतः—

- (1) श्रो सुलेमान अजमल अमीजी नक्षीपुर, तालुक भरुष। (अन्तरक)
- (2) श्री धादम सुलेमान जीवा, दयादरा, तालुक भरच। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा सें 45 दिन के भीतर अक्त स्वावर नंपति में दितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भवोद्दस्ताक्षरी के पास निचित्र में किए जा सकेंगे।

श्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त प्रव्यों भीर पर्वों का, बो उनस .सिधनियम के बद्याय 20-क में परिश्रावित हैं, वहीं सर्व होगा, जो उस सद्याय में दिया गया है।

## भनुसची

गोदाम जो भलाव में है, उसका ग्राम पंचायत नं० 138 (1/3 हिस्सा) है ग्रीर जो क्षेत्रफल में 76'×30' जमीन एरीय में हैं । जो रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी भरूच के कार्यालय में तारीख 16-2-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम मधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, ब्रह्मदाबाद

तारीख: 23-8-79

प्ररूप भाई० टी० एत॰ एस •---

आयकर प्रचितियम, 1961 (1961 का 43) की छारा

269 म (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, नहाय ६ जानकर धायुक्त (तिसीक्षण)

श्रजन रेंज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पी० श्रार० 717, एक्वी-II/23-1283 4-3/79-80----प्रतः, मुझे, एस० सी० परंख, भागकर श्रधिनियम, 1951 (1951 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा जया है), की धारा 269-ख के श्रशीन सक्षम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर संगति, जिसका अधिव गाजार कृत्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ग्राम पंचायत नं० 138 (1/3 हिस्सा) है, जो भलाव भरूच में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, भरूच में भारतीय रिजस्ट्री-कर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, भरूच में भारतीय रिजस्ट्रिकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन 16-2-79 को पूर्वका मंति के प्रचित्त वातार मृत्य से हुद विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त मंपित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायान श्रिक्त मंपित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायान श्रिक्त में, एम द्रायमान श्रिक्त के पत्त हु प्रतिशत से अधि हु है और प्रकारक (अन्तरकां) और अन्तरिका (अन्तरिका) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तथ पाया एवा श्रिक्तका, जिन्निकित उद्देश्य अन्तर उन्तरण तिकित में यास्त्रिक सार्थ के किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत जनत धिक्षियम, के मधीन कर देने के मस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अपने में भुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी प्रत या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिष्ठिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए या, खिपाने में मुविधा के निए;

यतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रमुसरण में, में, उपन पश्चितियम की धारा 269 च की उपचारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रसीतः --

- (1) श्री सुलेमान म्रब्दुल भ्रमीजी नबीपुर, तालुक भरुच। (अन्तरक)
- (2) श्री गुलाम सुलेमान जीवा, देयादर, तालुक भरुच। (अन्तरिती)

को । ह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्मिति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोतस्नाक्षरी के पास जिक्कित में किए जा नकेंगे।

स्पादीकरण:--इसमें प्रयुक्त गव्दों भीर पदी का, जी उन्त प्रक्षितियम के प्रध्याय 20का भें परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जी उस अध्याय में दिया गंगा है।

## अनुसूची

गोदाम जो भलाव गांव में है। जिसका ग्राम पंचायत नं  $0.138 \ (1/3$ हिस्मा) है श्रौर जो क्षेत्रफत में  $76' \times 30'$  है। जो संपत्ति रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भरुच के कार्यालय  $_{Y}$  तारीख 16-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-8-1979

मोहर:

13-266 GI/79

प्रइप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर प्रक्रितियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भागृस्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज- $\Pi$ , भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पी० ग्रार०-718 एक्वी०, II-23-1314/19-8/79-80—यतः मुझे, एस० सी० पारिख, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख गर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- श्रपए से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० नोंध नं० 255, गोलम बजवाली मस्जिय के सामने है जो भागातलाव, पानीने भिट रोड, वार्ड नं० 10 सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 26-2-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) घग्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त भाष-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी िकसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

प्रतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत् :—

- (1) 1. सर्वश्री भ्रब्दुल कादर काजी इक्राही म 2. श्रब्दुल श्रजीज काजी इक्राहीम, चौक बाजार, सुरत। (श्रन्तरक)
- (2) 1. सर्वश्रो मोहम्मद इस्माइल ग्रब्दुल कादर कपाडिया।
  - 2. अब्दुल रहीम अब्दुल कादर क्याडिया
  - 3. मोहम्मद इज्राहीम प्रब्दुल कादर कपाडिया, 10/2551, सिधी रोड, भागातलाब, सुरत । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचन। के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा जो उस भ्रव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन और मकान जिसका क्षेत्रफल 165 चौरस गज है, श्रौर जो नोंध नं० 255, भागातलाब से संबंधित है, श्रौर जो बोर्ड नं० 10 सूरत में उपस्थित है, जो रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में तारीख 26-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारिख संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-8-1979

मोहरः

## प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# बायकर बधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 30 भ्रगस्त 1979

सं० सी ए 5/एस० न्नार० बाम्बे/जन०-79/456:—-यतः, मुझे, श्री ए० सी० चंद्रा,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कहा गया है), की छारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/— रु० से प्रधिक है,

भीर जिसकी सं० फायनल प्लाट क्र॰ 143 सब प्लाट 9 भीर 10 है तथा जो 38 ससून रोड़, पूना में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशन से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितीों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कप किन्ति वहाँ कि अप से अधिक कप से कार्यत नहीं कि बा गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उक्त श्रीक्ष-नियम के भ्रश्नीन कर देने के भ्रम्तरक के दाविश्व में कभी करने या उसते अचने में सुविश्वा के निए; भीर/बा
- (ख) ऐसी किसी भाग वा किसी धन ना पत्न भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनामं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत्ता सब, उस्त प्रश्नितियम की धारा 269-न के सन्तरण में, में, उस्त प्रश्नित्यम की धारा 269-व की उपसारा (1) के सबीत, निक्तिनिवित व्यक्तियों, अर्थीत:— (1) बाम्बे सोसायटी म्राफ फ्रान्सियन 66, डा० जोपाल-राव डी० मार्ग, मुम्बई-26।

(प्रन्तरक)

(2) सोसायटी श्राफ सिस्टर्स ग्राफ सेंट जान जैल रोड, वर्धा, 44200।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील मे 30 दिन की ध्रविध, जो जी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रमुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिधिन ज्म के प्रक्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा जो उस ग्राध्याय में दिशा गया है।

#### अमुसूची

ग्रोपन प्लाट ग्रौर जमीन:—फायनल प्लाट ऋ०143, सब प्लाट्स ऋ० 9, 10, 38 ससून रोड, पूना-1

क्षेत्रफल--2144 वर्ग मीटर्स ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख ऋ० जन० 79 को सब रिज-स्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

> ए० सी० चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, पूना

तारीख: 30 श्रगस्त 1979

#### संघ लोक सेवा श्रायोग

#### नोटिस

न्नागुलिपिक परीक्षा, 1980 नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्तूबर 1979

सं० 11/6/79-प० र (ख)-भारत के राजपत्न, दिनांक 6 अन्तूबर 1979 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिए गए पैरा 2 में उल्लिखित अस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, करक, दिन्तो, दिरार (गीडार्ड), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गीवा) पिट्याना, पटना, पोर्ट ब्लेग्रर, शिलांग, गिमला, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 16 मार्च, 1980 से एक प्रतियोगता परीक्षा ली जाएगी:—

श्रायोग यदि चाहे तो, परीक्षा उपर्युक्त केन्द्रों तथा उनके श्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपायंध, पैरा 11)

- 2. इस परीक्षा के परिणान के आधार पर जित पेताओं ओर पदों पर भनों को जानी है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और को कि कि कि कि अनुमानित संख्या निम्निलिखत हैं :---
  - (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) 10 (जिसमें अनुसूचित (आणुलिपिक उप-संवर्ग जाति तथा अनुसूचित जन का ग्रेड-II) जाति के लिए एक एक-एक ग्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित है।
  - (ii) केन्द्रीय सचिवालय प्राशु-लिपिक सेवा—प्रेड-ग (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)

50\*\*

- (iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय स्राशुलिपिक सेवा—ग्रड-ग
- (iv) भारत सरकार के कुछ
  अन्य विभागों/संगठतों
  तथा संबद्ध कार्यालयों
  में आणुलि (पकों के पद
  जो भारतीय विदेश सेवा
  (ख) रेल बोर्ड सचि-वालय प्राणुलि (प के सेवा
  केरोय सविवालय प्राणु-

मुख्यालय श्राणुलिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं है।.. यां सरकार द्वारा सूचि

लिपिक/सशस्त्र

\*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई।

\*\*अत्सूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदशरों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई है, तो सरकार द्वारा निर्धाप्ति की जाएगी।

सेना

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से प्रधिक निवाक्रों/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए ग्रावेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से ग्रधिक भेवाग्रों/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही ग्रावेदन-पत्र भेजने की ग्रावश्यकता है । नीचे पैरा-7 में उल्लिखित शुहक भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक भेवा/पद के लिए श्रलग-ग्रलग नहीं, जिसके लिए वह ग्रावेदन कर रहा है।

नोट:—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल ग्रंग्रेजी ग्राणुलिपिक की ही ग्रावण्यकता होगी; श्रौर इस परोक्षा के परिणामों के ग्राधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्भीदवारों में में की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा ग्रंग्रेजी के ग्राणुलिपिक परीक्षण के ग्राधार पर ग्रायोग द्वारा ग्रनुणंसित किया जाता है (ब्रष्टच्य: नियमावली के परिशिष्ट I का पैरा 4)

4. उम्मीदबार को श्रपने आवेदन पत्न में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन मेवाश्रो/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे सलाह दी जाती हैं कि वह अपनो इच्छानुंसार एक मे अधिक वरीयताश्रों का उल्लेख करे ताकि योग्यताक्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताश्रों पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेनाभ्रों/पदों के वरीयता क्रम में परिवर्तन से सम्बद्ध किमी भ्रनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा भ्रनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भ्रन्दर संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्न पर मचिन, संघ लोक मेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्न तथा परीक्षा में मंबंध पूर्ण विवरण दो एपए भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघलोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस,

नई दिल्ली-110011, को मनीयार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए । मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे । ये आवेदन प्रपत्न आयोग के काऊंटर पर नकद भुगतान द्वारा भो प्रान्त किए जा सकते हैं। दो रुपए की यह राणि किसी भी हाजत में वापस नहीं की जाएगी।

तोट:-- उम्मीदबारों को चेजावना दो जाती है कि वे अपने आनेदन-पत्न आशुलिपिक पराक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मुद्भित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें। आगुलिपिक परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित प्रपन्नों से इतर प्रपन्नों पर भरे हुए आनेदन-पत्नों पर निर्चार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आविदन पन्न आवश्यक प्रलेखों के साथ निवंत, मंघ लोक नेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली110011 के पान 3 दिसम्बर 1979 को या उससे पहले (3 दिसम्बर 1979 से पहले का तारोख ने विदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोबार द्वोपमभूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले 
उम्मीदवारों के मामले में 17 दिसम्बर 1979 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसो भी आविदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या श्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीर में रहने वाले उम्मादकार में, श्रायोग यदि चाहे तो, इन बात का निखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि 3 दिसम्बर, 1979 में पहले की किसी तारीख से विदेशों में या प्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए ग्राविदन-पत्न के माथ भाषोग को छ० 12.00 (भ्रनु-सूचित जातियों में प्रोर प्रमुखन जत जातियों के मामले में छ० 3.00) का गुन्ह भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग का नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रेबांकित चारतीय गोस्टन श्रावंद या सखिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्लो में स्टेट बंक श्राफ इंडिया की मुख्य शाखा पर रेय स्टेट बंक श्राफ इंडिया की माखा से जारी किए गए रेखांकित बंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीववारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च ग्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करता होगा ताकि वह "051 लोक सेवा ग्रायोग परीक्षा शुरूक" के लेखाणोर्य में जमा हो जाए ग्रीर ग्रावेदन पत्र के साथ उमकी रसीव लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन त्रावेदन-पत्नों में यह त्रप्रेक्षा पूरी होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू न ग़ैं होता जो नीचे के पैरा 8 के श्रन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. श्रामंग आदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित मुल्क ने छूट दे मकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि स्रावेदक या तो 1 जनवरी 1964 स्प्रीर 25 मार्च, 1971 के बोब की श्रविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देग) ने भारत श्राया हुशा वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वर्गी में वास्तविक रूप में प्रत्यावीतित मूलतः भारतीय व्यक्ति है स्प्रीर 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है या वह श्रोलंका में वास्तविक रूप में प्रत्यावीतित मूलतः भारतीय व्यक्ति है स्पार वह श्रोलंका में वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है स्प्रीर निर्धारित शुल्क दे सकने भी स्थित में नहीं है।

9. जित्र उम्मोदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आसोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया ग्रातो जो उसे ६० 3.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जा जातियों के मामले में ६० 1.00) की राणि वापस कर दी जाएगी।

उभ्युंक्त या नोचे पैरा 10 में उनबंधित व्यवस्था को छाड़ हर श्रुट्य किसो दावे की स्थिति में श्रायोग को भुगतान किए गए शुक्त को वामी के किसी भी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न हो शुक्त को किसी श्रुट्य परीक्षा या जयन के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

10. यदि काई उम्मीदवार 1979 में ली गई आशुलिपिक परी-क्षा में बैठा हो और श्रव इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा फल या नियुक्ति प्रस्तात का प्रतोक्षा किए बिना ही अपना श्रावेदन-पन्न श्रवश्य मेज रेता नाहिए लाकि बहु निर्धारित तारीख तक श्रायोग के कार्याचय में पहुंच जाए । यदि वह 1979 के परीक्षाफल के श्राधार पर नियुक्ति हेतु श्रनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके श्रन्रोध पर 1980 को परीक्षा के लिए उसकी उम्मीद-वारो रद्द कर दो जाएगी भौर उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा विया जाएगा जिस प्रकार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्त कि उम्मीदवारी रद्द कराने श्रीर शुल्क को बापस करने का अनु-रोध आयोग के कार्यालय में 16 फरवरी, 1980 को या इससे पुर्व प्रान्त हो जाए।

11. भ्रावेदन पत्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वागसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के श्रनुरोध पर किसी भो परिस्थित में विचार नहीं किया जाएगा।

> म्रार० एस० ब्रहलुवालिया, उप सचिव, संघ लोक सेवा म्रायोग

## <u>उपायनध</u> उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे धावेदनप्रपन्न भरने से पहले नोटिस धौर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान्न हैं भी या नहीं। निर्धारित शतों में छूट नहीं दी जा सकती है।

ग्रावेदन-पन्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, ग्रंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिधर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तथा नियमावली के परिशिष्ट के पैरा 4 के ग्रनुसार प्रण्न-पत्न (ii) निबंध तथा प्रश्न-पत्न (iii) सामान्य ज्ञान का उत्तर हिन्दी में लिखने तथा ग्रागु-लिपिक परीक्षण हिन्दी में ही देने का विकल्प देता है तो उससे ग्रागुलिपि परीक्षणों के लिए ग्रपने ही खर्च पर विवेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण ग्रायोजित करने के लिए ग्रायथक प्रबन्ध उपलब्ध हों।

2. उम्मीदवार को ग्रावेदन-प्रपत्न तथा पात्रती कार्ड ग्रपने हाथ से ही भरने चाहिए। ग्रधूरा या गलत भरा हुग्रा ग्रावेदन-पत्न ग्रस्वीकार किया जा सकता है।

नोट: उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिणिष्ट 1 के पैरा 4 के अनुसार अपने आवेदन-पत्न के कालम 9 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिये, जिसमें वे निबंध तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्नों का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा श्राणुलिपि परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प श्रंतिम माना जायेगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जायेगा कि उक्त प्रश्न-पत्न का उत्तर तथा श्राणुलिपि का परीक्षण श्रंग्रेजी में दिया जायेगा।

सभी उम्मीववारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी श्रौद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पन्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीववार ने अपना आवेदन-पन्न अपने नियोक्ता के ब्रारा मेजा हो धौर वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में भ्राकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या भ्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहें हों, उन्हें यह परिवचन (भ्रंडरटेर्किंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से भ्रपने कार्यालय/विभाग के भ्रष्ट्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

- उम्मीदवार को अपने भावेदन-पक्ष के साथ निम्नलिखित प्रलेख श्रवस्य भेजने चाहिए:—
  - (i) निर्धारित शुरुक के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईर या बैंक ड्राफ्ट श्रथवा शुरुक में छूट का दाबा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पन्न की प्रमाणित/ग्रभिप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस के पैरा 7 और 8 और नीचे पैरा 6)।
  - (ii) स्रायु के प्रमाण-पक्ष की स्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की म्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट श्राकार (लगभग 5 सें॰ मी॰  $\times$  7 सें॰ मी॰) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
  - (v) जहां लागू हो वहां श्रनुसूचित जाति/श्रनसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पल्ल के श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
  - (vi) जहां लागू हो वहां प्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की ग्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति लिपि [देखिए नीचे पैरा 5 (ख)]।
  - (vii) विधिवत भरा हुम्रा उपस्थिति पत्नक (म्रावेदन) पत्न के साथ संलग्न।
  - (viii) बिना टिक्स्ट लगे हुए तीन लिफाफे (लगभग 11.5 से॰ मी॰ $\times$ 27.5 से॰ मी॰) के जिन पर भ्रपना पता लिखा हो।

नोट: --- उम्मीववारों को ग्रपने ग्रावेवन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (i) (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्नित श्रिष्ठकारी द्वारा ग्रिभप्रमाणित हों ग्रथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीववार लिखित परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर श्राशुलिपिक परीक्षण के लिए श्रहर्ता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाव उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी

होगी। परिणामों के 1980 के जुलाई मास में घोषित किए जाने की सम्भावना है। उम्मीदिवारों को इन प्रमाण-पत्नों की उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदिवार उस समय प्रपेक्षित प्रमाण-पत्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदिवारी रह कर दी जाएगी श्रौर ये उम्मीदिवार पुनः विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

भद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) भ्रौर (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 भ्रौर 6 में दिए गए हैं:---

# (i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल ग्रार्डर:—

प्रत्येक पोस्टल ग्रार्डर श्रनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर:—"सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकधर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी भ्रन्थ डांक घर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल भार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल म्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर ग्रौर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को श्रवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल श्राङर न तो रेखांकित किए गए हों श्रोर न ही सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, को नई विल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:— बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए थ्रौर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को स्टेट बैंक भ्राफ इंडिया, की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी ध्रन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) श्रायु का प्रमाण-पक्ष:—श्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैंद्रिकुलेशन के प्रमाण-पन्न या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पन्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैंद्रिकुलेशन के समक्ष माने गए प्रमाण-पन्न या किसी विश्वविद्यालय के यहां से मद्रिकुलेटों के रजिस्टर से दर्ज की गई हो श्रौर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समस्तित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्न या समकक्ष प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

धनुदेशों के इस भाग में घ्राए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न के घन्तगत उपर्युक्त वकल्पिक प्रमाण-पन्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैंद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या ग्रायु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वष ग्रौर महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीववारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की ग्रिभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के ग्रातिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिप्तल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक ग्रिभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां में वह मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा से उत्तीर्ण हुग्रा है। इस प्रमाण-पत्न से उस संस्था के दाखिला रिजस्टर से दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक ग्रायु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्न के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्न अस्थीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्न से लिखी जन्म की तारीखा मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्न उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्न रह किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदबार के पास पढ़ाई पूरी करने के

बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाणपन्न हो, उसे केवल ग्रायु से संबद्ध प्रविष्टि

वाले पृष्ठ की ग्रिभि प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

मोट 2: - उम्मीववारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके हारा किसी परीक्षा प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने ग्रीर प्रायोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा से उससे कोई परिवर्तन करने की श्रनुमित सामान्यत: नहीं दी जाएगी।

नोट 3:— जो उम्मीववार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ii) इंडियन स्कल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल, (iii) श्री श्रर्रविंद श्रन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेन्डरी कोर्स या (iv) विल्ली पालीटेकनिक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे संबद्ध स्कूल के प्रिंमिपल से पैरा 3 (iii) के नीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपन्न पर लिया गया ग्रायु का प्रमाण-पन्न ग्रवण्य भेजना चाहिए ग्रीर इसके ग्रतिरिक्त ग्रायु के प्रमाण के रूप से कोई ग्रन्थ प्रमाण-पन्न ग्रपेक्षिन नहीं होगा।

नोट 4:—जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में हों, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख श्रीर शैक्षिक योग्यताश्रों के प्रमाण के रूप से स्वीकार किया जा सकता है।

- (iii) गैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र :— उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताग्रों में मे कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (प्रयीत् विश्वविद्यालय या किसी श्रन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण श्रवश्य बताना चाहिए श्रौर श्रपेक्षित योग्यता से संबद्ध श्रपने दावे के समर्थन में किसी श्रन्य प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। श्रायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के श्राधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।
  - नोट 1:—जो उम्मीदिबार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उत्तीण होने पर वह श्रायोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप मे योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की यूचना नहीं मिली है श्रौर वह ऐसी श्रर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह श्रायोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पाल नहीं होगा।
  - नोट 2:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके
    माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हो,
    उसे उस प्रमाण-पत्न की ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित
    प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एल०
    सीं० परीक्षा-परिणाम की प्रविष्टियों वाले
    पुष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।
  - नोट 3:—जो उम्मीदवार (1) किसी मान्यताप्राप्त
    उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन
    स्कूल मर्टिफिकेट एग्जामिनेणन विद्यार्थियों
    को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त
    स्कूल (iii) श्री श्रुरविन्द श्रन्तर्राष्ट्रीय
    शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी का हायर मैंकेण्डरी

कोर्स या (iv) दिल्ली पालिटेक्नीक के तक-नीकी माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उतीर्ण हो उसे संबद्ध स्कूल के प्रिसीपल/ हैड मास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता प्रमाण-पन्न श्रवश्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म दृष्टस्य पैरा 3(ii) का नोट 3 ग्रौर उपर्युक्त नोट (3)।

प्रमाणित किया जाता है

- (2) इस विद्यालय के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख———है, इस तारीख की स्थानान्तरण प्रमाण-पत्न/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी श्रोर से प्रस्तुत किए गए विवरण से पुष्टि कर ली गई है।

तारीखः ------हैडमास्टर/प्रिसीपल\* के हस्ताक्षर स्थान : (विद्यालय का नाम)

\*जो शब्द लागू न हो, उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को श्रपने हाल ही के पासपोर्ट श्राकार (लगभग 5 स० मी०×7 स० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवण्य भेजनी चाहिएं। इनमें से एक प्रति श्रावेदन-प्रपत्न के पहले पृष्ठ पर श्रीर श्रन्य प्रति उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि
यित श्रावेदन-पत्न के साथ ऊपर पैरा 3 (ii),
3 (iii), श्रौर 3(iv) में उल्लिखित प्रमाणपत्न ग्रादि में से कोई एक संलग्न न होगा
श्रौर उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण
भी न दिया गया होगा तो श्रावेदन-पत्न श्रस्वीकार किया जा सकता है श्रौर इस श्रस्वीकृति
के विरुद्ध कोई श्रपील नहीं सुनी जाएगी।
यदि कोई प्रलेख ग्रावेदन-पत्न के साथ न भेजे
गए हों तो उन्ह श्रावेदन-पत्न भेजने के बाव
गीन्न ही भेज देना चाहिए और वे हर
हालत में श्रावेदन-पत्न स्वीकार करने की श्रांतम

तारीख से एक महीने के भीतर श्रायोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिएं। यदि ऐसा न किया गया तो श्रावेदन पत्न रह किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदनार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने वावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में पद नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म के प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता बोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदनार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से श्राम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के भ्रधीन पदों पर नियुक्ति के लिए भावेदन करने वाले श्रनुसूचित जाति भौर भ्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कमारी\*-

राज्य/संघ* राज्य क्षत्र
के/की* निवासी है <del></del>
की हैं जिसे निम्नलिखित के श्रधीन श्रनुसूचित /जनजाति* रूप में मान्यता दी गई हैं:—
संविधान (भ्रनुसूचित जातिया) म्रादेश, 1950*
संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) ग्रादेश, 1950*
संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
म्रादेश, 1951*
संविधान (श्रनुसुचित जन जातियां) (संध राज्य क्षेत्र)

[भ्रनुसूचित जातियां भौर भ्रनुसूचित जन जातियां सूची (भ्राभोधन) श्रादेण, 1956, बम्बई , पुनर्गठन श्रधिनियम, 1960, पजाब पुनर्गठन श्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), श्रिधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित।

भौर भ्रनमूचित जातियां तथा भ्रनुमूचित जन जातियां भ्रादेश (संशोधन) श्रधिनियम, 1976]

संविधान (जम्मू श्रौर काश्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेशः 1956\*

14--266 GI/79

**भा**देश, 1951\*

संविधान (श्रंडमान ग्रौर निकोबार द्वीप समह) श्रनुसूचित
जन जातियां भादेश, 1959,* भनुसूचित जातियां तथा भ्रन-
सूचित जन जातियां भ्रादेश (संशोधन) भ्रधिनियम, 1976
द्वारा यथा संगोधित
संविधान (दादरा ग्रीर नागर हवेली) ग्रनसूचित जातियां,
मादेश, 1962*
संविधान (दादरा भ्रौर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जन जातियाँ
भादेश, 1962*
संविधान (पांडिवेरी) ग्रनसूचित जातियां ग्रादेश, 1964*
संविधान (भ्रनसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) भ्रादेश,
1967*
संविधान (गोवा, दमन भौर दियू) श्रनुसूचित जातियां भादेश,
1968*
संविधान (गोवा, दमन ग्रौर दियू) ग्रनुसूचित जन जातियां
मादेश, 1968*
संविधान (नागालण्ड) मनसूचित जन जातियां मादेश,
1970*
2. श्री/श्रीमती/कुमारी*
भ्रौर/या* उनका परिवार श्रामतौर से गांव/कस्बा*———
जिला/मंडल*
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र————————————————————————————————————
हस्ताक्षर————
**पदनाम
(कार्यालय की मोहर सहित)
(कायालय का माहर साह्त)
स्थान
तारीख
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागून हों, उन्हें कृपया काट दें।

नोट :--- यहां श्राम तौर पर रहते/रहती\* हैं" शब्दों का श्रर्थ वही होगा जो रिप्नेजेंटेशन श्राफ वि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

\*\*ग्रनुसूचित जाति/जन जाति—प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम ग्रधिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/श्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/
कलैक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी किमधनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी
मैजिस्ट्रेट/डिप्टी मैजिस्ट्रेट/पसब डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/
एक्स्ट्रा ग्रसिस्टेंट किम्धनर ।
†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट के ओहदे
से कम नहीं)।

- (ii) चीफ प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रैसीडेंसी मैजिस्ट्रेट प्रैमिडेंसी मैजिस्ट्रेट ।
- (iii) रैवेन्यु प्रफसर जिसका श्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिबीजनल श्रफ्सर जहां उम्मीद-वार श्रौर/या उसका परिवार श्राम तौर से रहता हो ।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट श्रफसर, लक्षद्वीप ।
- 5(क) नियम 6(ख) के श्रंतर्गत श्रायु में छूट का दावा करने वाले श्रामुलिपिकों (जिसमें भाषा श्रामुलिपिक भी मामिल है)/क्लर्की/स्टेनोटाईपिस्टों को श्रपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपत्न पर एक प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत करना चाहिए ।
- \*(i) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमित/कुमारी\*—

  के कार्यालय, जो भारत सरकार/संघ राज्य क्षेत्र\*——का विमाग/कार्यालय है, मैं नियमित रूप से नियुक्त आगुलिपिक के पद पर कार्य कर रहे हैं ग्रीर पहली जनवरी, 1980 को ग्रामुलिपिक/बलर्क/स्टेनोटाइपिस्ट/रे० डा० से सार्टर की हैसियत से उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी ग्रीर वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे पहले संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा श्रायोजित परीक्षा के परिणामों के श्राधार पर के० स० श्रा० से०/रे० बो० स० श्रा० से०/श्राई० बी० एम० बी० श्राशृलिपिक उप संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय श्राशृलिपिक सेवा\* में नियुक्त नहीं हुए हैं।

*(ii) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमति/कुमारी*—
कं कार्यालय
जो भारत सरकार/संघ राज्य क्षेत्र*क
विभाग/कार्यालय है, में नियमित रूप से क्लर्क/स्टोनोटाईपिस्ट
रेल डांक गेता के सार्टर/म्राशुलिपिक के पद पर लगातार कार्य
कर रहे हैं श्रीर पहली जनवरी, 1980 को क्लर्क/स्टोनोटाई-
पिस्ट/ रेलवे डाक सेवा के सार्टर/श्राणुलिपिक की हैसियत से
उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/ से कम नहीं
होगी । श्रौर वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे :

\*जो लागू न हो उसे काट दे

संख्या-----

दिनांक--

ख. (i)नियम 6(ग) (ii) या 6 (ग) (iii) के ग्रन्तर्गत निर्धारित ग्रायु सीमा में छूट का श्रौर/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के ग्रधीन गुल्क में छूट दावा करने वाले भूत-पूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बांगला देश) से विस्थापित व्यक्ति

मंत्रालय/कार्यालय---

कार्यालय की मुहर----

को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पन्न की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बांगला देश) से श्राया हुश्रा वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है ग्रौर 1 जनवरी, 1964 ग्रौर 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रवधि के दौरात प्रवजन कर भारत श्राया है:—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों श्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट ।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां यह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) ग्रपने-ग्रपने जिलों में शरणार्थी पुतर्शास के प्रभारी श्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ।
- (4) स्वयं प्रभारित सब डिवीजन का सब डिवीजनल श्रफसर ।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास, म्रायुक्त पश्चिम बंगाल/ निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।
- (ii) नियम 6 (ग) (iv) श्रथवा 6(ग) (v) के श्रन्तगंत निर्धारित श्रायु में छूट का श्रौर/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के श्रधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च श्रायुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आध्यय के प्रमाण-पक्ष की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो श्रक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के श्रधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत श्राया है या भारत श्राने वाला है।
- (iii) नियम 6(ग) (vi) के श्रन्तर्गत श्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टजानिया से श्राए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे श्रौर इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से वहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पन्न की एक श्रिभे प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपयुक्त देशों से आया है।
- (iv) नियम 6(ग) (vii) अथवा 6 (ग) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 8 के अधीन शुल्क में छट चाहने वाले वर्मा से प्रत्या-वर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पन्न को एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से निए गए प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ

वास्तविक प्रत्यावर्तित स्यक्ति है और 1 जून, 1963, को य उसके बाद भारत भाया है।

(<sup>v</sup>) नियम 6(ग) (ix) प्रथया 6 (ग)(x) के ग्रन्त-गंत श्रायुसीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुग्ना है, महानिदेशक पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस भागय का एक प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक प्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्नु देश के साथ संघर्ष में ग्रथवा ग्रगौतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुग्ना श्रौर परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुग्ना।

# उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने याले प्रणाम-पन्न का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट———	<u>-</u>	
के रैंक नंo		
श्रीरक्षा	सेवाद्यों	में
कार्य करते हुए विदेशी शह्न देश के साथ संघर्ष	में भ्रशांतिग्र	<del>स्त</del> *
क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग	हए भीर	उस
विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।	9 -	
<b>4 4</b> ,		

हस्ताक्षर	
पदनाम —	<del></del>
दिनांक	<del></del>

\*जो शब्द लागू न हो, उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 6(ग) (x) 6 (ग) (xii) के श्रन्तर्गत श्रायु-सीमा में छट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुश्रा है महानिदेशक, सीमा रक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पदा की एक ग्राभ-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संधर्ष के दौरान विकलांग हुग्रा श्रौर परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुग्रा।

# उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाला

## प्रमाण-पत्न काफार्म

	प्रमापि	गत किय	ा जाता	है कि यृ	निट-					
रेंक	नं०-				s	श्री-				
			—सीमा	सुरक्षा	दल	में	कार्य	करते	हुए	सन्
19	71 के '	भारत-पा	क शत्रुता	संघर्ष ह	के दौर	पन	विकल	ांग हुए	ग्रौर	उस
विक	लोगता	के परि	णामस्वरूष	। निर्मुक	त हुए	1		_		
				•	•					

हस्ताक्षर ————
पदनाम
तारीख

(vii) नियम 6(ग)(xiii) के ग्रन्तर्गत श्रायु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्थावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उस जिला मैंजिस्ट्रेंट से लिए गए प्रमाण-पत्न की ग्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से ग्राया हुग्रा वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है ग्रौर वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं ग्राया है ।

- 6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ख) (i), (ii) ग्रौर (iv) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 8 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला श्रधिकारी या सरकार के राजपितत अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थित में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्न लेकर उसकी श्रभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी ।
- 7. जिस उम्मीदवार के मामले में पाक्षा प्रमाण-पन्न आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पान्नता प्रमाण-पन्न जारी कर दिया गया हो।
- 8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्न भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें श्रथवा किसी महत्व-पूर्ण सूचना को न छिपाएं ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविध्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फरबदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए/झूठे प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करें । यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए ।

- 9. ग्रावेदन-पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि क्रावेदन-प्रपत्न ही ग्रमुक तारीख को भेजा गया था । भावेदन-प्रपत्न को भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान हो गया है।
- 10. यदि परीक्षा से संबद्ध ग्रावेदन-पत्नों की प्राप्ति की श्राखिरी तारीख से एक महीना के भीतर उम्मीदवार को ग्रपने श्रावेदन-पक्ष की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए श्रायोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए ।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके प्रावेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशीझ दे दी जाएगी । किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा । यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीना

पहले तक उम्मीदवार को प्रपने धावेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा धायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे ध्रायोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए । यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह ध्रपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों श्रौर प्रश्न-पत्नों से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिकी प्रकाणन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, विल्ली-110006 के द्वारा होती है श्रौर उन्हें वहां से मेल श्रार्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी' ब्लाक, बाबा खड़कसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 श्रौर (i) प्रकाणन णाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 श्रौर (i) गवर्नमेंट श्राफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकामन एजेंटों से ही प्राप्त की जा सकती हैं।

- 13. परीक्षा में सिम्मिलित होने के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग क्षारा कोई यात्रा भक्ता नहीं दिया जाएगा।
- 14. भावेदन-पत्न से संबद्ध पत्न-व्यवहार : भ्रावेदन-पत्न से संबद्ध सभी पत्न-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग,

धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाए तथा उस नीचे लिखा ब्यौरा ग्रनिवायं रूप से दिया जाए ।

- (1) परीक्षाका नाम
- (2) परीक्षाका महीना ग्रौर वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर भ्रथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े ग्रक्षरों में)
- (5) भ्रावेदन-पत्न में दिया गया डाक का पता

ध्यान हैं :---जिन पत्नों में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

15. पते में परिवर्तन : उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके श्रावेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न ग्रादि, श्रावग्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर ग्रायोग की उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 14 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीझ दी आनी चाहिए ग्रायोग ऐसे परिवतनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयक्त करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi-110011, the 5th September 1979

No. A.32016/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on an ud-hoc basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 3rd September 1979 to 30th November 1979, or until further orders, whichever is earlier, vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

#### The 7th September 1979

No. A35017/1/79-Admn.II.—On the expiry of his term or deputation to the post of Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission the services of Shri H. R. Singh, Accounts Officer of the office of A.G.C.R. and presently working as Accounts Officer in this office, are replaced at the disposal of A.G.C.R.

Shri H. R. Singh has been granted Earned Leave for a period of 52 days with effect from 10th September 1979 to 31st October 1979. On the expiry of his leave, Shri H. R. Singh will report direct to the A.G.C.R.

#### The 10th September 1979

No. A.12026/1/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an *ad hoc* basis as Reception Officer in the office of the Union Public Service Commission for the period from 3rd September 1979 to 30th November 1979, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.35017/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. P. Juin, a Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to the ex cadre post of Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission on an ad hoc basis for a period of three months with effect from 10th September 1979, or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. P. Jain will be on deputation to the ex cadre post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.10(24)/E.III/60, dated 4th May 1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

### New Delhi-110011, the 22nd August 1979

No. A. 32014/1/79-Admn. I.—The President is pleased to appoin the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C)/Personal Assistants (Grade C of the CSSS) of the cudre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistants (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad hoc capacity with effect from the dates mentioned below.

Sl. Name No.										Regular post held	Post to which ad hoc appointment made	Period for whih ad hoc appointment made	
(1)		(2)				- <b>-</b>				(3)	(4)	(5)	
S/Shri													
1. S. P. Mehra				•			•	•		Officiating Selection Grade for Grade C	Senior PA (Grade B of the	3-9-1979 to 31-10-79 or until further	
2. O. P. Deora	•	•	-	•	•	٠	•	٠	•	Stenographers and Permanent P. As. (Grade C of the CSSS).	CSSS).	orders whichever is earlier.	
3. Hukam Chand							•		٠	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior PA (Grade B of the CSSS)	60 days with effect from 19-8-1979 to	
4. H. C. Katoch										Stenographers and Permanent P. As.	or the case,	17-10-1979 or until further orders	
5. T. R. Sharma	•	•	- '		-			•		(Grade C of the CSSS).		whichever is carlier-	
6. K. S. Bhutani	•	-	•		٠	-	•			Permanent P. A. (Grade C of the CSSS).	Senior P.A. (Grade B of CSSS).	60 days with effect from 19-8-1979 to 17-10-1979 or until further orders which- ever is earlier.	

<sup>2.</sup> The above mentioned persons should note that their appointment as Senior P.A. (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. The ad hoc appointments of S/Shri S. P. Mehra and O. P. Deora to Grade B of the CSSS for the period mentioned against their names is subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

### The 31st August 1979

No. P/55-Admn.I.—The President is pleased to permit Km. S. T. Keswani, a permanent Section Officer and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, after attaining the age of superannuation with effect from 31st August 1979 (AN).

No. P/1691/Admn.I.—The President is pleased to permit Shri A. Gupta a permanent Grade I Officer of CSS and

officiating as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, after attaining the age of superannuation with effect from 31st August 1979 (AN).

Shri A. Gupta has, however, been re-employed in the post of Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of six months with effect from 1st September 1979 beyond superannuation; with the concurrence of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms, vide their letter No. 39017/17/79-Estt(B), dated 30th July 1979.

No. A. 32013/1/79-Admn. 1.—The President is pleased to appoint the following officers in the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

Sl Name No.										Peri	od
1. Shri B. B. Mchra	,		,	•				•	(Premanent Officer of Grade A of CSSS)	21-7-1979 to	20-10-1979
2. Shri P. C. Mathur		•	•	•	•	•	•	•	(Permaneut Officer of Section Officers' Grade of CSS)	21-7-1979 to	20-10-1979
3. Shri R. N. Khurana	•	•	•		•	•	•	•	(Permanent Officer of the Section Officers' Grade of CSS).	17-7-1979 to	18-8-1979

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

Union Public Service Commission

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 12th September 1979

No. 18 RCT-1, and No. 99 PRS 011.—The Central lance Commissioner hereby appoints Shri Ramesh Chandra, an Officer of Indian Railway Service of Engineers as Chiet Technical Examiner in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th September 1979, until further orders.

RAMESH CHANDRA

Secv.

for Central Vigilance Commissioner

#### New Delhi-110001, the 10th September 1979

No. 98-RCT-18.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. L. Garg, a permanent Personal Assistant of this Commission, as Senior Personal Assistant in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th September 1979.

> K. L. MALHOTRA Under Secy.

for Central Vigilance Commissioner

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th September 1979

No. 1-9/79-CFSL/6483.—The President is pleased to accept the resignation of Shri S. S. Kainth from the post of Senior Scientific Officer (Ballistics), Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi w.e.f. 31st August 1979 (Afternoon).

### The 13th September 1979

No. A-19036/4/78-Ad.V.—The services of Shri Shamalendu Roy, an officer of West Bengal Police working as Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation EOW, Calcutta are placed at the disposal of the Government of West Bengal, on his repatriation with effect from the afternoon of 1st August 1979.

Q. L. GROVER

Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

### DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE New Delhi-110001, the 14th September 1979

No. O.II-1038/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 17th

August 1979 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

#### The 15th September 1979

No. O.II-559/69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis Shri J. S. Ahlawat as Assistant Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. Shri J. S. Ahlawat handed over charge of the post of Dy. S. P. 11 Bn CRPF on the afternoon of 12th July 1979 and took over charge of the post of Assistant Commandant 45 Bn CRPF on the afternoon of 22nd July 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 10th August 1979

No. E-16016/4/78-Pers.—On transfer from Government of India Press, Koratty, Kerala, Dr. P. B. V. Rao, General Duty Officer Gdc. II of Central Health Service, assumed the charge of the post of Asstt. Surgeon Gde. II at CISF Trg. College, Hyderabad, w.e.f. the forenoon of 6th August

No. E-32015(1)/5/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri Prem Singh Nihal Singh Panchal as Asstt. Inspector-General (Fire) in the Central Industrial Security Force, in a temporary capacity with effect from the alternoon of 20th August 1979 until further orders.

> S. NATH Inspector-General /CISF

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 11th September 1979

No. 11/34/79-Ad.I-18224.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Chandnani, Office Superintendent, in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur as Assistant Director of Census Operations in the same office on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of 10th August 1979, or till the post is filled in on regular basis, whichever is carlier.

### 2. His headquarters will be at Jaipur.

3. The above ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Chandnani any claim to regular appointment in the grade. The services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above ad-hoc appointment may be reversed at the discretion of the appointing authority at any time without assigning any reason

### The 12th September 1979

No. 10/23/78-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri O. Bhaktan, Senior Investigator, in the Office of the Deputy Director for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, Lucknow, as Research Officer (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi as a direct recruit, on regular basis, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th August 1979 until further orders.

### 2. His headquarters will be at New Delhi.

### The 14th September 1979

No. 10/31/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Rajagopalan, Section Officer in the office of the Registrar General, India, as Deputy Director in the same office, with effect from forenoon of 14th September 1979, by transfer on deputation. on ad-hoc basis, for a period of one year or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

The Headquarters of Shri Rajagopalan will continue to be at New Delhi.

### The 15th September 1979

No. 10/29/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Chakravorty, Assistant Registrar General (Census and Tabulation) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Registrar General (Census and Tabulation) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the afternoon of 11th September 1979, or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.

#### 2. His headquarters will be at New Delhi.

### The 19th September 1979

No. 10/28/78-Ad.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Senior Geographer in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow as Research Officer (Map), in the office of the Registran General, India, New Delhi, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 30th August 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 11/29/78-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. N. Srivastava, Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the forenoon of 30th August 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 11/58-79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Agha Syed Asghar, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Jammu and Kashmir, Srinagar, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Assam, Gauhati on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 30th August 1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier.

### 2. His headquarters will be at Gauhati.

3. The above ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Asghar any claim to regular appointment to the grade. The services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor,

P. PADMANABHA Registrar General, India

### MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

### SECURITY PAPER MILL

### Hoshangabad-461005, the 1st September 1979

No. PD-3/6496.—Consequent upon the reversion of Shri A. K. Ghosh as Assistant Works Manager with effect from 31st August 1979 F.N. Shri S. K. Anand, Assistant Works Manager is reverted to the post of Foreman (Production) with effect from the same day.

S. R. PATHAK General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT . CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 18th September 1979

No. Admn.I/O.O.304/5-6/79-80/1163.—The Director of Audit, hereby appoints Shri H. C. Khatri, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Audit Officer with effect from the forenoon of 31st August 1979 until further orders.

Sd, ILLEGIBLE Joint Director (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS AND MISC.

New Delhi, the 15th September 1979

No. Admn.I/8(14)II/2501.—The Comptroller and Auditor General of India has been pleased to sanction the permanent absorption of Shri S. Padmanabhan, Audit Officer in the Computer Maintenance Corporation Ltd., from January I, 1979. He is deemed to have retired from Government service with effect from the date of his permanent absorption in the Corporation as per Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

### The 18th September 1979

No. Admn.I/9(1)KW/2674.—The Comptroller and Auditor General of India has, with the concurrence of the Minitry of Finance, sanctioned the permanent absorption of Shri G. S. Mittal, A. O. in the Hindustan Paper Corporation Ltd. with effect from April 2, 1979. He is deemed to have retired from Government Service with effect from the date of his absorption in the Corporation as per Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

M. S. SARNA Director of Audit

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA Trivandrum, the 11th September 1979

No. Estt.A.VII/9-86/Vol. II/141.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned permanent section officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each until further orders.

- 1. Sri R. Hariharadevaraja Iyer 1-9-1979 AN.
- 2. Shri M. T. George, 1-9-1979 AN.
- Sri T. N. Sankarenarayana Iyer (proforma) 1-9-1979 AN.

D. S. IYER

Sr. Deputy Accountant General/Admn.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th September 1979

No. Admn.I/8.132/79-80/94.—Sri P. Venkata Ramana Rao, Accounts Officer, of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 30th April 1979 AN.

No. Admn.I/8.132/79-80/94.—Sri Syed Iltafath Hussain, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 30th June 1979 AN.

No. Admn.I/8.132/79-80/94.—Sri G. V. Satyanarayana Sastry, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 30th June 1979 AN.

No. Admn.I/8.132/79-80/94.—Sri B. R. Kulkarni, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31st August 1979 AN.

Sd. ILLEGIBLE

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

### MINISTRY OF INDUSTRY

# (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 30th August 1979

No. A-19018(65)/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Lalit Krishna, Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Scrvice Institute, Srimagar as Deputy Director (Mechanical) in the same Institute with effect from the forenoon of 1st August 1979, until further orders.

No. A-19018(383)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Makkar as Assistant Director (Gr. I), (Mechanical) in the Branch Small Industrics Service Institute, Jammu with effect from the forenoon of 26th July 1979, until further orders.

No. A-19018(405)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. T. Thomas, as Assistant Director (Gr. I) (Mcchanical) in the Small Industries Service Institute, Ahmedabad, with effect from the forenoon of 3rd August 1979, until further orders.

M. R. GUPTA Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 13th September 1979

No. A-19011(153)/76-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Meerul Hasan, Assistant Controller of Mines, to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 3rd August 1979.

### The 14th September 1979

No. A-19012(21)/77-Estt.A.—Shri M. N. Charl, Pmt. Mineral Officer (Statistics) is promoted to officiate as Asstt. Mineral Economic (Stat.) in forenoon of 2nd August 1979, until further orders.

S. BALAGOPAL Head of Office Indian Bureau of Mines

### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 14th September 1979

No. F.11-9/79-A.1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Miss Gulistan Kapadia, Quasi-Permanent Assistant Archivist (Grade I) (General) to officiate as Archivist (General) (Class II Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from 10th September 1979 (F.N.) and until further orders.

This ad-hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to the next higher grade.

B. S. KALRA Administrative Officer National Archives of India

for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 13th September, 1979

No. 1/13/78-SII—The following juniors Accounts Officers, Ministry of Information and Broadcasting are appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the pay scale of Rs. 840-1200 with effect from the dates at the offices shown against their names:—

S. No.	Name		_		<u>'</u>			Date of appointment	Office where posted
Jr. Acc	N. Inamdar, ounts Officer, Division, y.	ě	•			•	٠	11-6-1979 (AN)	Regional Engineer (W), All India Radio, Bombay.
Jr. Acc	P. Lakshminarayanan, ounts Officer, ry of I & B, elhi.	•	•	•	•	•	•	31-5-1979 (FN)	Regional Engineer (N), All India Radio, New Delhi.
Јг. Асс	R. Khattar, counts Officer, ry of I & B, cchi.	•	•	•		•	-	20-6-1979 (FN)	Central Stores, All India Radio, New Delhi.
Jr. Acc	V. Balasundaram, counts Officer, lia Radio, s.							31-5-1979 (FN)	Regional Engineer (S) All India Radio, Madras.

New Delhi, the 17th September 1979

No. 6(9)/62-SI.—Shri S. Dutta Biswas, Programme Executive, All India Radio, Calcutta retired from Service with effect from the afternoon of 31st July 1979 on attaining the age of superannuation.

N. K. BHARDWAJ Dy. Director of Administration for Director General

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 12th September 1979

No. F.70-2/79-Estt./16593.—The following Senior Zoological Assistants, Zoological Survey of India, Headquarters Office, Calcutta, are hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' Gazetted) in the Scale of Rs. 650—1200 in the same Department at the Headquarters Office in Calcutta in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 31st August 1979 (forenoon), until further orders.

- 1. Shri A. R. Lahiri.
- 2. Dr. N. C. Nandy.

DR. T. N. ANANTHAKRISHNAN
Director,
Zoological Survey of India

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th September 1979

No. A.38013/3/77(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri T. S. Gill, Assistant Architect in the Directorate General of Health Services retired from Government service on the afternoon of the 30th June 1979.

### The 12th September 1979

No. A.12026/1/76(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Ramji Prasad to the post of Technical Officer (Medical Stores Organisation), Directorate General of Health Scrvices, New Delhi with effect from the forenoon of 17th August 1979 in a temporary capacity until further orders.

### The 15th September 1979

No. A.12026/9/79(HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint S/Shri R. C. Kumar and M. S. Sehgal, Assistant Architects in the Directorate General of Health Services to the post of Deputy Architect in the same Directorate with effect from the forenoon of 4th August 1979 on an ad hoc basis until further orders.

2. Consequent on their appointment to the post of Deputy Architect S/Shri R. C. Kumar and M. S. Seghal relinquished charge of the post of Assistant Architect, Directorate General of Health Services, New Delhi, on the forenoon of 4th August 1979.

S. L. KUTHIALA Dy. Director Administration

### KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA (KRISHI VIBHAG)

### VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 11th September 1979

No. 2-11/77-Estt.(1).—The ad hoc appointment of Shri P. B. Dutta in the post of Assistant Exhibition Officer (Visuals) is further continued beyond 28-2-1979 and upto 29th February 1980.

No. F. 2-11/77-Estt.(I).—The ad hoc appointment of Shri K. B. Nayar in the post on Assistant Exhibition Officer 15—260GI/79

(Grade I) is further extended beyond 28th February 1979 and upto 29th February 1980.

B. N. CHADHA Director Administration

### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 11th September 1979

No. A.19023/57/78-A.II.—On the recommendations of the D.P.C., Shri M. Chakraborty, who is working as Marketing Officer (Group I) at Faridabad on ad-hoc basis, has been promoted to officiate as Marketing Officer (Group I) at Faridabad on a regular basis w.e.f. 24th August 1979, until further orders.

No. A.19023/10/79-A.III.—On his reversion from the post of Chief Chemist to the post of Marketing Officer (Group III) in this Directorate, Shri Chandra Mohan relinquished charge of the post of Chief Chemist at Ghaziabad in the afternoon of 16th August 1979 and took over charge of the post of Marketing Officer (Group III) at New Delhi in the forenoon of 17th August 1979.

### The 12th September 1979

No. A.19023/79/78-A.III.—On his attaining the age of superannuation, Shri Laxmi Narain, Marketing Officer of this Directorate, retired from Government service in the afternoon of 31st July 1979.

### The 15th September 1979

No. A. 19025/13/79-A.III.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri N. Venkataraman, Senior Inspector has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Kuppam with effect from 27-8-1979 (FN), until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION)

Bombay-5, the 17th September 1979

No. PPED/3(282)/76-Adm.13738.—Director, Power Proiects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri S. Nagaraj, Section Officer (Accounts) in the Office of the Controller of Defence Accounts, Factories, Calcutta on deputation basis in this Division as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of August 21, 1979 until further orders.

B. V. TH \TTE, Administrative Officer

### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 11th September 1979

No. DPS/23/2/77/Est/21163.—The Director, Directorate of purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Laxman Harish Chandra Bagwe temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from 15-5-79 (FN) to 15-6-79 (AN) vice Shri I. P. Menon, granted leave.

No. DPS/23/2/77/Est/21250.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Balkrishna Dharma More temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from 30-4-79 (FN) to 16-6-79 (AN) vice Shri N. John Johns granted leave.

### C. V. GOPALAKRISHNAN

Assistant Personnel Officer

### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 23rd August 1979

No. AMD-1/12/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of August 18, 1979 upto September 17, 1979 (AN), vice Shri T. S. Narayanan, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO,

Sr. Administrative & Accounts Officer

### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 11th September 1979

No. 05045/79/5434.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, hereby appoints Smt. Kannampilli Padmanabha Menon Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer Heavy Water Projects (Central Office), in a substantive capacity, in the same post, with effect from January 1, 1979.

### The 12th September 1979

No. 05052/78/5456.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ashok Kumar, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

### The 13th September 1979

No. 05000/S-357/5476.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri V. B. Swamy, a permanent Auditor and officiating Section Officer in the office of the Accountant General (Orissa), Bhubaneswar, to officiate as Assistant Accounts Officer, in Heavy Water Project (Talcher), in a temporary capacity, with effect from July 16, 1979 (AN) until further orders.

### K. SANKARANARAYANAN,

Senior Administrative Officer

#### REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 31st August 1979

No. A.32023/1/77/R.—Shri S. R. Sambasivan who was promoted to officiate on an *ad hoc* basis from July 16, 1979, vide this Centre's Notification No. A. 32023/1/77/R-11271 dated july 17, 1979 has relinkuished charge of the said post with effect from the afternoon of August 30, 1979.

T. S. V. AIYAR.

Administrative Officer

for Project Director

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVII. AVIATION

New Delhi, the 10th September 1979

No. A.12025/8/76-EI.—The President is pleased to appoint S/Shri B. K. Gandhi, Senior Technical Assistant (Aeronautics) and J. S. Chauhan, Senior Technical Assistant (Aircraft Evaluation), to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department on an ad-hoc basis for a further period beyond 24-7-79 and upto 18-10-79, or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A. 12025/8/76-EI, dated the 8th February 1979.

No. A 32013/7/79-EI.—The President is pleased to appoint Shri Kuldip Rai, Senior Technical Assistant (Aeronautics), to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department, on an ad-hoc basis for a further period beyond 24th July 1979 and upto 18-10-79, or till regular appointment to the grade is made, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A 32013/7/79-EI, dated the 30th May 1979.

C. K. VATSA,
Assistant Director of Administration

### New Delhi, the 13th September 1979

No. A-38013/1/79-EA.—Shri J. L. Victor, Aerodrome Officer in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay retired from Government service on the 31st August, 1979 AN, on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI,
Asstt. Director of Administration

### New Delhi, the 12th September, 1979

No. A. 32013/9/78-EC.—In continuation of this Deptt. Notifications No. A. 32013/9/78-EC dated 3-3-1979, A. 32013/9/78-EC, dated 22-3-1979, and A. 32013/9/78-EC dated 16-6-1979, the President is pleased to sanction to the continued ad-hoc appointment of the undermentioned assistant Tech nical Officers to the grade of Technical Officer beyond the date mentioned against each and upto 31-12-1979:—

S. No	Name o.		- · <del>-</del>			Station of posting	Period	of	continued appointmen	
1.	Shri C. L. Malik			-	•	ACS, Bombay.	Beyond 1	-8-1979	and upto	31-12-1979
2.	Shri H. A. Shetty					ACS, Bangalore.	Beyond 2	0-11-197	79 and upto	31-12-1979
3.	Shri K. N. S. Mani .		-			ACS, Madras.	Beyond 1-	7-1979	and upto	31-12-1979
4.	Shrì A. Shanmugham .					ACS, Madras.	Beyond 1-	7-1979	and upto	31-12-1979
5.	Shri K. R. Ramanujam					ACS, Bombay.	Beyond 1-	8-1979	and upto	31-12-1979
6.	Shri O P. Chahin		-	•		ACS, Palam.	Beyond 1	1-7-1979	and upto	31-12-1979
7.	£} ri √. £. Mitra				•	Radio Constr. and Dev Units, New Delhi.	. Beyond l	1-7-1979	and upto	31-12-1979

#### The 15th September, 1979

No. A. 32013/8/79-EC—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till regular appointment to the grade are made whichever is earlier with effect from the date and station indicated against each:—

S. Name No.						Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1. Shrl D. S. Gill	-	•				Central Radio Stores Depot, New Delhi.	Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	3-8-1979 (FN)
2. Shri S. P. Sahani	•				•	Director Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.	Director, Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.	2-8-1979 (FN)
3. Shri V. Subramaniam	,					ACS, Madras.	ACS, Bombay.	10-8-1979 (AN)

S.N. MOTWANI Officer on Special Duty (E),

### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

### Bombay, the 11th September 1979

No. 1/226/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. M. Kumbhar, officiating Technical Assistant, Poona Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 7th May, 1979 and until further orders.

No. 1/421/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Kannan, Technical Assistant, Madras Branch, as Assistant Engineer in an officiating capacity, on a regular basis in the same Branch with effect from the forenoon of the 11th July, 1979 and until further orders.

### The 12th September 1979

No. 1/36/79-Est.—Shri M. S. Krishnaswamy, Permanent Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay, retired from service with effect from the afternoon of the 30th June, 1979, on attaining the age of superannuation.

No. 1/83/79-Est.—The Director General, Ovearseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Verma, Permanent Traffic Accountant, Headquarters Office, Bombay, as Traffic Accounts Officer, in an officiating capacity on *ad-hoc* basis, beyond 17-6-1979 and upto 16-7-1979, in continuation of his earlier officiation for the period from 16-4-79 to 17-6-79 against a short-term vacancy.

No. 1/481/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shr; M. Balakrishnan, Sepervisor, Madras, Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same Branch, for the following periods:

From	To
(1) 23-10-1978	29-1-1979
(2) 28-2-1979	7-4-1979
(3) 16-4-1979	10-5-1979

H. L. MALHOTRA, Dy. director (Admn.) for Director General

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

### Patna, the 13th September, 1979

No. II (7)2-ET/79/11990—In pursuance of this office Establishment Order No. 309/78 dated 10/11/78 and 310/78 dated 10/11/78, following Inspectors of Central Excise/Customs promoted to officiate as Superintendent, Group 'B', Central Excise/Customs in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules have assumed charge as Superintendent, Group 'B', Central Excise/Customs at the places and with effect from the dates and hours as indicated below against each:—

Sl.		me	İ		•					Place of posting Da	te of assumption of charge.
1	2									3	4
	S/Shri				İ						
1	. C. M. Zerai .				•	•	•		٠	Superintendent, Central Excise (Prev.), Jamshedpur.	28-11-78 (FN )
2	. Tarini Prasad .			•						Superintendent, Customs, Simrahi, (Saharsa),	29-12-78 (F.N.)
3.	Mahesh Chandra Prasa	ad	<u>:</u>		•	•				Superintendent, Central Excise (SRP-I), Patna.	8-2- <b>7</b> 9 (F.N.)
4.	Tarkeshwar Nath Singl	1		•				•		Superintendent, Central Excise, Patna Division.	17-11-78 (F.
5	. Rewati Raman Sinha,	No. I						-		Superintendent, Customs, Muzaffarpur.	16-12-78 (F.N.)
6	. Lakhan Lal .	,								Superintendent, Central Excise, Karanpura (S.R.P.)	30-1-79 (F.N
7.	. Krishna Kumar Sinha									Superintendent, Gold (Prev.), Patna.	15-11-78 (F.N.)
	. Balram Prasad .		•			1		•		. Superintendent, Customs (Prev.), Raxaul.	5-12-78 (F.
9.	Ahmad Bashir .					•	•	•		Superintendent, Customs Garhara Transhipment yard.	12-3-79 (F.N.
10.	Kalyan Kumar Roy									Superintendent, Central Excise, Jamadoba (S.R.P.	
11.	Bindhayachal Singh									Superintendent, Customs, Muzaffarpur.	20-11-78(FN.).
12.	Rajeshwari Prasad		-		•		٠			Superintendent, Central Excise (Prev.), Dhanbad.	16-11-78 (F.N.)
13.	Mustaq Alam .	•		•	•	•				Superintendent, Central Excise, Mahuda (S.R.P.)	19-1-79 (F.N.)
14.	S. Banerjee	•								Superintendent, Hazaribagh (S.R.P.)	12-12-78 (F.N.)
15.	Ram Chhabila Pd. Sing	h	•	•		•	•	•	•	Superintendent, Central Excise, Barkakana (S.R.P.),	29-1-79 (F.N.)
16.	Hari Pd. Dubey									Superintendent, Customs (Prev.), Forbesganj.	28-11-78 (F.N.)
17.	Hazari Singh .	•	•	•	•	•	•			Superintendent, Central Excise, Purnea Range.	16-3-79 (F.N.)
18.	Janardan Pd. Singh		•		•	•	•	•		Superintendent, Central Excise, Sijua (S.R.P.).	17-11-78 (F.N.)
19.	Man Mohan Pandey	•		,						Superintendent, Central Excise, Bermo.	29-11-78 (F.N.)
20.	K, C, Chakraborty				•	•			•	Superintendent, Central Excise, Barauni (S.R.P.) Range.	23-11-78 (F.N.)
21.	Gajendra Pd.		•	•	•	•		•	•	Suprintendent, Central Excise, Hatia Range.	20-11-78 (F.N.)
22.	Raghunath Choudhary			•	•		٠			Superintendent, Central Excise (S.R.P.), Bhowra	27-2-78 (F.N.)
23.	Laxmi Narain		-		•	•	•	•	٠	Superintendent, Central Excise (S.R.P.), Patna.	20-11-78 (F.N.)
24.	Subodh Chandra Mukh	erjee .		,						Superintendent, Customs, Kishanganj.	26-12-78 (F.N.)
	Ranveer Prasad			•					•	Superintendent, Central Excise, Kasunda (S.R.P.).	27-11-78 (F.N.)
26.	Sita Ram Mishra	, ,		•		•				Superintendent, Central Excise, Mugma (S.R.P.).	18-1-79 (F.N.)
27.	Ramyash Choubey									Superintendent, Central Excise S.R.P. Range, (Sonardih).	22-1-79 (F.N.)

D. K. SARKAR Collector Central Excise, Patna

### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 18th September 1979

No. 8/79.—Shri P. P. Singh Chatrath, lately posted as Assistant Chief Controller of Factories, New Delhi on transfer to the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise at New Delhi vide Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Order No. 140/79 (F. No. 22012/20/78-Ad.II) dated 18-7-79, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 20-7-79 (Forenoon).

DAYA SAGAR, Director of Inspection

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 7th September 1979

No. A-19012/235/71-Adm,—Chairman, Central Water Commission hereby accepts the resignation from Government service tendered by Shri M. S. Chawla, Extra Assistant Director, Central Water Commission with effect from the afternoon of 31st August, 1979.

J. K. SAHA, Under Secretary, Central Water Commission

### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 28th June 1979

No. 6/2/79-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Technical Assistants/Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

Serial No.	Name						,			Designation.	Date of appointment
1. Shri B.P.S. Fauzd	ar .			 						Technical Assistant	3-5-79
2. Shri A. K. Agniho										Do.	9-5-79
3. Shrl I.A. Khan .	, ,									Do.	3-5-79
4. Shri S. N. Mohan	ty .									Do.	3-5-79
5. Shri V. K. Singla										Do.	3-5-79
6. Shri B. Jaganna									•	Do.	3-5-79
7. Shri O. P. Arora										Do.	3 <b>-5-79</b>
8. Shri R. N. Mathu	r,									Do.	3-5-79
9. Shri G. G. Paul .		,								Do.	11-5-79
10. Shri D. K. Babuta					,					Do.	3-5-79
11. Shri R. K. Sharma	ı .						,			Do.	3-5-79
12. Shri S. K. Sakhoo	ja .									Do.	<b>4-</b> 5-79
13. Shri H. K. Khand	uja .					-				Do.	3-5-79
14. Shri Om Parkash-	и ,									Do.	3-5-79
15. Shri Sunil Kumar	•									Do.	4-5-79
16. Shri U. K. Singha	l, .			•						Do.	3-5-79
17. Shri S. K. Shrivast	tava-l					•		-		Do.	3-5-79
18. Shri T. C. Sanyal			-							Do.	8-5-79
19. Shri R. S. Moorjai	ni .									Dø,	3-5-79
20. Shrl T. R. Bahl .				-	•		ı.			Do.	3-5-79
21. Shri R. K. Garg .									•	Do.	3 <b>-5-7</b> 9
22. Shri R. C. Subbara	aju .									Do.	7-5-79
23. Shri Rakesh Bhan	ot .	,								Do.	3-5-79
24. Shri Chandan Roy	, .						•			Do.	30-5-79
25. Shri R. C. Tiwari										Do.	3-5-79
26. Shri A. K. Sood .										Do.	3-5-79
27. Shrl Batto Singh	•		•							Do.	3-5-79
28. Shri A. S. Roy										Supervisor	8-6-79
29. Shri K. S. Sandhu	•							. '		Do.	4-6-79
30. Shri Surinder Pras	ad .									Do.	8-6-79

S. BISWAS Under Secy-

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th September, 1979

No. 33/5/78-EC1X.—The Director General of works, C.P.W.D., is pleased to appoint the undermentioned nominees of the U.P.S.C. as Assistant Architect against temporary posts in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-800-E.B.-35-880-1000-E.B.-40-1200 from the dates and pay shown against each :—

SI. No.	Name	c				Date of appoint- ment as Assistant Architect	Pay	Remarks
S/Shri 1. T. Sirinivasulu						17-8-79 (F.N.)	Rs. 650/- P.M.	His pay will be re-fixed according to rules shortaly.
2. P.G. Patekar						30-8-79 (F.N.)	Rs. 650/- P.M.	Do.

- 2. Both the officers are placed on probation for a period of two years from the dates of their appointment as Assistant Architects as shown above.
- 3. Shri T. Sirinivasulu is posted in Senior Architect (NZ) VII Unit, C.P.W.D., R.K. Puram, New Dlhi, and Shri P. G. Patekar is posted in Senior Architect (Asian Games) Unit, C.P.W.D., New Delhi.

S. S. RAU Dy. Director of Admn.

### MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 10th September 1979

No. 78/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that the track overhead equipment in Vijayawada-Chirala section from KM. 580/472.20 to 583/560.40 and 431/576.15 to 336/820.95 (RE Structures LS/1 to 583/23-24 and TY/163 to 336/27-28) of South Central Railway will be alive on 25000 volts AC with effect from 30th September 1979.

### Public are warned:

- To keep away from electric traction wires and fittings in the section;
- Not to approach or come in contact with such wires and fittings either directly in person or through articles such as poles, bamboos, metallic rods, etc. as it will prove fatal;
- Not to lean or protrude any portion of their body outside the compartments to avoid getting injured, as steel masts for carrying traction wires have been erected on both sides of the track;
- Not to come within a range of two metres from the electric fitting and overhead electric wires;
- Not to approach or work in the proximity of overhead wires;
- 6. Not to travel on foot-boards or ride on the roof of the coaches, as it may prove fatal;
- 7. That height gauges have been erected at all the level crossings in the above sections with a clear height of 4.67 metres (15 ft. & 4 inch.) above road level with a view to prevent loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are to observe the height specified above for the purpose of loading vehicles and to see that the loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances;
- 8. To kindly report to the nearest Station Master in case they come across any broken wires;

The Railway Administration will not be liable for any accident caused the to this warning being ignored.

K. BALACHANDRAN. Secretary, Railway Board

### NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 11th September 1979

No. 16.—The following officers of Transportation (Traffic) & Commercial Department, Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each:—

- S. No., Name and Date from which finally retired
- 1. Shri M. G. Bakhtianee, SCO(CP)/HQ, 31-8-79 (AN).
- 2. Shri K. N. Mehrotra, AOS/ALD, 31-8-79 (AN).

R. K. NATESAN, General Manager

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY COMPANY LAW BOARD

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Escorts Farms Hatcheries Private Ltd.

New Delhi, the 9th September 1979

No. 5989/14776.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Escorts Farms Hatcheries Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies, Delhi

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Amalgamated Exports Corporation Limited

Bombay, the 6th September 1979

No. 11372/560(3).—Notice ishereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s The Amalgamated Exports Corporation Limited, nuless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA Asstt. Registrar of Campanies, Maharashtra, Bombay In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Rubche Co. Pvt, Ltd.

Bombay, the 6th September 1979

No. 9074/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s.. Rubche Co. Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 2-10-78 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Varuna Syndicate Pvt. Ltd.

Bombay, the 6th September 1979

No. 10904/49.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Varuna Syndicate Pvt. Ltd., has been ordered to be wound up by an order dated 15-11-1978 passed by the High Court or Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

(Sd) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Srl Jayanthi Sugars Privated Limited

Pondicherry-1, the 10th September 1979

No. 141/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company 'Sri Jayanthi Sugars Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Registrar of Companies Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Navaratna Investments Private Limited Cuttack, the 11th September 1979

No. SO/718-2584(2) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Navaratna Investments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ankhandala Mani Savings & Finance Private Limited

Cuttack, the 12th September 1979

SO/730/2639(2).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ankhandala Savings and Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Orissa Chromate Private Limited

Cuttack, the 12th September 1979

No. SO/693/2642(2)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Orissa Chromate Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

(Sd) ILLEGIBLE Registrar of Companies, Orrissa

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kohinoor Pictures Private Limited

Calcutta, the 12th September 1979

No. 15916/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kohinoor Pictures Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registery and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of R. K. Makhal & Co. Private Limited

Calcutta, the 12th September 1979

No. 24/91/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the R. K. Makhal & Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Allied Apparel Private Limited.

Calcutta, the 12th September 1979

No. 24432/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Allied Apparel Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Gidni Minerals Private Limited.

Calcutta, the 12th September 1979

No. 24864/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Cidni Minerals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Stahl Manufacturing (India) Private Limited.

Calcutta, the 12th September 1979

No. 30822/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereoft the name of the Stahl Manufacturing (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Full Chrome Tannery Private Limited.

Calcutta, the 12th September 1979

No. 26343/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Full Chrome Tannery Private Limited unless

cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ram Gases Limited.

### Calcutta, the 12th September 1979

No. 29003/560(3),—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ram Gases Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mitra Vihar Private Limited.

### Calcutta, the 12th September 1979

No. 21725/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mitra Vihar Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pratapgarh Trust Private Limited.

### Calcutta, the 18th September 1979

No. 16308/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Pratapgarh Trust Private Limited has this day been struck off and thes aid company is dissolved.

N. R. SIRCAR, Asstt. Registrar of Companies, West Bengal.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Balkrishna Kapoor and Company Private Limited.

### Delhi, the 11th September 1979

No. 1402/15092.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Balkrishna Kapoor and Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

(Sd) ILLEGIBLF
Asstt. Registrar of Comnanies.
Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Stores Dyes Chemicals Limited.

### Ahmedabad, the 17th September 1979

No. 598/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Stores Dyes Chemicals Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Bhavnagar Public Dairy Limited.

Ahmedabad, the 17th September 1979

No. 721/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s The Bhavnagar Public Dairy Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Subhdarshni Printers & Enterprises Private Limited.

### Ahmedabad, the 17th September 1979

No. 2337/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Subhdarshni Printers & Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

## In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Nylotex Engineering Private Limited. Ahmedabad, the 17th September 1979

No. 2133/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Nylotex Engineering Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Ahmedabad Finance Trading Private Limited.

Ahmedabad, the 17th September 1979

No. 2186/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Ahmedabad Finance Trading Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

I. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX CENTRAL

### Calcutta, the 20th July 1979

No. E/7416/CTC 2E-1/79-80.—In exercise of the powers conferred on him under section 124(1) of the Income-tax Act, 1961, the Commissioner of Income-tax (Central-I), Calcutta, hereby creates a circle designated as Central Circle—XXXIV, Calcutta under him w.e.f. the date Shri Subhas Chandra Sen, I.T.O., Group—'A' takes over.

Shri Subhas Chandra Sen, I.T.O., Group 'A' who has been transferred and posted to Central, Calcutta Charge under Board's order F. No. A-22013/1/79-Ad.VI dated 26-6-79, is posted as I.T.O., CC-XXXIV, Calcutta w.e.f. the date he takes over Charge.

B. LAKSHMIPATHY, Commissioner of Income Tax. (Central-I), Calcutta.

### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-IV

New Delhi, the 6th September 1979 OFFICE ORDER

Sub :- Distribution of workload amongst T.R.Os.

No. CTT IV/JUR/TRO/79-80/20170.—In partial modification of the office order No. 10537 dt 1-7-78 on the the above subject C.I.T. Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the T.R.O. mentioned in Column 2 below shall perform his duties in respect of the Districts/Wards as mentioned in column 3 with effect from 1-9-79.

S. No.	Designation	Allocation of work	Administrative Control of I.A.C.
1	2	3	4 ;
1. T.R.O. X	IX, New Delhi	Erstwhile Wards :  1. Districts III (3), HI (14), III (15), III (28), III (29) and III (35).	I.A.C. Range-III-D, New Delhi

1	2	3	4
		2. 3rd Addl. Survey Circle-III, New Dell	hi.
		3. 4th Addl. Survey Circle-II, New Delh	i.
		Newly redesignated wards;	
		District III-D (1)	
		District III-D (2)	
		District III-D (3)	
		District III-D (4)	
		District III-D (5)	
		District III-D (6)	
		District III-D (7)	
		District III-D (8)	
		New Delhi.	
		4. District III-E(I), New Dolhi.	I.A.C. Range-III-E.

RANBIR CHANDA Commissioner of Income-tax Delhi-IV, New Delhi.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 17th August 1979

Ref. No. A.P.611/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Nai Basti Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Lal Chand s/o Shri Atma Singh R/o House No. 877/A Gali Vipan Chand Pal, Nai Basti, Bhatinda.

(Transferor)

 Smt. Sundri Devi w/o Shri Amin Lal, Shri Shital Prashad s/o Shri Amin Lal C/o M/s. Suresh Motor Car Co. near old bus Stand Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One house No. 877 at Gali Bipin Chand Pal, Nai Basti Bhatinda as mentioned in the registration deed No. 4523 of 1/79 of the Sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 17-8-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd August 1979

Ref. No. A.P.591/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Wan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kapoor Singh s/o Shri Jarnail Singh r/o Wan Teh. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shri Charanji Lal s/o Shri Behari Lal r/o Vill. Wan Teh. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 Kanals in village Wan Teh-Ferozepur as mentioned in the sale deed No. 1799 of June, 79 of the Sub-Registrar, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-8-79 Seal:

### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd August 1979

Ref. No. A.P.592/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. As per Schedule situated at Wan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kapoor Singh s/o Shri Jarnail Singh r/o Vill. Wan Teh, Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shri Behari Lal s/o Shri Hardyain Ram r/o Vill. Wan Teh. Ferozepur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Kanals as mentioned in the Registration deed No. 1800 of June, 79 of the Sub-Registrar, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd August 1979

Ref. No. A.P.593/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Fazilka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fazilka on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gokal Chand s/o Shri Shanker Dass r/o Gali Dewarian, Fazilka.

(Transferor)

(2) Sh. Murari Lal s/o Shri Amar Chand r/o Fazilka.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One house No. 340 in Gali Dewarian, Fazilka as mentioned in the registration deed No. 3147 of Jan, 79 of the Sub-Registrar, Fazilka.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-8-79

### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd August 1979

Ref. No. A.P.594/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ferozepur on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rattan Kumar s/o Shri Phool Chand r/o Moharianwala Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Shri Jaspal s/o Shri Om Parkash, Smt. Chander Kanta D/o Shri Mulkh Raj, Shri Hazari Lal s/o Shri Bhagwan Singh Shri Kanshi Ram s/o Shri Bhagwan Dass, r/o Ferozepur City.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to interested in the property]
- (3) (M/s Sharma Brothers, Patna
  [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A plot of land situated on Makhu Gate, Circular Road, Ferozepur as mentioned in the Registration deed No. 5669 of the Sub-Registrar, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-8-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd August 1979

Ref. No. AP.595/79-80.—Wheroas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Mandi Shekhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout in May 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to thhe following presents, namely :-

(1) Shri Behari Lal

s/o Shri Sudagar Chand

s/o Shri Khem Chand

r/o Mandi Shekhu.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh

s/o Shri Dilraj Singh s/o Shri Ranjit Singh and

Inderjit s/o Shri Bachan Ram s/o Shri Mangal Ram

r/o Malout

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Rakba 58 Kanals 6 Marla situated at vill: Danewala as mentioned in Registration Deed No. 444 of May, 79 of the Sub-Registrar, Malout.

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-8-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th August 1979

Ref. No. AP.597/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being hte Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Moga

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Moga on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yash Pal Sood s/o Shri Lajpat Rai Sood s/o Shri Sultani Mal Sood r/o Moga.

(Transferor)

(2) Shri Ram Partap s/o Shri Kalu Ram s/o Shri Sonda Ram

r/o Gali No. 4 New Township, Moga.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms nd expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One plot measuring 2 kanal 11 marlas  $7\frac{1}{2}$  sarsi on Ara Road, Moga as mentioned in the Registration deed No. 72 of 4/79 of the Sub-Registrar, Moga.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 6-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th August 1979

Ref. No. AP.598/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at urani Dana Mandi Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on April 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

17-266 GI/79

 Smt. Vidya Wati w/o Shri Roop Lal s/o Shri Mangat Ram r/o Sardar Nagar, Moga.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Rani w/o Shri Om Parkash s/o Shri Babu Ram Yash Pal s/o Shri Goverdhan Dass, Satish Kumar, r/o Mandi Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One shop cum Godown constructed over a plot of land 4 Marla 6 sarsai as mentioned in the registration deed No. 76 of April, 79 of the Sub-Registrar, Moga.

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 6-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th August 1979

Ref. No. A.P.600/79-80.-Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at G.T. Road, Moga and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moga on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facillitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Gurbachan Singh Sibia

s/o Shri Khem Singh Sibia s/o Shri Budh Singh

r/o Sibia Building, G.T. Road, Moga.

(Transferor)

(2) Shrí Randhir Singh

s/o Shri Joginder Singh s/o Shri Chhaju Singh

r/o Vill. Kokri Kalan Teh. Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1 portion of godown constructed over a plot of land 2 Kanal 10 marla as mentioned in the Registration deed No. 413 of April, 79 of the Sub-Registrar, Mogn.

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 6-8-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1979

Ref. No. A.P. No. 607.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Mandar Bait (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

- Shri Luchman Singh so Shri Jalaoa Singh r/o Village Gholian Kalan Teh. Moga.
  - (Transferor)
- (2) Shri Chana Singh s/o Sunder Singh r/o Vill. Munder Bet Near Dhilwan, Distt. Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  - [Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. I-99 of Jan. 1979 of the Registering Authority Calcutta.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date: 4-9-1979

### FORM I.T.N.S.----

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 4th September 1979

Ref. No. A.P. No. 1935.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col. Jagmohan Singh 457 New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh Kumar S/o Bhag Singh 74-L Model Town, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 6569 Dated 1-1-79 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1979

Ref. No. 1936.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on 10-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lal Chand Singla s/o Shri Ram Dass c/o National Foundary, G.T. Road, Phagwara.

(Transferor)

 Smt. Bharawan Bai w/o Shri Sant Lal c/o Calcutta Matting House, Loha Mandi, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are denfied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 1723 dated 10-1-1979 of the Registering Authority Phagwara.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 4-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 4th September 1979

Ref. No. 1937.—Whereas, J,

B S. DEHIYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having  $\alpha$  fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at

As per schedule.

situated at Phagwara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Phagwara on 25-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Lal Chand Singla s/o Ram Dass C/o National Foundary G. T. Road, Phagwara.

(Transferor)

 Shri Manohar Lal S/o Sant Lal C/o Calcutta Matting House, Loha Mandi, Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1815 dated 25-1-1979 of the Registering Authority Phagwara.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 4-9-79.

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th September 1979

Ref. No. A.P. No. 1938.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule.

situated at Phagwara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 9-2-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lal Chand Singla s/o Ram Dass C/o National Foundary G. T. Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal S/o Sant Lal C/o Calcutta Matting House, Loha Mandi Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1910 dated 9-2-79 of the Registering Authority Phagwara.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-9-79.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 5th September 1979

Ref. No. A. P. No. 1939.-Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on 11-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Major M. S. Deol S/o Sh. Bishan Singh C/o 56 (Transferor)
  - (2) Sh. Veena Singla W/o Shanti Sarup Textile Colony, (Transferee)
  - (3) As per Sr. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6835 Dated 11-1-1979 of the Registering Authority Juliun-

> B. S. DEHIYA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-9-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1979

Ref. No. A.P. No. 1940.-Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule.

situated at Vill. Dhogri Teh. Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--18-266GI/79

- (1) Sohan Singh S/o Atma Singh Village Mithapur Teh. Jullundur.
  - (Transferor)
- (2) Sh. Darshan Singh S/o Jagiri Mal Village Dhogri Teh. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7818 of February 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

> B. S. DEHIYA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1979

Ref. No. A.P. 1941.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as per Schedule.

situated at Bz. Sheikhan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kewal Krishan Ohri s/o Dr. Shanker Dasi R/o Ohri Hospital Jullundur.

  (Transferor)
- (2) Shri Tarlochan Singh s/o Partap Singh and Ramin derpal Singh s/o and Jasjit Kaur D/o Tarlochar Singh C/o Sahni Cloth House, Sadar Bz., Kapur thala.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6902 dated 15-1-79 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 6-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1979

Ref. No. A.P. 1942.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule

situated at Bz. Sheikhan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Juliundur on 17-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomt-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kewal Krishan Ohri s/o Dr. Shanker Dass R/o Ohri Hospital, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh s/o Partap Singh and Raminderpal Singh s/o and Jasjit Kaur D/o Tarlochan Singh C/o Sahni Cloth House, Sadar Bz., Kapurthala.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6954 dated 17-1-79 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 6-9-1979.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1979

Ref. No. A.P. 1943.—Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule.

situated at Bz. Sheikhan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on 19-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sudershan Ohri s/o Dr. Shanker Dass G. A. of Kewal Krishan Ohri c/o Ohri Hospital Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Tarlochan Singh s/o Partap Singh and Raminperdal Singh s/o and Jasjit Kaur D/o Tarlochan Singh C/o Sahni Cloth House, Sadar Bz., Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6777 dated 19-1-79 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 6-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1979

Ref. No. A.P. 1944.—Whereas, I, B. S. DEHIYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule,

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on 12-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Swaran Singh s/o Gian Singh s/o Budh Singh Village Dabdaba, Teh. Bilaspur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Dharamvir s/o Shankar Dass, New Jawahar Nagar Market, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6878 of January 1979 of the Registering Authority Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 6-9-1979.

Sen1.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th September 1979

Ref. No. A. P. 1945.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule

situated at Garh Shankar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Garh Shankar on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gurbakhsh Singh S/o Sh. Ganda Singh R/o V. Ghungarni, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Dr. Jang Bahadur Singh Rai 3/0 Capt. Chanchai Singh Vill. Sadhowal, Teh. Garh Shankar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interesting in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3240 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Garh Shankar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

### MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th September 1979

Ref. No. A.P. 1946.--Whereas, I,

B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

as per Schedule

situated at Garh Shankar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Garh Shankar on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gurbakhsh Singh s/o Sh. Ganda Singh R/o Bhungarni Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Davinder Kaur W/o Dr. Jang Bahadur Singh Rai R/o V. Sadhowal Teh. Garh Shankar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3251 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Garh Shankar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th September 1979

Ref. No. A.P. 1947.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule

7810

situated at Gazi Gulla, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sufsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Sh. Makhan Singh \$/0 Sh. Hira Singh, Gazi Gulla, Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Sh. Joginder Singh, Perminder Singh, Jatinder Singh ss/o Inder Kaur W/o Jawand Singh BII-1809 NG Gazi Gulla Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6889 of Jan. 1979 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-9-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Jullundur, the 7th September 1979

Ref. No. A.P. 1948.—Whereas, I, B. S. DEHIYA.

rred. The Control of Filling

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

as per Schedule

situated at Saidan Gate, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—
19—266 GI/79

(1) Smt. Punam Rani W/o Walaiti Ram House No. W. A-61 Kucha Necha Bad Chowk Sudan, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Piara I al S/o Rela Ram House No. EP-329-B, Saidan Gate, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6975 of Jan. 1978 of the Registering Authority, Jullundur,

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-9-1979.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 7th September 1979

Ref No. A.P. 1949.—Whereas, I. B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marekt value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing No.

as per Schedule

situated at Basti Sheikh, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Didar Singh, Piara Singh, Mohan Singh, Harbhajan Singh, Pritam Singh ss/o Battan Singh Vill. Kalian Pur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Amar Dei D/o Karam Chand H. No. 50/W.S. Basti Sheikh, Juliundur,

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7205 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-9-1979.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th September 1979

Ref. No. A.P. 1950.--Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Piara Singh s/o Kabut Singh, 1107 Harnam Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar s/o Dewan Chand H, No. EJ/ 235, Chahar Bagh, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2, (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7278 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1979

Ref. No. A.P. 1951.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule

situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arun Singh s/o Maharaja Karamjit Singh Sunny side Kapurthala.

(Transferor)

(2) Sint. Krishana Rani w/o M. L. Azad Sunny Side Near Sainak School Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2.
  (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2970 dated 9-1-79 of the Registering Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 10-9-1979

#### FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 10th September 1979

Ref. No. A.P. 1952.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule

situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Major Jagmohan Singh s/o Nihal Singh, Dogra Reg ment, Ferozpur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Jaspal Singh s/o Sewa Singh, Kothi on Kartarpur Rd. Opposite Octroi Post Kapurthala Cantt. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2.
  (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2998 of January 1979 of the Registering Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 10-9-1979.

FORM ITNS ----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, 11th September 1979

Ref. No. A.P. 1953.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing No.

As per Schedule.

situated at Rly Road, Phagwara.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara, on Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Pitamber Bedi Attorny of Siri Ram C/o Pitamber Bedi II, No. 1375 Phase III B2, Mohali,
  - (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar S/o Kedar Nath C/o Hindustan Steel & Timber Store, Rly Road, Phagwara.

  (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze te or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1751 of January, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 11-9-79.

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULILUNDUR

Jullandur, the 11th September 1979

Ref. No. AP-1954.—Whereas, I, B, S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at G. T. Road, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on Jan., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Prem Chand S/o Babu Lal, WG-361, Moh. Suraj Ganj, Jallundur.
  - (Transferoc)
- (2) Tilak Raj s/o Babu Lal EJ-201, Chahar Bagh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6702 of January, 1979 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEIIIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-9-79.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF, KANPUR

Kanpur, the 23rd July 1979

Ref. No. F. No. 944/Acq./Alg./78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Aligarh on 1-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ram Prakash Bhatnagar, s/o
Ram Krishna Bhatnagar,
r/o J. 43, Janakpur Colony, Aligarh
Dr. Gyan Prakush Bhatnagar, s/o
Ram Krishna Bhatnagar, r/o
115/26 T. T. Nagar, Bhopal Mukhtar Khas,
Major Satya Prakash Bhatnagar, s/o
Ram Krishna Bhatnagar
r/o 33 M. M. V. Sultanif Infactory Line Bhopal,
Smt. Shashi Bhatnagar, s/o
Rum Krishna Bhatnagar, r/o
A. V. III Teachers Hostel University Campus,
Ujjain,
Anupam Prakash Bhatnagar, s/o
Ram Krishna Bhatnagar
J. 43 Janakpuri Coliny, Aligarh.

(Transferor)

(2) Sri Gopal Swaroop s/o Lala Sri Ram, Sushma Devi w/o Gopal Swaroop Mamu Bhanja, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property at Vishnupuri, Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-7-1979

#### FORM ITNS----

 Smt. Rani Devi w/o Sri Bhagwan, Vill. Sunamai Teh. Firozabad, Krishnanagar, Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bangali Baboo s/o Sri Murli Singh, Varjanti Devi w/o Bangali Baboo, Isswant Singh s/o Bangali Baboo, r/c Jalesu Road Firozabad, Smt. Shivdhara w/o Sri Tularam r/o Saidalpura Pargana Shikohabad, Mainpuri.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th July 1979

Ref. No. F. No. 1054/Acq./F.bad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 27-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
20—266GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property No. 96 Jalesar Road, Firozabad sold for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kannur

Date: 25-7-1979

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th July 1979

Ref. No. 1053/Acq/F.Bad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVFDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Firozabad on 24-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 Shri Ram Babu Garg s/o Sri Ram Chandra r/o Mohalla Purani Mandi, Firozabad.

(Transferor)

(2) Shri Shanker Lal, Panna Lal, Ramratan Rathi, s/o. Ram Narainji Rathi, r/o Baipass Road, Firozabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House building and factory at vill. Sukhmalpur, Nijamabad, Baipas Road, Firozabad sold for an apparent consideration of Rs. 100,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-7-1979

 Shri Raj Kishore Mehrotra s/o Sri K. K. Mehrotra r/o 3A Chakrata Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Sardarni Harbans Kaur w/oS. Swaroop Singh r/o317/B Lakhibagh, Dehradun.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st July 1979

Ref. No. 906-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. C.HATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 3-1-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 4, Govind Nagar, Dehradun, Race Couse measuring a total area of 480.94 S.Q. Meters of which 180.11 Sq. Meters is covered and 300.83 Sq. Meters is open, sold for an apparent consideration of Rs. 78,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 21-7-1979

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th July 1979

Ref. No. F. No. 1061/Acq./Khair/78-79.---Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kheir, Aligarh on 19-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kanchan Singh, s/o Ram Narain Singh, Nepal Singh, Rampal Singh s/o Sri Kanchan Singh, r/o Deta Khurd, Pargana Chandaus, Teh. Khair, Aligarh.
   (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntala Devi w/o Balbir Singh, Shyapalice, Nepal Singh, s/o Harbans Singh, r/o Deta Saitpur, Detakhurd Pargana Chandaus, Teh. Khair, Distt. Aligarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land No. 1115/1, situated at Deta Khurd sold for an apparent consideration of Rs. 1,22,864/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th July 1979

Ref. No. TR. No. 712/Acq./Mainpuri/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number

As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mainpuri on 19-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Rameshwari Devi through authorised Representative Sri Ishwar Sahai Mathur 36 Butler Place Colony, Lucknow. (Transferor)
- (2) 1. Narendra Nath Gupta s/o Sri Gulzari Dal Gupta Katra, Mainpuri,
  - Chauram Singh s/o Sri Pearey Lal r/o Larau, Teh. Shikohabad, Mainpuil.
  - r/o Larau, Teh. Shikohabad, Mainpui.
    3. Babu Ram Sharma s/o Sri Johari Lal Sharma r/o Bhanwat Road, Mainpuri.
    4. Harish Kumar s/o Sri Babu Ram Sharma, r/o Bhanwat Road, Mainpuri.

  - 5. Krishna Murari Mishra, s/o Sri Luxmi Narain Mishra, r/o Moh. Lhai, Mainpuri.
  - 6. Moti Lal Gupta, Advocate, s/o Sri Ram Dayal Gupta, Awadhnagar, Mainpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property at Mainpuri sold for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-7-1979

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1979

Ref. No. F. No. 912/Acq/F. Bad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatchgarh, F. Bad on 6-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the stormaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Maraj Ahmad s/o Sri Dr. Jalis Ahmad Kureshi, Tulaiya Lane, Fatehgarh, Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Narain Agarwal, s/o Sri Shanti Swaroop Agarwal, r/o Railway Hospital quarters Loco, Fatchgarh, Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property at vill. Talaiya Lane, Fatehgarh, Farru khabad sold for an apparent consideration of Rs. 47,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-8-1979

(1) Shri Bangali Baboo s/o Ninhaku, r/o Shahai Etawah,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Taro Devi w/o Shivnath Singh Yadav, r/o Sithpur Post Kanghasi Pachar, Parg. Bharthana, Etawah.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1979

Ref. No. TR No. 582/Acq./Bharthana/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bharthana on 1-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (f) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property at Jawahar Road, Bharthana, Distt. Etawah sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-Ш, 4A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 3rd September 1979

Ref. No. IAC/Acq. III/9-79/379.—Whereas I, D. P. COYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House on plot No. 23, situated at Road, No. 63, Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on 16-1-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Satya Pal Seth s/o Inder Sen Seth, r/o Road No. 63, Plot No. 23, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Ram Narain s/o L. Mohri Ram

 Ramesh Chander &
 Rakesh Kumar sons of L. Ram Narain, r/o 5476, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house built on plot No. 23 on Road No. 63 measuring 279.55 sq. yds., situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Madipur, Delhi State, Delhi and bounded as under :-

Road

East: Road West: Service Lane North: House built on plot No. 21 South: House built on plot No. 25.

> D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 3-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DEL.HI-110002

New Delhi, the 3rd September 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/9-79/380.—Whereas I, D. P. GOYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

21, situated at North West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 3-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
21—266GI/79.

Shri Bimal Kumar Mchra s/o
 Sh. Madan Gopal Mchra,
 r/o 65, Beadon Street, Calcutta-6.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar Soni, s/o Ram Chand Soni, r/o 36/63, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Kothi No. 21, Road No. N.W.A., situated in Residential Colony known as Punjabi Bagh, Delhi, with the land measuring 661.57 sq. yards, bounded as under.—

North: Service Lane

South: North West Avenue Road

East: Property No. 19 West: Road No. 67

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 3-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RNGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 3rd September 1979

Ref. No. 1AC/Acq-III/9-79/381.—Whereas I, D. P. GOYAL.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

20/48, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 6-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrì Harbans Lal Chandhok, s/o
   R. Chandhok,
   r/o 20-48, Old Rajinder Nagar, New Delhi,
   (Transferor)
- (2) Shri Narinder Kumar Makhija, Mohit Kumar Makhija & Vijay Kumar Makhija, sons of late Shri Sohanlal Makhija of 220, Hazaribagh Road, Ranchi, Bihar.

(Transferees)

(3) 1. M/s The Indian Oil Corporation,
 2. M/s. Indian Overseas Bank.
 [Person (s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A two and a half storeyed residential building bearing No. 20/48, Old Rajinder Nagar, New Delhi with the lease-hold rights of the land under the said house, measuring 88.1 sq. yds. bounded as under:—

North: Property No. 20/47, Old Rajinder Nagar,

New Delhi South: Road

East : Lanc West : Lanc

D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 3-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/9-79/382.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

B-146, situated at Hari Nagar, New Delhi (and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '----

- (1) Shri Satyajit Sharma s/o Pt. Moti Lal Sharma, r/o No. 6/6-7, Industrial Area, Kirti Nagar New Delhi-15.

  (Transferors)
- (2) Smt. Jatinder Pal Kaur d/o Sh. Joginder Singh Oberoi, w/o S. Kulwant Singh Mokha, r/o No. 5, Masjid Road, Bhogal Jangpura, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. B/146, constructed on plot measuring 200 sq. yds. Out of Khasra No. 2011 Khatuni No. 9, situated in the area of Village Tihar, abadi Hari Nagar, New Delhi and bounded as under:—

North: Passage

Soih: Property on plot No. B/155
East: Property on plot No. B/145
West: Property on plot No. B/147.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 3rd September 1979

Ref. No. 1AC/Acq-III/9-79/383.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26/5, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

New Delhi on 11-1-1979

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baasi Lal Mehta 5/0 Sh. Hari Chand Mehta, 1/0 26/5, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferors)
- (2) Shri Lila Krishan s/o Sh. Balkishan Dass, r/o 9427, Gali No 10, Multani Dhanda, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Govt. Built Qr. No. 26/5, Old Rajinder Nagar, New Delhi with the lease hold rights of the land under the said quarter measuring 88.1 sq. yds., bounded as under:—

North: Road South: Lane East: Lane West: G.B.P.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/9-79/384.—Whereas I, D. P.  $GOYAL_{\tau}$ 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property,

No. NIL/43-A, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1979,

for an apparent Consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Pushpa Vohra, w/o
 Sh. Dina Nath Vohra,
 r/o H. No. 31, Mall Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj Madan, s/o Sh. R. C. Madan, r/o NIL/43-A, Malviya Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. NIL/43-A, constructed on a leasehold plot measuring 100 sq. yds. situated at Malviya Nagar, New Delhi-17.

D. P. GOYAl-Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 10-9-979

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/Acq. III/9-79/385.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. EC-36,

situated at Inderpuri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narcsh Sood s/o Sh. Trilok Nath, c/o M/s Hiro Knitting Works, Free Ganj, Agra (U.P).

(Transferor)

(2) Shri Attar Singh Chadha, s/o Gulab Singh Chadha, r/o 22/1A, Naraina Inderpuri, Delhi (Naraina Indl. Area Phase-I.) New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. EC-36, measuring 500 sq. yds., situated in the colony known as Inder Puri Extension in the area of Village Naraina, Delhi State, Delhi and bounded as under:—

East: Plot No. 35-EC. West: Plot No. 37-EC. North: Gali 10 ft. South: Road 30 ft. wide.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 10-9-1979

Seal ;

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/9-79/386.—Whereas I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 53/83, situated at Ramjas Road, W.E.A., Karol Bagh New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on 30-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Registering Officer at and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Krishan Mohan Mijli S/o Alias Bijli Pahalwan R/o 31, New Rohtek Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pratap Singh S/o Sunder Singh, R/o 61/3
Ramjas Road, W.E.A. Karol Bagh New Delhi.
List of tenants of property No. 54/83, Ramjas Road, W.E.A.
Karol Bagh New Delhi.

S. No.

Name of the tenants

(Transferee)

(3) 1. Shri Inder Raj

Shri Wishwa Nath
 M/s Decpak Scooters

Shri Gian Singh Chawal Shri Sat Pal Gulati

Shri Chuni Lal Smt. Wiran Wali Shri M. L. Singhal

8.

Shri Mukand Ram Kishan Shri Narinder Singh & Bhupinder Pal Shri Manjit Singh Prithpal Singh Shri Nirmal Jit Singh 10.

13. Shri Subash Chander Pathak.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pensros, whichever period expires later,
- said (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 54/83, bearing Municipal No. XVI/8217, of Khasra No. 847, Khewat No. 1, Khatuni No. 514, Block No. 53, situated in Ramjas Road, W.E.A. Karol Bagh with the leasehold rights of the land measuring 417 sq. yds. under the said property, bounded as under :-

North: Road South: Service Lane East: Property No. 53/82

West: Road.

D. P. GOYAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi.

Date: 10-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/Acq.-III/9-79/387.—Whereas I, D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 11A/2, W.E.A. situated at Karol Bagh New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-1-1979

for an apparent consideration which the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the snic Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Shiv Ram S/o Sunder Ram R/o 11A/2, W.E.A. Karol agBh New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti W/o Shiv Lal Nanda Sh. Prem Chander S/o Shiv Lal Nanda R/o 6A/68, W.E.A. Karol Bagh New Dclhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property on plot No. 11-A/2, bearing Municipal No. 11143, in W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring 188 sq. yds. comprising of Khewat No. 1 min, Khatuni No. 2662 Khasra No. 5011/260 Jammabandi 1963-64 Basti Rehgar Karol Bagh New Delhi bounded as under:—

North: Road South: Service Road

East: Property on Plot No. 1.

West: Property on Plot No. 3 with common wall.

D. P. GOYAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi.

Date: 10-9-1979

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/9-79/289.—Whereas I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15 Bighas 3 biswas Agrl land situated at village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—266GI/79

(1) Sri Sathya Sai Trust (Delhi Punjab) 6-Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. 1. Surjit Kaur W/o Wazir Singh 2. Smt. Watwant Kaur W/o Mohan Singh R/o E-83, Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural farm land area 15 bighas 3 biswas vide situated in the Village Chhattarpur Tehsil Mehrauli, New Delhi consisting of Khasra Nos. mentioned hereunder:—

KHASRA NOS.	BIGHAS	BISWAS
1033/1	2	9
1034/1	2	10
1037/1	2	17
1041/1/2	1	2
1041/2	2	14
1042/2	3	11
	15	3

D. P. GOYAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range III Delhi/New Delhi.

Date: 12-9-1979

#### PORM ITNS ...

 Shri Sri Sathya Sai Trust (Delhi Punjab) 6-Bahadurshah Zahar Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Taran Kaur W/o Sh. Tarlok Singh R/o S-62, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/9-79/388.—Whereas I, D. P. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19 Bigha, 4 biswas Agrl. land situated at village Chhattarpur, Tebsil Mehrauli New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 24-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 bighas 4 biswas described as follows situated in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli New Delhi.

KHASRA NOS.	BIGHAS	AREA BISWAS
1051/1	1	4
1051/2	3	12
1052 min	0	6
1052 min	4	10
1053	4	16
1054/1	3	00
1054/2	1	16

D. P. GOYAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IIII, Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th September 1979

Ref. No. 1AC/Acq-HI/9-70/390.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961), (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-86, situated at Shivaji Park Rohtak Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kailash Kumari Chawla W/o Dharam Swarup Chawla (2) Smt. Krishna Chawla W/o Ved Prakash Chawla R/o 5298/99, Hardhian Singh Road, Karol Bagh New Delhi.

(Transferors)

(2) Smt. Janak Rani W/o Lala Khushi Ram (2) Subhash Kumar (3) Ramesh Kumar sons of Sh. Khushi Ram R/o C-83, Shivaji Park, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A free hold residential plot No. 86 in Block C, i.e. (C-86) measuring 436 sq. yds. (about 364.552 sq. meters) situated in the colony known as SHIVAJI PARK, on Rohtak Road, New Delhi, area of village Madipur, Delhi State, Delhi bounded as under:—

North: Road 30' wide South: South Road No. 40.

East: House built on plot No. 85 Block C. West: House built on plot No. 87 in Block C.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delht.

Date: 12-9-1979

(1) Shri Krishan Lal S/o Sh. Mela Ram R/o A-14, Bhagwan Dass Nagar Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Parvin Kumar S/o Sh, Krishan Lal and Sh. Sunil Kumar S/o Krishan Lal R/o Mohalla Khartoli Pathankot.

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

(Transferee)

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 12th September 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq-III/9-79/392.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

No. Plot No. 10, Road No. 42 situated at Punjabi Bagh New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Plot No. 10 on Road No. 42 measuring 1088.89 sq, ydsgarages built thereon situated in the residential colony known as Punjabi Bagh, area of village Shakurpur Delhi State, Delhi bounded as under:—

North: House No. 8 South: House No. 12 East: Service Lane West: Road No. 42.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Smt. Kaushalya Devi W/o Sh. Kishan Singh R/o J-53, Rajouri Garden New Delhi.

(1) Smt. Kesho Rani D/o Bhagirath Mal W/o Sh.

Jagdish Prashad R/o 4312/XIII, Gali Bahuji, Bahadurgarh Road, Delhi-6.

(Transferee)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/9-79/391.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 Block No. 80-A situated at Krishna Market, Paharganj New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 7, in Block 80-A situated in Krishna Market Paharganj New Delhi alongwith the lease hold rights of the land measuring 312 sq. yds. bounded as under :-

North: Road South: Main Road (Park) East: Plot No. 6 West: Side plot No. 8.

D. P. GOYAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Date: 12-9-1979

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/9-79/393.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. J-10/41, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 25-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the tranfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Suraj Narain Chhabra S/o Devi Dayal Chhabra R/o 1/3, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jag Chander S/o Chuni Lal Chopra & Smt. Janak Rani Chopra W/o Sh. Jag Chander, R/o J-10/41, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. J-10/41, Rajouri Garden New Delhi with the land measuring 200 sq. yds. under the said house bounded as under :

North Property No. J-10/30 South: Road 30' wide East: Property on plot No. J-10/40 West: Property on Plot No. J-10/42.

D. P. GOYAL. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi.

Date: 12-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002
New Delhi, the 12th September 1979

Ref. No. AC/Acq-III/9-79/394.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-2/4 situated at Malviya Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Inderject Kaur W/o Sh. Manmohan Singh, deceased, resident of F-2/3, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Gandhi W/o Shri Attam Prakash Gandhi R/o F-2/4, Malviya Nagar New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. F-2/4, measuring 123 sq. yds. situated in Malviya Nagar New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date: 12-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/79-80/4723.—Whereas I. R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing

No. J-4/12 situated at Rajouri Garden New Delhi,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurcharan Singh S/o Sardar Singh S-31, Rajouri Garden New Delhi & Sh. Satya Bhushan & Subhash Chander sons of Sh. Devki Nandan R/o E-3, Rattan Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satpal S/o Barkat Rai R/o N-76, Kirti Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house built on commercial plot No. J-4/12 measuring 182 sq-yds. situated in the colony known as Rajouri Garden New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi state, Delhi bounded as under:—

North: Lawn South: Road East: Plot No. 4/11 West: Plot No. 4/13.

R. B. L. AGGRAWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Date: 14-9-1979

(1) Shri Baldev Singh Bhasin S/o S. Inder Singh Bhasin R/o E-74, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 14th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/79-80/4831.—Whereas R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-74 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(2) Smt. Usha Hingle W/o Jaswant Rai Hingle and Smt. Neena Hingle W/o Vishwa Mitter Hingle R/o G-23, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

(3) Sh. Banwari Lal Gupta, (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storeyed house built on plot No. 74, in block E, measuring 335.27 sq. yds. situated in the colony known as Kirti Nagar, area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi bounded as under :-

North: Property No. E/75 South: Property No. E/73 East: Road 60: West: Lane 15:

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 14-9-1979

#### FORM ITNS ...-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI-110001

New Delhi, the 14th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/Jan.118/4745.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 14/52 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurcharan Kaur W/o Gurmukh Singh R/o 14/52 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Anandi Devi W/o Bal Chand Aggrawal (2)
 J. P. Aggrawal (3) M. P. Aggrawal (4)O. P. Aggrawal sons of B. C. Aggrawal R/o B-193, Naraina Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storeyed house built on plot No. 14 on Road No. 52 measuring 1054-7 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh area of village Bassi Darapur Delhi State, Delhi bounded as under:—

North: Road No. 52 South: Service Lane East: Plot No. 16 West: Plot No. 12

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Date: 14-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 14th September 1979

Rcf. No. 4736/IAC/Acq-II/SR-I/Ian.81.--Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 36 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Mohinder Kumar Jain S/o Ranjit Jain, R /o Bunglow No. 9, Mian Road, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 (2) Shri Ram Prakash Sethi S/o Uttam Chand Sethi
 (2) Janak Raj S/o Ram Prakash Sethi
 R/o B-77, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Govt. Built Cottage No. 36, West Patel Nagar, New Delhi with the lease hold rights of the land measuring 350 sq. yds. under the said cottage, bounded as under:—

North: Road East: Cottage No. 37 South: Service Lane

West: Cottage No. 35

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1979

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 14th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/79-80/4763.—Whereas R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. A-2/15 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 12-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

- (1) Shri Pushp Kumar Nangia S/o Late Sh. Atam Dev Nangia R/o A-2/15, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash S/o Krishan Lal Chhabra and Smt. Harbhajan Kaur W/o Sh. Krishan Lal Chhabra R/o 6881, Deriwala Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house built on Plot No. 15, in Block A-2, measuring 260 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi, bounded as under :-

North: Road South: Plot No. A-2/32 East: Plot No. A-2/14 West: Polt No. A-2/16.

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1979

 Smt. Amna Bi Wd/o Mohd. Umar R/o 2959 Kala Masjid, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandro W/o Sh. Suraj Bhan R/o 25/83, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 14th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/Jan./79-80.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 25/83, situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property on plot No. 25/83, bearing Municipal No. 11724 measuring 200 sq. yds. situated at Shakti Nagar, Delhi State, Delhi bounded as under:—

North: Gali 10 feet. South: Plot No. 25/43 East: Service Lane West: Road 40 ft.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 14-9-1979

(1) Shri Sadruzzaman Hazarika, Rupahi Ali, Jorhat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tolaram Gattani, Babupatty, Jorhat.
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

## ACQUISITION RANGE SHILLONG

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Shillong, the 6th August 1979

Ref. No. A-227/JRT/78-79/424-25.—Whereas, I, R. N.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given

in that Chapter.

BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 3885 and P. Patta No. 80, Block No. 1 at Rupahiali Road, Jorhat Town in the district of Sibsagar, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jorhat on 6-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

THE SCHEDULE

Land measuring 3(three) Katha 1½ (one and half) Lecha situated at Rupahi Ali Road of Jorhat Town in the district of Sibsagar, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Act, 1957 (27 of 1957);

Date: 6-8-1979.

(1) Shri Md. Ali Ulla Ansari, Ward No. 3. Jorhat town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOMF-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## (2) 2. Shri, Bhowarlal Gattani S/o. Champalal Gattani.

## (Transferee)

1. Sri Ramkaran Gattani, S/o Sri Jai Narayan

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE SHILLONG

Sillong, the 7th August 1979

Ref. No. A-228/JRT/78-79.—Whereas I, R. N. BARA, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Dag No. 3909 and 3915 of P. Patha No. 25 of Jorhat town, situated at Rupahi Ali Road of Jorhat town in the district of Sibsagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jorhat 5-1-79 on 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Katha, 3½ (Three & half) Lacha's situated at Rupahi Ali road of Jorhat town in the District of Sibsagar Assam.

> R. N. BARA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong.

Date: 7-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 7th August 1979

Ref. No. A-229/IRT/78-79/434.—Whereas I, R. N. BARA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 3531 and 3532, P. Patta No. 135 of Block No. 1 situated at A. T. Road, Jorhat Town in the district of Sibnagar, Assam.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jorhat on 12-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khalilur Rahaman C/o Late Secander Ali Rahman Road, Jorhat.

(Transferor)

- 1. Shri Bhawarilal Agarwalla S/O Shri Bajranglal Agarwalla.
  - Shri Shie Prasad Agarwalla S/O, Shri Jodhraj Agarwalla.
  - Shri Champalal Agarwalla S/O I ate Jegannath Agarwalla.
  - Shri Ramnivash Agarwalla S/.O Late Lakhshmi Narayan Agarwalla.
     All partners of Messers Joyashree Rajasthan Stores, A.T. Road, Jorhat.

    (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 15 (fifteen)—Lecha along with a shop/hose and godown measuring 15'X30' and 16'X30' situated at A.T. Road, Jorhat Town in the district of Sibsagar, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Date: 7-8-79

(1) Shri Padma Devi, W/o, L. Ananda Sarma, Kamakhya.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Reena Sarma, W.O. Shri Phani Sarma, C.O. Anuradha Cinema Bamunimaidan, Gauhati. (Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

## (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

## ACQUISITION RANGE SHILLONG

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Shillong, the 7th September 1979

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. A-231/Gan 78-79.—Whereas I, R. N. BARA, bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the hald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Dag No. 147 and K. P. Patta No. 299 situated at Kamakhya Town, in the district of Kamrup, Assam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gauhati on 10-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land measuring 4(four) Katha situated near Maligaon Charili Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
4—266GI/09

Date: 7-9-1979.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE SHILLONG

Sillong the 11th September 1979

Ref. No. A-232/Gan/78-79/618.—Whereas I, R. N. Bara, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 432 and K. P. Patta No. 51 situated at Village Maidam, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 19-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Smt. Tanu Bala Das, W/o L. Bhuban Ch. Das.
   Shri Krishna Ram Das, S/O. L. Bhuban Ch. Das.
   Shri Narayan Ch. Das S/O. L. Bhuban Ch. Das.

  - Shri Atul Chandra Das S/o. L. Bhuban Ch. Das.
     Shri Jagat Ch. Das, S/o. L. Bhagiram Das.
     Shri Lakshmiram Das, S/o L. Bhagiram Das. Village-Dharapur, P. O. Palashbari, Kamrup, Assam.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sashi Kanta Barua, S/O. L. K. K. Barua. 2, Shri Krishna Kanta Barua, S/O. L. K. K. Barua. Chenikutti, Gauhati-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 17 (seventeen) lecha situated near National High Way Near Halipad of Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

> R. N. BARA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong.

Date: 11-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 11th September 1979

Ref. No. A-233/Gau./78-79.—Whereas I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 442 and K. P. Patta No. 203 situated at Village Maidam, Mouza Beltola, Gauhati, Assam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 19-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Harendra Chandra Barua. S/o. Late Radha Kanta Barua. Vill. Dharapur, P.O. Palasbari, Kamrup, Assam. (Transferor)
- (2) Shri Sashi Kanta Barua, S/o. Late K. K. Barua, Chenikutti, Gauhati-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 4(four) Katha 9(nine) Lecha situated near National High Way near Halipad of Gaubati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Date: 11-9-1979.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ΛCQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong the 11th September 1979

Ref. No. A-234/Gau. 78-79/610,—Whereas I, R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Dag No. 432, K. P. Patta No. 51 and being situated at Village Maidam, Mouza Beltola, Gauhati,

Distt. Kamrup, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gauhati on 19-1-1979 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Tanu Bala as W.o. L. Bhubao Ch. Das.
- 2, Shri Krishna Ram Das, S. o. L. Bhuban Ch. Das.
- 3. Shri Narayan Ch. Das S/o. 1. Bhuban Ch. Das.
- 4. Shri Atul Chandra Das S. o. L. Bhuban Ch. Das.
- 5. Shri Lakshmiram Das S/o. 1. Bhagiram Das.
- Shri Jagat Ch. Das S/o. L. Bhagiram Das. Village—Dharpur. P.O. Palashbari, Kamrup, Assam.

(Transferee)

(2) Shri Krishna Kanta Barua, S o. L. K. Barua, Chenikutti, Gauhati-3.

(Transferee)

Objeticons, if any, to the aquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2(Two) Bigha 2 (two) Katha and 10(ten) Lecha situated near National High Way near Halipad of Gauhati, in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Shillong.

Date: 11-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 11th September 1979

Ref. No. A-235/Gau./78-79/606,-Whereas I, R. N. BARA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 432 and K. P. Patta No. 51 situated at Vill, Maidam, Mouza Beltola, Ganhati, Assam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 19-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) 1. Smt. Tanu Bala Das, W/o. L. Bhuban On. Das.

  - Shri Krishna Ram Das S/o. L. Bhuban Ch. Das.
     Shri Narayan Ch. Das S.o. L. Bhuban Ch. Das.
     Shri Lakshmi Ram Das S/o. I. Bhuban Ch. Das.

  - Shri Atul Ch. Las S.o. Late Bhagiram Das. Shri Jagat Ch. Das S/o. Late Bhagiram Das. Vill. Dharapur, P.O. Palasbari, Kamrup, Assam. (Transferor)
  - 1. Smt. Nirupama Barua, W/o. L. K. K. Sarua.
  - 2. Smt. Uma Barua, W/o. Shri Mrigen N. Barua. 3. Smt. Anutadha Barua, W/o. Shri Sashi Kanta
  - Barua. 4. Smt. Santana Barua, W/o Shri Krishna Kanta Barua. Chenikutti, Gauhati-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3(three) Bigha situated near National High Way near Halipad of Gauhati in the district of Kamrup,

> R. N. BARA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong.

Date: 11-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ref. No. P.R. No. 665 Acq. 23-1356/19-7/78-79.—Whereat I, S. C. PARIKH,

Ahmcdabad-380009, the 26th April 1979

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 450 Ward No. 11, situated at Nanavat, Pandolni-Pole, Surat,

(and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pranlal Chunilal Jariwala; and Smt. Nirmalaben Pranjivan Jariwala; 150-Dadi Sheth, Agiari Lane, Manekchand Panachandni Chawl, Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Vijay Balubhai Leninwala;
  - Shri Rajen Balubhai Leninwala;
     Shri Mahesh Balubhai Leninwala;
     Lalgate, Khand Bazar, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 94 sq. yds. situated at Nondh No. 450, Ward No. 11, Nanavat, Pandol-ni-Pole, Surat duly registered in the month of January 1979 with the registering authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-4-1979

Private 1.td., Gondal (1) Vira Brothers (Kathiawad) Road, Rajkot.

(2) Shri Manharkal Shuntilal Chhaniara and Shri Arvind

Shantilal Chhaniara, both at Gondal Road, Nr.

(Transferor)

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1979

23-I-2055(834)/16-6'78-79.--Whereas, I, No. Acq. S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Building on land adm. 1250-0 sq. vds. situated at Gondal Road, between Puna Bhagat's Dharamshala & north side old Rly. line, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 8-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquirition of the said property may to made in writing to the undersigned :---

Octroi Naka, Rajkot.

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 1250-00 sq. yds. situated at Gondal Road between puna Bhagat's Dharamshala and north side old Railway line at Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 104/8-1-79 i.e. property as fully described therein.

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-7-1979.

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

Ahmedabad-380 009, the 27th July 1979

Ref. No. P.R. No. 693 Acq. 23-1460/7-3/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1099, Wd. No. 5, Somnath Mahadev Sheri,

Haripura, Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 31-1-1979,

for an apparent consideration which is

iess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narendrakumar Niranjanlal Pandya; Haripura, Main Road, Surat.
  - (Transferors)
- (1) 1. Shri Laljibhai Bhayabhai;
  - 2. Shri Becharbhai Bhayabhai; Lambe Hanuman Road, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated at Somnath Mehadev Sheri, Haripura, Surat at Nondh No. 1099, Ward No. 5, Surat admeasuring 106.18.85 sq. mts. duly registered with registering authority at Surat on 31-1-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

Ahmedabad-380 009, the 28th July 1979

Ref. No. P.R. No. 694 Acq.23-1461/79-80,---Whereas. I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

City Sur. No. 50, S. No. 2293 paiki S. No. 646 situated at Sandh Kuva, Navsari,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsarl on 29-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subpersons. namely:-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following 25-25591/79

(1) Shri Maganbhai Vanmalibhai Patel; Juno Vandari Mahollo, Navsari.

(Transferors)

- (2) Saurashtra Kadva Patidar Samaj Trust;
  - 1. Govindbhai Ravjibhai; President Krishna Nivas, Girirai Cinema, Navsari,
  - 2. Ramniklal Virjibhai President Krishna Nivas, Giriraj Cinema, Navsari.
  - 3. Mohanbhai Kalyanjibhai Patel-Patel Society, Jalal Porc, Navsari.
  - 4. Shri Maganbhai Madhavjibhai, Jan Kalyan Society, B. No 2, Navsari. . (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1383-45 sq. mts, situated at Sandhkuva area, bearing S. No. 646, out of City T. No. 50, S. No. 2293, duly registered with the registering authority at Navsari on 29-1-79.

S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-7-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2080(835)/11-4/78-79.---Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lekh No. 290 of 1958-59 land adm. 402 sq. yd. situated at Junction of S.V.P. Road and Memonwad Road, Porbandar,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbander on 18-1-1979.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties less not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I heeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mamanbai Humerabai Salehmohmed of Porbander (Transferors)

(2) Memon Yusuf Osman Hamdani, Liberty Talkies Road, Porbander.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 402 sq. yd. bearing lekh No. 290 of 1958-59 situated at Junction of S.V.P. Road and Memanwad Road, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale-deed No. 173/18-1-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1979

Ref. No. 23-I-2353(838)/1-1/79-80,—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 137/B & S. No. 130 of Kalupur-I situated at Gandhi Road, Pada Pole, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act o rthe Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Hariprasad Bulakhidas, Executor of Bai Ladi Wd/o Nanalal Pranlal, 2, New Brahmshetriya Society, Ellisbridge Ahmedabad.

(Transferors)

(2) M/s. Lalit & Co., partners, Shri I.alitkumar Shantilal, and Shri Kuldip Attarsingh, Kapadia Niwas, Opp. V. S. Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferees)

(3) Names of tenants.

(1) Kalidas Optial Industries,

(2) Rashtriya Elect Co.,

Vinod Electric Stores, Arvindkumar Ratilal Shah,

Shashikant Shivlal Desai,

Pankaj Electric Co. Champaklal Ratilal Gandhi,

(8) Kuldipsingh Attarsingh,(9) Baljitkor Kuldipsingh,

Karamsingh Premsingh, Ashok Traders,

(10)

Vinaya Industries,

(13) Pradipkumar Shantilal Mehta,

(14) Sanghvi Nagindas Chatrabhuj, (15) Harish Shivprasad Shukla, (16) Indravadan Shivprasad Shukla,

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in aakt immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 127.28 sq. meters bearing S. Nos. 130 and 137/b situated at Padapole, Gandhi Road, Ahmedabad.

S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmcdabad

Date: 1-8-1979

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1979

Ref. No. P.R. No. 710 Acq 23-1488/7-4/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Revenue No. 256 paiki, land Tika No. 68, City S. No. 4185 situated at Nutan Coop. Housing Society, Dudhia Talav, Naysari.

has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Navsari on 22-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri

- 1. Rajan Manubhai Desai:
- 2. Sushilaben Wd/of Bapubhai,
- 3. Nitaben Manubhai Desai; Nutan Coop. Housing Society, Dudhia Talay, Navsari.

(Transferors)

(2) S/Shri

- 1. Harilal Pursottamdas Kapadia;
- 2. Maheshchandra Harilal Kapadia;
- 3. Natvarlal Harilal Kapadia;
- Prafulchandra Harilal Kapadia; No. 2-3, Tata Housing Centre, Lallubhai Park Road, Andheri West, Bombay-58.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Rev. S. No. 256, paiki Tika No. 68, City Survey No. 4185, admeasuring 415.208 sq. metres, situated at Nutan Coop. Housing Society Ltd., Dudhia Talay, Navsari, duly registered with registering authority at Navsari on 22-1-79,

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1979

Ref. No. P.R. No. 713 Acq. 23-1347/7-4/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Southern Way Portion of Plot No. 11, out of C.S. No. 393/2, 309, & 408A with building situated at Billimora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Gandeyi on 16-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Nathabhai Bhimbhai Naik, Jawahar Marg, Billimora. (Transferor)
- (2) Smt. Shirin A. Ukani, Feeder Road, Billimora.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 11 of Sur. No. 393/8394 (Southern half of the property) situated at Billimora, duly registered with registering Officer at Gandevi on 16-1-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 20-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1979

Rof. No. P.R. No. 714 Acq. 23-1316/19-7/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh No. 833, 855-A and 855-B situated at Bilal Gali, Navapura, Ward No. 3, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-1-1979

for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohmed Ali Shamsudin, Navapura, Bilal Gali, Surat

(Transferor)

(2) Shri Abdealibhai Saheb Yahyabhai Saheb Waziri and Shri Mohmed Abdul Kay-Yumbhai Saheb Waziri; 833-855-A, Bilel Gali, Navapura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 204.25 sq. yds. situated at Nondh No. 933, 855-A and 855-B, Bilal Gali, Navapura, Surat, duly registered with registering authority at Surat on 17-1-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 23-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1979

Ref. No. P.R. No. 715 Acq. 23-1242/19-7/79-80,-Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nondh No. 452 situated at Store Sheri, Wadifalia, Ward No. 9, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 15-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S/Shri
- Javashriben Wd/of Sureshchandra Dhirailal;
- 2. Minor Hetalkumar Sureshchandra; 3. Ishavari Sureshchandra;
- Dhanbini Sureshchandra;
- Nilambari Sureshchandra;
- 6. Prabhakar Dhirajlal;
- Mina Vinitkumar Prabhakar;
- Nandita Prabhakar; Ushaben Prabhakar.

All resident at Malbar Hill, Ritz Road, Bombay.

(Transferor)

- (2)S/Shri
  - 1. Shri Jethalal Natvarlal;
  - Shri Retilal Natvarlal;
  - Shri Sunderlal Natvarlal; Store Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated at Store Sheri, Ward No. Wadi Falia, Surat Nondh No. 452, Surat admeasuring 264.56 Sq. yds. duly registered with registering authority of Surat on 15-1-1979.

> S. C. PARIKH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 23-8-1979

## FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1979

Ref. No. P.R. No. 716 Acq. 23-1283/4-3/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gram Panchayat No. 138, Bhalav Godown 1/3rd Part situated at Bhalav Branch,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 16-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Suleman Ajmal Amijee; Nabipur, Tal. Bharuch.
  (Transferor)
- (2) Shri Adam Suleman Jiva; Dayadra, Tal. Bharuch.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The towns and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown situated at Bhalay, Bharuch bearing Gram Panchayat No. 138 (1/3rd Part) admeasuring 76' x 30' land area, duly registered with registering authority at Broach on 16-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedebad

Date: 23-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1979

Ref. No. P.R. No. 717 Acq. 23-1283/4-3/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Gram Panchayat No. 138 (1/3rd part) situated at Bhalav, Bharuch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on 16-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, inp ursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

26-266GI/79

- (1) Shri Suleman Abdul Amijee; Nabipur, Tal. Bharuch.

  (Transferor)
- (2) Gulam Suleman Jiva; Dayadra, Tal. Bharuch.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this newice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown situated at Bhalav, Bharuch bearing Gram Panchayat No. 138 (1/3rd part) admensuring 76 x 30 land area, duly registered with registering authority at Broach on 16th February 1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 23-8-1979.

Seal 1

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1979

Ref. No. P.R. No. 718 Acq. 23-1314/19-8/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herrinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 255 Opp. Golum Bajwall Masjid) situated at Bhagatalav, Panini Bhint Road, Ward No. 10, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—:

(1) Shri Abdul Kadar Kaji Ibrahim and Shri Abdul Aziz Kaji Ibrahim; Chowk Bazar, Surat,

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohmed Ismail Abdul Kadar Kapadia;

 Shri Abdul Rahim Abdul Kadar Kapadey;
 Shri Mohmed Ibrahim Abdul Kadar Kapadia; 10/2.551. Sindhi Wad, Bhagatalao, Surat,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 165 sq. yds. situated at Nordh No. 255 (Opp. Golum) Bajawali Masjid) on Phagatala o Panini Bhint Road, Ward Mo. 10, Surat duly registered with registering authority at Surat on 26-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 29-8-1979.

(1) Bombay Society of Fransican
66, Dr. Jopalrao D. Marg, Bombay-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Society of Sisters of St. John. Jail Road, Wardha, 442001.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE,

691/1/10 PUNE ROAD, PUNE-411 009

Pune-411 009, the 30th August 1979

Ref. No. CA5/SR-BOM/Jan.'79/456.—Whereas, I,

SHRI A. C. CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 143, Sub-Plot No. 9 & 10 situated at 38, Sassoon Road, Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plots of land situated at F.P. No. 143, Sub-Plots Nos. 9 & 10 at 38, Sassoon Road, Pune-1, admeasuring 2144 sq. meters.

(Property as described in the sale deed registered with the office of the Sub-Registrar, Bombay in January 1979).

A. C. CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 30-8-1979

10

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

### STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 6th October 1979

No. F.11/6/79-E1(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAIJ (GOA), PATIALA, PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad commencing on 16th March, 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 6th October, 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DIS-CRETION ON THE COMMISSION. CANDIDATES AD-MITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORM-ED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

- 2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:
  - (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade Π of the Stenographers Sub-cadre);
     [Includes 1 vacancy reserved each for Sch. Caste & Sch. Tribe candidates].
  - (ii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the select list of the Grade);
  - (iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C;
  - (iv) Posts of Stenograhers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.
    - \*Vacancies not intimated by Government.
    - \*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Scrvice/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

Note. — Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the bass of the Written Test and Shorthand Test in English (cf. para 4 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

- 5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.
- NOTE:—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1980 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1980 WILL NOT BE ENTERTAINED.
- 6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 3rd December, 1979, (17th December 1979) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 3rd December, 1979 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 3rd December, 1979.

7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has

migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

9. A refund of Rs. 3.00 (Re. 1.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed (ec and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, not can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1979 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1979 Examination, his candidature for the 1980 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 16th February 1980.

11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA.

Deputy Secretary,

Union Public Service Commission

### **ANNEXURE**

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see tf they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge, and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 4 of Appendix I to the Rules may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is hable to be rejected.

Note.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 9 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPERS ON ESSAY AND GENERAL KNOW-LEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS, VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUES: FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

All candidates, whether already in Government Service of in Government owned industrial undertakings of other similar organisations or in private employment, should submit meir applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it teaches the Union Public Service Commission (ate, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permahent of temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (1) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certricates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
  - (ii) Attested Certified copy of Certificate of Age.
  - (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
  - (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
  - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5(b) below).
  - (vii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.
  - (viii) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMITALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (127) (IV) AND (IV) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT, CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOUN AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JULY, 1980. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL, HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in para 4, 5 and 6:—

(i) (a) CRUSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Olders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested recrified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Fxamination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the affected/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Peadmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth of his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of agas laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application in inconsistent with that shown in the Matriculation Coefficiate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

Note 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL LEAVING CERTIFICATE NEED SUBMIT AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF ONLY THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE FURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

Note 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination. (iii) the Higher Secondary Course of Sci Aurobindo International Centre of Education, Prodicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must, submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3(iii) from the Principal Headmaster of the School concerned and no other certificate is evidence of age will be required.

NOTE 4.—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. I ne certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the patiental qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Comission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

Note 2.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.I..C. examination.

Note 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sti Aurobindo International Centre of Education Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Par [par/Handma te of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate, [cf : Note 3 under para 3(ii) and Note 3 above]

This is to certify that

(2) His/Her\* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is

This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her\* admission to the school\*.

(Signature of Headmaster/Principal\*)

(Name of the School)

Date-	
Place	

Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm.×7cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's

"Strike out whichever is not applicable.

TAKI III—SEC. I] THE GAZETTE OF INDIA	, OCTOBER 0, 1979 (ASVINA 14, 1901) /8/3
office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.	2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or*his/her family ordinar'ly reside(s) in village/town of the State/Union Territory
4. A candidate who claims to belong to one of the Sche-	of,
duled Castes or the Scheduled Tribes should submit in sup- port of his claim an attested/certified copy of a certificate	
in the form given below from the District Officer or the	†Designation
Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicate below of the district in which his parents (or surviving parent) ordi-	
narily reside who has been designated by the State Govern-	(wan sear or once
ment concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate	:
should be of the district, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own	Place
education.	Date-
The form of the certificate to be produced by Scheduled castes and Scheduled Tribes candidates applying for appoint-	* L
ment to posts under the Government of India.	Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation
This is to certify that Shri//Shrimati/Kumari*	of the People Act. 1950.
son/daughter* of of village/town* of the	tOfficers competent to issue Cost/Tribe certificates
State/Union Territory* belong to the	(i) District Maristrate Addition 1 District Magistrate,
Caste/Tribe* which is recognised as a	Collector D p. ( o o o o o o o collectional Deputy Collector/1st Class Stipend
Scheduled Caste/Scheduled Ti be under:-	iary Magistrate/City Magistrate/**Sub-Divisiona
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*	Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/ Extra Assistant Commissioner.
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*	**(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
the Constitution (Shecduled Castes) (Union Territories) Order,	<ul><li>(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Pre sidency Magistrate/Presidency Magistrate.</li></ul>
1951*.	(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*	(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candi date and/or his family normally resides.
	(v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop
las amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Puniab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradich Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and	5(a) Stenographers (including language Stenographers Clerks Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B) should a bmit a certificate in original from the Head of their
Scheduled Tribe Orders (Amendment) Act. 1976]	Department/Office in the following form :—  *(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari*
the Constitution (Jummu and Ka-hmir) Scheduled Castes	is a regularly appointed Stenggrapher employed
Order, 1956*	ment/Office of the Government of India/Union Territory* of and has rendered/would render no
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled	less than 3 years continuous Service as Stenographer/Cl Stenotypist/R.M.S. Sorter* on 1st January, 1980 and conti
Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*	mies/would continue to be employed as a Stenographer.
Schedified 1710; Orders (Amendment) Act, 1970	Certified further that he/she* has not been appointed or
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order 1962*	the results of an earlier examination held by the Union Public Service Commission in CSSS/RBSSS/IPSB Stenographers Sub-Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographers Service.*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes	*(ii) Cartified that Shri /Shrimati/Kumari*
Order 1962*	R.M.S. Sort r* employed in the Office of the
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964*	which is a Department Office of the Government of India.
the Constitution (Schiduled Tribes) (Uttar Pradesh), Order	Clark/Steno-Typist/R.M.S. Sorter Stenographers on 1s
1967*	No. ———————
de Constitution (Con Dames and Die) Calculate 1 5 2	Data
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled friber Order, 1968*	Place
the Constitution (Goo. Damand and Diu) Scheduled Triber	Signature Designation
Order 1968*	Ministry/Office
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order	
*= **	<del></del>

- (b) (i) A displaced person from crstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(C) (ii) or 6(C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971:—
  - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
  - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
  - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(C) (iv) or 6 (C) (v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi. Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C)(vii) or 6(C) (viii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June. 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C)(ix) or 6(C)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resttlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature	
Designation	
Date	

\*Strike out whichever is not applicable,

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(C)(xi) or 6(C) (xii) should produce, an attested/certified copy of a certi-

ficate in the form prescribed below from the Directorate-General Border Security Force, Ministry of Home Affaits, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature	,
D'esignation	
Date	

- (vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona lide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b)(i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certifled copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlet containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Clvil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (1) the Kitab Mahal, opposite Rivoli cinema, Fmporia Building 'C Block' Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the

Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various towns mufossil.

- 13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 14. Communications regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHLAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

(3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDID ATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

15. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPI ICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.